RNI NO. DELHIN/2012/48369
वर्ष 8 अंक 187
नई दिल्ली, मंगलवार, 12 मई, 2020
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

सिंगिंग के बाद की कंपोजिंग
विविध-12

www.dailypioneer.com

लॉकडाउन पर मुख्यमंत्रियों संग प्रधानमंत्री मोदी की महाबैठक

सबकी सुनी-अपनी कही लेकिन नहीं हटाया प्लान 18 मई से पर्दा

उषा श्रीवास्तव। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लॉकडाउन 03 की सत्रह मई को समाप्त हो रही मियाद के बाद की रणनीति तय करने के लिए सोमवार को सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ गहन मंत्रणा की। अपराह्न 3 बजे से रात सवा नौ बजे तक दो सत्रों में चली महाबैठक में प्रधानमंत्री ने गांवों को कोरोना मुक्त रखने पर विशेष जोर देते हुए आर्थिक गतिविधियां तेज होने की उम्मीद जताई। राज्यों को अधिक अधिकार देने की बात करते प्रधानमंत्री मोदी ने बैठक के अंत में जन से जग तक का नया नारा भी दिया और कहा कि विश्व युद्ध की भांति कोरोना के बाद भी दुनिया बदल जाएगी।

सवा छह घंटे लंबी बैठक में गमछे का मास्क लगाए पीएम ने मुख्यमंत्रियों की बातें बड़े ध्यान से सुनी, अहम बिंदुओं को नोट भी किया लेकिन 17 मई के बाद का अपना प्लान नहीं बताया। हालांकि, बैठक के बाद सरकार की तरफ से बताया गया कि प्रधानमंत्री कार्यालय

● दो सत्रों में सवा छह घंटे लंबी बैठक में 22 मुख्यमंत्रियों ने रखा अपना पक्ष, मोदी ने कहा-राज्य अपने स्तर पर करें फैसला

● पीएमओ कर रहा विचार, अगले दो तीन दिनों में सरकार जारी कर सकती है नए दिशा निर्देश

लॉकडाउन पर राज्यों को ज्यादा अधिकार देने पर मंथन कर रहा है। पीएमओ का मानना है कि राज्य सरकारें जमीनी स्तर पर यह तय करें कि लॉकडाउन बढ़ाया जाए या नहीं। सूत्रों के मुताबिक, केंद्र सरकार दो तीन दिनों के भीतर लॉकडाउन को लेकर नए दिशा निर्देश जारी कर सकती है। बैठक में प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से मुख्यमंत्रियों से कोरोना संकट पर चर्चा करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

ने कोरोना से जंग में एक टीम के रूप में काम करने के लिए राज्य सरकारों की तारीफ की और उनका हौसला बढ़ाते हुए बोले कि उनके उत्साह की बदौलत वे यह लड़ाई जीत लेंगे। सवा छह घंटे लंबी बैठक में 22 मुख्यमंत्रियों ने लॉकडाउन पर अपना पक्ष रखा। पश्चिम बंगाल, बिहार, पंजाब, महाराष्ट्र, तेलंगाना और असम के मुख्यमंत्रियों ममता बनर्जी, नीतीश कुमार, अमरिंदर सिंह, के सीआर आदि ने जहां लॉकडाउन बढ़ाने का पुरजोर समर्थन किया वहीं यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रियायतों के साथ लॉकडाउन बढ़ाने का पक्ष लेते हुए यह भी कहा कि इस बारे में केंद्र का फैसला उन्हें मान्य होगा। योगी ने प्रवासी मजदूरों के चलते बढ़े खर्चों का हवाला देते हुए कहा कि उनके रहने-खाने-रोजगार का प्रबंध सरकार के लिए बड़ी चुनौती साबित हो रहा है। झारखंड के मुख्यमंत्री शिबू सोरेन ने केंद्र से प्रवासी मजदूरों की देखभाल के लिए अलग पैकेज व जीएसटी का पैसा मांगा जबकि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री पलानीस्वामी (शेष पेज 9)

ममता की नसीहत संकट की घड़ी में राजनीति न करे केंद्र

पायनियर समाचार सेवा। कोलकाता

कोरोना के खिलाफ जंग की रणनीति बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ राज्यों के मुख्यमंत्रियों की सोमवार को आयोजित पांचवीं बैठक में भी ममता बनर्जी खफा दिखीं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री बनर्जी ने केंद्र सरकार पर भेदभाव का आरोप लगाते हुए नसीहत दी है कि इस मुश्किल घड़ी में किसी भी दल को राजनीति नहीं करनी चाहिए। उन्होंने केंद्र से संघीय ढांचा बरकरार (शेष पेज 9)

कोरोना काल में नियमों के साथ ट्रेन का सफर आज से

मथुरा स्टेशन पर विशेष ट्रेन के यात्रियों को खाने-पीने का सामान देते रेल कर्मचारी

● 15 शहरों के लिए दौड़ेंगी स्पेशल ट्रेनें, केवल एसी कोच व कन्फर्म टिकट पर होगी यात्रा, न कंबल मिलेगा और न ही खाना

● ऑनलाइन होगी टिकटों की बुकिंग, कम से कम डेढ़ घंटे पहले पहुंचना होगा स्टेशन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारतीय रेल ने कुछ चुनिंदा मार्गों पर वातानुकुलित यात्री ट्रेन सेवाएं शुरू करते हुए 12 मई से चलने वाली ट्रेनों के संबंध में नए दिशा निर्देश जारी किए हैं, जिसमे कम से कम डेढ़ घंटे पहले रेलवे स्टेशन पहुंचना शामिल है ताकि आपकी स्वास्थ्य जांच की जा सके। मंगलवार, 12 मई से यात्री ट्रेनों में सवार होने वालों को रेलवे पहले की तरह चादर, तौलिया, सामान्य भोजन, पेय आदि मुहैया नहीं कराएगा। फिलहाल यात्रियों को सिर्फ डिब्बाबंद भोजन और हैंड सेनेटाइजर उपलब्ध कराया जाएगा। भारतीय रेल का कहना है कि सभी यात्रियों के लिए मास्क पहनना अनिवार्य होगा। भारतीय रेल (शेष पेज 9)

10 मिनट में हावड़ा-दिल्ली एसी-1, एसी-3 के टिकट बुक

नई दिल्ली। आईआरसीटीसी ने अपनी वेबसाइट पर सोमवार शाम छह बजे के बाद, 12 मई से चलने वाली विशेष ट्रेनों के लिए बुकिंग शुरू की और हावड़ा-नई दिल्ली मार्ग की ट्रेन के एसी-1 और एसी-3 की सभी टिकटें 10 मिनट के भीतर बिक गईं। टिकटों की बुकिंग पहले शाम चार बजे से शुरू होनी थी, लेकिन कुछ तकनीकी दिक्कत के कारण उसमें देरी हुई। शाम करीब पौने पांच बजे आईआरसीटीसी ने सूचित किया कि बुकिंग शाम छह बजे से शुरू (शेष पेज 9)

केंद्र सरकार के कर्मचारियों के वेतन में कटौती का प्रस्ताव नहीं

नई दिल्ली (पीएनएस)। वित्त मंत्रालय ने सोमवार को स्पष्ट किया कि केंद्र सरकार के कर्मचारियों के वेतन में कटौती का कोई प्रस्ताव नहीं है। इस संदर्भ में आई खबरों पर अपनी प्रतिक्रिया में मंत्रालय ने ट्विटर पर लिखा है, केंद्र सरकार के किसी भी श्रेणी के कर्मचारियों के मौजूदा वेतन में किसी भी प्रकार की कटौती का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। मंत्रालय ने लिखा है, मीडिया के एक हिस्से में आई इस प्रकार की रिपोर्ट गलत और आधारहीन है। पिछले महीने सरकार ने अपने 50 लाख कर्मचारियों और 61 लाख पेंशनभोगियों को बढ़े हुए महंगाई भत्ते के भुगतान पर रोक लगा दी। सरकार कोरोना वायरस महामारी से निपटने के लिए जरूरी संसाधन जुटाने को लेकर अपने खर्च में कटौती कर रही है, इसी के तहत बढ़ा हुआ महंगाई भत्ता नहीं देने का निर्णय किया गया। वित्त मंत्रालय के अंतर्गत आने वाला व्यय विभाग ने एक कार्यालय ज्ञापन में कहा था कि एक जनवरी 2020 से 30 जून 2021 के बीच महंगाई भत्ता मद में कोई बकाए क भुगतान नहीं किया जाएगा।

कोरोना मामले 67 हजार के पार, 2000 मरीजों की मौत

● प्रत्येक जिले में हर हफ्ते 200 लोगों का कोरोना टेस्ट अनिवार्य

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

तेजी से देश को अपनी चपेट में ले रहे कोरोना वायरस से पीड़ितों की संख्या अब 67,152 हो गई है। पिछले 24 घंटे में देश में कोरोना वायरस के 4213 नए मामले सामने आए हैं, जबकि 1559 लोग ठीक भी हुए हैं। इस तरह रिकवरी रेट अब 31.15 प्रतिशत हो चुका है। पूरे देश में अब तक 2,206 लोगों की मौत हो चुकी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने सोमवार को बताया कि अब कोरोना मरीजों के डिस्चार्ज नीति को बदल दिया गया है। क्योंकि कई देशों ने अपनी नीति को परीक्षण-आधारित रणनीति से लक्षण और समय-आधारित रणनीति में बदल दिया है। हमने भी इसी

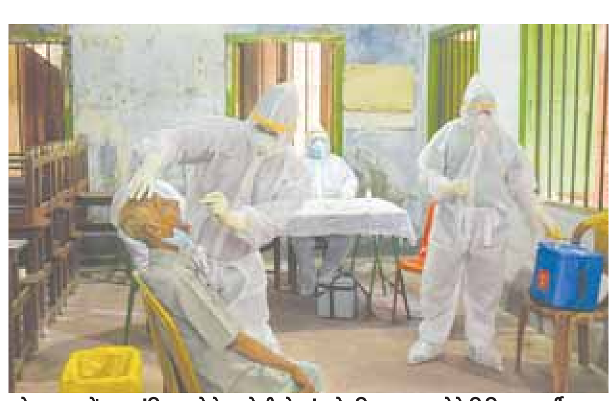

कोलकाता में एक संदिग्ध कोरोना रोगी से जांच के लिए नमूना लेते चिकित्साकर्मी

आधार पर अपनी नीति बदली है।

स्वास्थ्य मंत्रालय की ताजा रिपोर्ट के अनुसार कोरोना संक्रमण के मामलों के लिहाज से तमिलनाडु ने दिल्ली को पीछे छोड़ दिया है। अब तमिलनाडु 7200 कोरोना संक्रमितों के साथ महाराष्ट्र और गुजरात के बाद तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। महाराष्ट्र कोरोना से सर्वाधिक प्रभावित राज्य है। यहां 20,200 से अधिक कोरोना संक्रमित हैं और अब तक 750 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। इसके बाद गुजरात का नंबर आता है, जहां 7800 मामले हैं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली करीब 7000 मामलों के साथ चौथे स्थान पर है। उत्तर प्रदेश के हालात भी बहुत ठीक नहीं हैं और यहां आगरा का हाल रोजाना बिगड़ता ही रहा है।

अकेले आगरा में कोरोना संक्रमितों की संख्या लगभग 800 पहुंच गई है और 25 लोगों की मौत हो चुकी है। प्रदेशभर में मरीजों का आंकड़ा 3467 हो गया और अब तक 74 लोगों की जान इस महामारी से चली गई है। बढ़ते मामलों को देखते हुए सरकार टेस्टिंग की रणनीति भी बदल रही है और पूरे देश में कोरोना वायरस के लिए पुख्ता निगरानी तंत्र विकसित किया (शेष पेज 9)

कोरोना से मौत पर पोस्टमार्टम नहीं प्रशासन कराएगा अंतिम संस्कार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोरोना वायरस पीड़ित मरीजों की अस्पताल में होने वाली मौत को नॉन मेडिको लीगल केस (एमएलसी) माना जाएगा। इसका मतलब यह कि ऐसे केस में लाश का पोस्टमार्टम नहीं किया जाएगा। क्योंकि इससे पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टर और मार्च्युरी स्टाफको संक्रमण का खतरा रहता है। इसी के साथ निगेटिव रिपोर्ट या अस्पष्ट रिजल्ट लेकिन कोरोना के लक्षण वाले मरीज की मृत्यु को संभावित कोविड-19 मौत दर्ज किया जाएगा। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च

● पांच से अधिक परिजन नहीं जाएंगे श्मशान या कब्रिस्तान

● आईसीएमआर ने जारी किए नए दिशा-निर्देश

(आईसीएमआर) ने हाल ही में जारी नए दिशा-निर्देशों में यह बात कही है। ये दिशा-निर्देश कोरोना का इलाज करने वाले डॉक्टरों और अस्पतालों की ओर से इस संबंध में लगातार पूछे जा रहे सवालों पर स्थिति स्पष्ट करने के लिए जारी किए गए हैं। देश भर में अभी तक 2000 से अधिक लोगों की मौत इस घातक वायरस से हो चुकी है। आईसीएमआर के इस दस्तावेज में कहा गया है कि जब निमोनिया, हृदय की चोट और नसों में खून बह रहा हो तो कोविड-19 को मौत की मुख्य वजह माना जाएगा। स्वास्थ्य अनुसंधान संस्था ने मौत के कारण को दर्ज करने के लिए आईसीएमआर-एनसीडीआईआर ई-मृत्यु दर (ई-मोर) सॉफ्टवेयर की स्थापना की है। कुछ मामले आत्महत्या या दुर्घटना के आते हैं और उनमें (शेष पेज 9)

राशन कार्ड को आधार से जोड़ने की सीमा सितंबर तक बढ़ी

नई दिल्ली (पीएनएस)। खाद्य मंत्रालय ने राशन कार्ड को आधार से जोड़ने की समय सीमा सोमवार को सितंबर के अंत तक बढ़ा दी है। साथ ही जोर देकर कहा कि आधार से जुड़े नहीं होने के बावजूद लाभार्थियों को कार्ड पर उनके हिस्से का राशन मिलता रहेगा। आधार से नहीं जुड़े राशन कार्ड रद्द होने की खबरों पर मंत्रालय ने स्पष्टीकरण जारी करते हुए यह बात कही। आधिकारिक बयान के अनुसार सभी राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को राशन कार्ड को आधार संख्या से जोड़ने की जिम्मेदारी खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग की सात फरवरी 2017 की अधिसूचना के आधार पर दी गई है। इस अधिसूचना को समय-समय पर संशोधित किया जाता रहा है। अब इस काम की समयसीमा को बढ़ाकर 30 सितंबर 2020 तक कर दिया गया है। जब तक मंत्रालय सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को स्पष्ट निर्देश नहीं जारी करता तब तक किसी भी सही लाभार्थी को उसके हिस्से का राशन देने से मना नहीं किया जाएगा।

बाजार

संसेक्स	31,561	↓ 81
निफ्टी	9,239	↓ 12
सोना		/10g
चांदी		/kg

क्विक न्यूज

देश के कई हिस्सों में इस सप्ताह बारिश का अनुमान

नई दिल्ली। मौसम विभाग ने रविवार को कहा कि देश के कई हिस्सों मे इस सप्ताह हल्की से मध्यम स्तर की बारिश होने का अनुमान है। इसके अलावा कुछ स्थनो पर आंधी आने का भी अनुमान है। विभाग ने कहा कि उत्तरी भारत मे दो पश्चिमी विक्षोभ के चलते हल्की से भारी स्तर की बारिश हो सकती है। इन विक्षाभो के कारण पर्वतीय और मैदानी इलाको मे आंधी भी आ सकती है। मौसम विभाग के राष्ट्रीय मौसम भविष्यवाणी केन्द्र ने कहा कि अगले 36 घंटो मे उत्तर-पश्चिम भारत के एक बड़े हिस्से मे बारिश और गरज के साथ बूंदाबांदी होगी। इस बार मौसम में खासा बदलाव देखने को मिल रहा है और मई में तापमान बेहद कम है।

राज्यों की चिंता, मेहनत पर पानी न फेर दे श्रमिकों की वापसी

● प्रवासियो के लौटने के बाद कुछ प्रदेशों में तेजी से बढ़े मामले, अभी जारी है वापसी का दौर

राजेश कुमार। नई दिल्ली

कोरोना वायरस संक्रमण के फैलाव पर किसी तरह से अंकुश लगाने में सफल रहे कुछ राज्यों के लिए प्रवासी मजदूरों की घर वापसी दुःस्वप्न सरीखी होती जा रही है। इन राज्यों को अब यह डर सता रहा है कि सैकड़ों-हजारों की संख्या में लौट रहे मजदूर इस खतरनाक विषाणु के वाहक हो सकते हैं। बिहार, ओडिशा,

भोपाल में एक ट्रक पर सवार होकर उप्र में अपने घरों की ओर रवाना होते प्रवासी कामगार

झारखंड, उत्तर प्रदेश तथा पश्चिम बंगाल में कोविड-19 के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी देखी जा रही है, जो प्रवासियों की वापसी से जुड़े है।

अपने पैतृक स्थान रवाना होने से पहले इनमें से अधिकांश प्रवासियों का कोरोना वायरस टेस्ट नहीं हुआ था। वापसी के बाद केवल थर्मल स्कैनिंग कर इन्हें क्वेंरटाइन में भेज दिया जाता है। लिहाजा उनके कोरोना स्प्रेडर बनने की भारी संभावना रहती है। सुप्रीम कोर्ट में दिए गए एक हलफनामे में केंद्र ने कहा कि अपने शहर और गांव लौटने वाले करीब एक तिहाई प्रवासी नोवेल कोरोना वायरस से संक्रमित हो सकते हैं। लेकिन प्रवासियों के मामले में बल्क टेस्टिंग कराने के लिए कभी कोई प्रयास नहीं किए गए। केंद्रीय गृह मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक एक मई तक (शेष पेज 9)

प्रवासियों के लिए रोज 100 विशेष ट्रेनें चलाए रेलवे : गृह मंत्रालय

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

गृह मंत्रालय ने रेलवे से कहा है कि वह प्रवासी कामगारों की उनके पैतृक स्थानों पर वापसी सुनिश्चित करने के लिए अगले कुछ हफ्तों तक रोजाना कम से कम 100 विशेष ट्रेनों का संचालन करे। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए गृह मंत्रालय में संयुक्त सचिव पुण्या सलिला श्रीवास्तव ने कहा कि मंत्रालय ने सोमवार को रेलवे और राज्य सरकारों के नोडल अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा, इस बात पर जोर दिया गया कि प्रवासी कामगारों की वापसी सुनिश्चित के लिए अगले कुछ हफ्तों तक कम से कम 100 ट्रेनों का संचालन किया जाए। श्रीवास्तव ने कहा कि गृह मंत्रालय ने एक पत्र लिखकर राज्य सरकार से कहा है कि यह सुनिश्चित करें कि किसी भी मजदूर को सड़क या रेल पटरियों पर पैदल न चलने दिया जाए। उन्होंने कहा, अगर वे पैदल या रेलवे पटरी पर सफर करते पाए जाएं तो उनके लिए बस या ट्रेन की व्यवस्था करने के पर्याप्त प्रयास किए जाएं। जब तक प्रबंध नहीं हो जाता तब (शेष पेज 9)

● श्रमिकों को सड़क या रेल पटरियों पर पैदल चलने से रोका जाए, बस या ट्रेन की व्यवस्था करें राज्य सरकारें

हरियाणा के लोगों ने तोड़ा लॉकडाउन, पुलिस ने कमाए 28 करोड़

प्रदेश में दस हजार लोगों ने किया कर्फ्यू का उल्लंघन

पुलिस ने साढ़े आठ हजार को किया गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा में लोगों ने जहां खुलकर लॉकडाउन का उल्लंघन किया वहीं लोगों को यह अपराध पुलिस के लिए कमाई का जरिया बन गया। पुलिस ने इस अवधि के दौरान 28 करोड़ से अधिक का राजस्व एकत्र कर लिया। प्रदेश में लॉकडाउन का उल्लंघन करने पर हजारों लोगों को सलाखों के पीछे भी जाना पड़ा है।

हरियाणा पुलिस महानिदेशक द्वारा जारी की गई रिपोर्ट के मुताबिक प्रदेश में 25 मार्च को लॉकडाउन शुरू होने के बाद इंटर स्टेट और इंटर सिटी नाकाबंदी की गई। प्रदेश में दस मई तक कुल 10,847 लोगों ने लॉकडाउन का उल्लंघन किया। जिसके चलते पुलिस ने प्रदेश में 8,692 लोगों को गिरफ्तार किया। हरियाणा पुलिस ने प्रदेश के अलग-अलग पुलिस थानों में इस अवधि के दौरान 14,511 वाहनों को जब्त किया गया। पुलिस ने इस अवधि के दौरान कुल 6159 मामले दर्ज किए। हरियाणा पुलिस द्वारा लॉकडाउन की अवधि के दौरान चलाए गए अभियान से अब तक 28 करोड़ 24 लाख 48 हजार 451 रुपये जुर्माने के रूप में एकत्र किए हैं।

पलवल में तोड़ा सर्वाधिक लॉकडाउन, गुरुग्राम में हुई गिरफ्तारियां : हरियाणा पुलिस द्वारा पेश की गई लॉकडाउन रिपोर्ट के अनुसार पलवल में सर्वाधिक 1360 लोगों ने लॉकडाउन को उल्लंघन किया।

इसके उलट साइबर सिटी गुरुग्राम में सर्वाधिक 1105 लोगों को गिरफ्तार किया गया। करनाल में सबसे अधिक 1343 वाहनों को जब्त किया। गुरुग्राम में सबसे अधिक 734 मामले दर्ज किए गए। इसी प्रकार पानीपत में सर्वाधिक चार करोड़ 51 लाख 22 हजार 700 रुपये जुर्माना वसूल किया गया।

हरियाणा पुलिस द्वारा लॉकडाउन का सख्ती से पालन कराया जा रहा है। पुलिस द्वारा जहां अंतरराज्जीय सीमाओं को सील किया गया है वहीं अंतर जिला सीमाओं को भी सील किया गया है। लॉकडाउन का उल्लंघन करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस द्वारा इस अवधि के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वालों को जुर्माना करके सराहनीय कार्य किया गया है। मेरी जनता को अपील है कि वह घर में रहकर लॉकडाउन का पालन करें।

अनिल विज, गृहमंत्री हरियाणा।

लॉकडाउन में लॉक थी शराब, होता रहा खेल

आबकारी विभाग ने जिला स्तर पर नहीं जांचा स्टॉक

सरकार लॉकडाउन में व्यस्त, अधिकारियों ने बरती कदम-कदम पर कोताही

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा में लॉकडाउन शुरू होने के साथ ही शराब का खेल शुरू हो गया था। पूरे प्रदेश में हुए इस कथित घोटाले को लेकर आबकारी विभाग पहले तो आंखें मूंदे बैठा रहा और जब मीडिया में मामला उजागर हुआ तो जिला स्तर पर कमेटियों का गठन करके लीपापोती शुरू कर दी है। इस घोटाले में अब जिला स्तरीय व प्रदेश स्तरीय एसआईटी ने जांच शुरू कर दी है।

शराब घोटाले के मुद्दे पर प्रदेश सरकार शुरू से ही कटघरे में है। हरियाणा में 23 मार्च से लॉकडाउन शुरू हुआ था। 25 मार्च को सरकार ने शराब ठेके बंद करने के आदेश जारी कर दिए। 31 मार्च को शराब के पुराने ठेकेदारों का कार्यकाल समाप्त होना था। एक अप्रैल से नये ठेकेदारों को हरियाणा में ठेकों का संचालन शुरू करना था। लॉकडाउन के कारण आनन-फानन में जब ठेके बंद किए गए तो सरकार ने जिला अधिकारियों को निर्देश दिए वह शराब ठेकों पर जाकर स्टॉक की जांच करेंगे।

समूची सरकार तथा जिला प्रशासन का ध्यान पहले लॉकडाउन को सख्ती से लागू करवाने की तरफ था। जिसके चलते आबकारी विभाग के कर्मचारी ग्रांउड जीरो पर स्टॉक की जांच करने के लिए नहीं गए और ठेकेदारों ने इसका लाभ उठाकर स्टॉक में रखी शराब को मनचाहे दामों पर बेच दिया। इस मुद्दे पर जब हंगामा शुरू हुआ तो लॉकडाउन के दौरान ही सरकार ने स्टॉक जांचने के आदेश दे डाले। अधिकारियों ने इसे भी गंभीरता से नहीं लिया और केवल तीन जिलों में स्टॉक कम दिखाकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया। गृहमंत्री अनिल विज द्वारा इस मामले में हस्तक्षेप किए जाने के बाद आबकारी मंत्री दुष्यंत चौटाला ने सभी जिलों में तैनात अधिकारियों की कमेटियां बनाकर अब स्टेट्स रिपोर्ट मांग ली है लेकिन अब प्रदेश के सभी जिलों में नए ठेकेदारों ने काम शुरू कर दिया है। ऐसे में पहले व दूसरे लॉकडाउन के दौरान हुए शराब के खेल से पर्दा उठना असंभव है।

शराब घोटाले की बीस दिन में पूरी हो जांच : विज

चंडीगढ़। हरियाणा के गृहमंत्री अनिल विज ने प्रदेश में लॉकडाउन के दौरान हुए शराब घोटाले की जांच बीस दिन में पूरी करने के निर्देश दिए हैं। गृहमंत्री ने एसआईटी से इस मामले में 31 तक रिपोर्ट तलब की है।

सोनीपत के खरखौदा में शराब चोरी के बाद प्रदेश के कई जिलों में शराब की गड़बड़ियां सामने आई हैं। जिसके चलते सोमवार को गठित एसआईटी समूचे हरियाणा की जांच करेगी। एसआईटी द्वारा प्रदेश के सभी पुलिस थानों व चौकियों के

मालखानों की जांच की जाएगी। एसआईटी लॉक डाऊन के दौरान प्रदेश के शराब के स्टॉक की भी पड़ताल करेगी। इसके अलावा यह भी पड़ताल की जाएगी कि अप्रैल 2019 से 31 मार्च 2020 तक पुलिस विभाग द्वारा कितनी अवैध शराब पकड़ी गई और आबकारी विभाग ने कितना जुर्माना लगाया। इस मामले में काफी सख्त तेवर अपनाए हुए प्रदेश के गृह मंत्री अनिल विज ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि एसआईटी को 31 मई तक रिपोर्ट पेश करने को कहा गया है। उन्होंने कहा कि एसआईटी को सभी पहलूओं को आधार बनाकर जांच करने के लिए कहा गया है। जांच रिपोर्ट में जो लोग दोषी पाए जाएंगे उन्हें किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

सब कुछ बंद था फिर कैसे जारी हुआ परमिट

हरियाणा में हुए शराब घोटाले को लेकर आबकारी विभाग शुरू से कटघरे में है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार लॉकडाउन के बाद शराब ठेके बंद हो गए। पहले लॉकडाउन में सभी प्रकार की दुकानें, वाहन, उद्योग आदि सबकुछ बंद था। इसके बावजूद आबकारी विभाग के अधिकारियों ने मार्च माह के अंतिम सप्ताह में परमिट जारी कर दिए। ऐसे में सवाल यही है कि परमिट जारी होने के बाद यह शराब कहां बेची गई है।

छात्र हित के हर निर्णय पर कुविवि का समर्थन करेगी जजपा : खैहरा

कुरुक्षेत्र। जननायक जनता पार्टी के युवा जिला प्रधान डॉ. जसविन्द्र खैहरा ने कुलपति डॉ. नीता खन्ना से मुलाकात की। उन्होंने लॉकडाउन के दौरान विद्यार्थियों की पढ़ाई, परीक्षाओं और नए शैक्षणिक सत्र जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की। इस मौके पर उनके साथ जजपा के पूर्व प्रत्याशी योगेश शर्मा, युवा हल्का प्रधान हर्ष शर्मा भी मौजूद थे। डॉ. खैहरा ने कुलपति के नेतृत्व में लॉकडाउन के दौरान ऑनलाइन पढ़ाई, सेमिनार व अन्य शैक्षणिक कार्यक्रम सुचारू रूप से जारी रखने की बधाई दी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी कुलपति डॉ. नीता खन्ना के नेतृत्व में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय दिन-दुगनी रात-चौगुनी तरक्की करेगा। डॉ. खैहरा ने कुलपति को इनसो छात्र संगठन और जननायक जनता पार्टी की ओर से विद्यार्थियों के हित में विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा लिए जाने वाले हर फैसले में अपना सहयोग देने का आश्वासन दिया।

कक्षा छठी की छात्रा कोरोना पॉजीटिव

एसडीएम ने स्वास्थ्य विभाग को दिए दिशा-निर्देश

कुरुक्षेत्र। निकटवर्ती गांव धनानी में 11 वर्षीय बच्ची के कोरोना पॉजिटिव मिली है। कोरोना संक्रमित केस मिलने के बाद गांव में नाकेबंदी कराते हुए क्वारंटाइन कर दिया है। समाचार मिलने के बाद एसडीएम लाडवा अनिल यादव, थाना प्रभारी डीएसपी हरप्रीत सिंह, नायब तहसीलदार रूपिन्द्र सिंह व बाबैन की चिकित्सा प्रभारी डॉ. भारती दुआ तुरंत अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे।

स्वास्थ्य विभाग की टीम की निगरानी में कोरोना संक्रमित बच्ची को आदेश मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल दाखिल करा दिया। एसडीएम अनिल यादव ने कहा कि गांव धनानी को पूरी तरह से सील करा दिया है और सरपंच प्रतिनिधि को हिदायत देकर कहा कि गांव धनानी से किसी भी व्यक्ति को न तो गांव से बाहर जाने दिया जाए और न ही किसी को बाहर से गांव के अन्दर प्रवेश करने दिया जाए। पीड़ित बच्ची के पिता ने कहा कि उसकी चचेरी बहन हरियाणा पुलिस में कार्यरत है, जिसकी ड्यूटी पंचकूला के सेक्टर-5 में हुई है। तीन-चार दिन पहले ही उसकी चचेरी बहन गांव धनानी में आई थी और अगले दिन वापस चली गई। उन्होंने कहा कि उसकी बहन समेत उनके परिवार के 11 लोगों के कोरोना टैस्ट नैगेटिव आए हैं, लेकिन उनकी बेटी की टैस्ट रिपोर्ट पॉजिटिव आई है, जो समझ से परे है।

सोनीपत में पांच नए पॉजिटिव केस मिले

सोनीपत। उपायुक्त डा. अंशज सिंह ने कहा कि बीती रात्रि सोनीपत जिले में कोविड-19 कोरोना वायरस के पांच नये पॉजिटिव केस मिले हैं। इससे सोनीपत जिला में कोरोना वायरस के पॉजिटिव मामलों का आंकड़ा अब 105 हो गया है। यह जानकारी देते हुए उपायुक्त ने आम जनमानस से अपील की कि वे लॉक डाउन का अनुपालन करें।

जिला स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर उपायुक्त डा. अंशज सिंह ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कुछ संदिग्धों के सैंपल लिए गए थे, जिनकी रिपोर्ट बीती रात्रि प्राप्त हुई है। पांच संदिग्धों की रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव मिली है। इनमें दो मामले गन्नौर शहर के शास्त्री नगर इलाके के हैं। दोनों मामले एक ही परिवार हैं, जिसमें मां-बेटे कोरोना संक्रमित मिले हैं। शास्त्री नगर में रहने वाली महिला और उनका पुत्र कोरोना वायरस के पॉजिटिव मिले हैं।

उपायुक्त ने की शहर के विकास से जुड़ी परियोजनाओं की समीक्षा

पायनियर समाचार सेवा। करनाल

शहर के विकास और जनहित से जुड़े कार्यों को पूरा करवाने के लिए उपायुक्त निशांत कुमार यादव, जिनके पास नगर निगम आयुक्त का कार्यभार भी है, ने सोमवार को लघु सचिवालय के सभागार में निगम की अभियान्त्रिकी शाखा से जुड़े अधिकारियों के साथ काफी देर तक भिन्न-भिन्न परियोजनाओं को लेकर चल रहे कार्यों की समीक्षा की।

बैठक में अमृत में शामिल एसटीपी, सेक्टर 12 में नगर निगम के नये भवन में इंटीरियर कार्य, सोलिड वेस्ट प्लांट की क्षमता बढ़ाना, शहर के प्रवेश मार्गों पर महापुरूषों के नाम पर बनाए जा रहे द्वारों को मुकम्मल करना, स्लाटर हाऊस के अन्दर एफ्युलेंट ट्रीटमेंट प्लांट में प्रयोगशाला की स्थापना, वसंत विहार में गलियों के निर्माण को पूरा करना जैसे अहम

कार्यों के साथ-साथ सेक्टर 13 की आंतरिक सड़कों का सुदृढ़ीकरण तथा नुर महल व रांवर रोड की सड़कों की मरम्मत पर भी चर्चा की गई।

निगम के अधीक्षण अभियन्ता रमेश मढ़ाण, डीएमसी धीरज कुमार, विभिन्न कार्यकारी अभियन्ता व सहायक इंजीनियर के अतिरिक्त अमृत में कार्य कर रही टाटा कम्पनी के ठेकेदार तथा अम्रुत के कार्यों की मोनिट्रिंग कर रही केंद्रीय एजेंसी के टीम लीडर आरपी गुप्ता भी बैठक में मौजूद रहे बैठक में अमृत के कार्य करवा रही एजेंसी टाटा आईपीएल के ठेकेदार से उपायुक्त ने अधुरे कार्यों को पूरा करने के सवाल पर संतोषजनक उत्तर नही दिए जाने पर चेतावनी देकर कहा कि सभी जगह काम हो रहे है, लेबर न मिलने का बहाना वाजिब नहीं। अभी करीब 40 से 50 प्रतिशत काम पड़ा है जिसमें फुसगढ़ स्थित 20 एमएलडी तथा शिव कालोनी स्थित 8 एमएलडी एसटीपी को मुकम्मल करने के साथ-साथ नूर महल व रांवर रोड के कार्य भी करने है। अब इनमें देरी बर्दाश्त नही, लोकल लेबर लेकर काम बढ़ाएं। बता दें कि टाटा आईपीएल के ढुलमुल रवैये के चलते नगर निगम की ओर से 17 करोड 8 लाख रुपये की पैनल्टी भी लगाई गई है।

धान की खेती पर पाबंदी का फैसला वापस ले सरकार : हुड्डा

बंदिशें लगाने की बजाए, फसल की खरीद, उठान व पेमेंट पर दे ध्यान

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

पूर्व मुख्यमंत्री और नेता विपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने हरियाणा सरकार के धान बुवाई पर पाबंदी लगाने के फैसले का विरोध जाहिर करते हुए इस फैसले को फौरन वापस लेने की मांग की है। हुड्डा यहां डिजिटल माध्यम से प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भूजल की चिंता करना जरूरी है लेकिन इसके लिए सरकार को अपनी तरफ से भी कदम उठाने चाहिए। उसे हरियाणा की सबसे बड़ी दादूपुर नलवी वॉटर रीचार्ज कैनाल परियोजना को फिर से शुरू करना चाहिए।

एसवाईएल के पानी को लाने के लिए कोशिशें करनी चाहिए। हांसी-बुटाना नहर में पानी लाने की योजना बनानी चाहिए। झील खुदवाने से लेकर ड्रिप सिस्टम से सिंचाई पर जोर देना चाहिए। ये सब करने की बजाए, ऐन बुवाई से पहले कई ब्लॉक में धान पर पाबंदी लगाना कतई गलत है।

हुड्डा ने कोरोना से लड़ाई, लॉकडाउन में ढील, धान बुवाई पर पाबंदी, शराब घोटाले की जांच और मध्यम व निम्न तबके को आर्थिक

राहत देने समेत कई मुद्दों पर पत्रकारों से बातचीत की और कहा कि वो महामारी के इस नाजुक दौर में विवाद नहीं संवाद के जरिए अपनी बात सरकार तक पहुंचाना चाहते हैं। हुड्डा ने कहा कि महज सात हजार रुपये प्रति ऐकड़ के ऐलान से किसान धान छोड़ने को राजी नहीं है। किसान को धान से ज्यादा मुनाफे वाली वैकल्पिक फसलों के बारे में जानकारी देनी चाहिए। उन्हें वैकल्पिक फसल उगाने से किसान को होने वाले घाटे की भरपाई भावांतर योजना के तहत करनी चाहिए। हुड्डा ने कहा कि इससे पहले भी सरकार ने 'जल ही जीवन है' योजना के तहत जो 2 हजार रुपये प्रोत्साहन राशि और बीमा का वादा किया था, वो भी पूरा नहीं किया। किसी किसान को न प्रोत्साहन राशि मिली और न ही बीमा का मुआवजा मिला है। उन्होंने कहा कि सरकार का सारा जोर गेहूं और सरसों की खरीद, मंडियों से उठान और फसल की पेमेंट पर होना चाहिए। हरियाणा ने 130 लाख मीट्रिक टन के अनुमानित उत्पादन में से सिर्फ 57 लाख मीट्रिक टन गेहूं ही खरीदा है। उठान सिर्फ 29 लाख मीट्रिक टन का हुआ है और ज्यादातर किसानों का पेमेंट पेंडिंग है। प्रदेश पर बढ़ते कर्ज के बारे में पूर्व मुख्यमंत्री ने चिंता जाहिर करते हुए कहा कि आज बीजेपी सरकार में प्रदेश पर दो लाख करोड़ का कर्ज है लेकिन सरकार अब भी कह रही है कि हमें और कर्ज लेने की जरूरत है।

हुड्डा ने कहा कि अगर सरकार कर्ज ले रही है तो उससे गरीब, किसान, मजदूर, दिहाड़ीदार, दुकानदार, छोटे व्यापारी और मध्यम वर्ग को आर्थिक राहत देनी चाहिए। निम्न, मध्यम वर्ग और छोटे दुकानदारों के 3 महीने तक बिजली बिल में 300 यूनिट माफ होनी चाहिए। लघु, कुटीर और मध्यम क्षेत्र के उद्योगों के लिए आर्थिक पैकेज का ऐलान होना चाहिए।

बीजेपी सरकार पहले ही डीजल पट्रोल पर हमारे कार्यकाल 9.24 प्रतिशत वैट को बढ़ाकर 17.4 प्रतिशत कर चुकी थी अब इस नाजुक दौर में सरकार को पेट्रोल-डीजल, फल-सब्जी पर टैक्स लगाकर और बस किराया बढ़ाकर आम आदमी पर मार की बजाए, सक्षम लोगो पर या शराब सिगरेट आदि पर टैक्स लगाना चाहिए।

गेहूं उठान कार्य में ट्रांसपोर्टर लापरवाही बरते तो रोकें पेमेंट

करनाल। अनाज मंडियों से गेहूं के उठान में खरीद एजेंसी तेजी लाएं और जो ट्रांसपोर्टर लापरवाही बरतता है, उसकी पेमेंट रोकी जाए। गेहूं के उठान में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उपायुक्त सोमवार को नीलोखेड़ी अनाज मंडी का औचक निरीक्षण करने पहुंचे और गेहूं के उठान में हो रही देरी के बारे में मंडी सचिव और खरीद एजेंसी हैफेड के मैनेजर से जानकारी ली। इस पर उन्होंने बताया कि गत दिवस बारिश की वजह से उठान नहीं हो पाया, इसके अलावा यहां का गेहूं करनाल स्टोरेज के लिए जा रहा है और ट्रांसपोर्टर इस कार्य में आनाकानी कर रहा है। उपायुक्त ने एसडीएम करनाल को निर्देश दिए कि सम्बंधित ट्रांसपोर्ट की अगर लापरवाही नजर आए, तो उसका पेमेंट रोका जाए और यहां के गेहूं उठान का कार्य जल्द से जल्द पूरा कराएं। इस अवसर पर हैफेड के मैनेजर उधम सिंह ने कहा कि अगले 1-2 दिन में ही मंडी से गेहूं का उठान अवश्य करा दिया जाएगा। इस अवसर पर एसडीएम करनाल नरेन्द्र पाल मलिक, मंडी सचिव जय प्रकाश, आढ़ती एसोसिएशन के प्रधान प्रदीप कुमार, पूर्व प्रधान सुरेन्द्र शर्मा, इंस्पेक्टर विरेन्द्र सिंह सहित अन्य आढ़ती व किसान उपस्थित रहे।

लॉकडाउन के बाद प्रदेश की पालिका, परिषद और निगमों का आर्थिक ढांचा चरमराया

दर्जनों पालिका परिषदों एवं फायर स्टेशनो पर नहीं मिल रहा है कर्मचारियों को 3-4 महीने से वेतन : शास्त्री

आर्थिक स्थिति खराब होने से मई का वेतन मिलने की उम्मीद नहीं : शास्त्री

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

कोरोनावायरस से फैली वैश्विक महामारी के बाद देश में लगे लॉक डाउन से प्रदेश की पालिका, परिषदों एवं नगर निगम मैं आमदनी के सभी स्त्रोत बंद होने के बाद आर्थिक स्थिति कमजोर हो गई है। अब कर्मचारियों को लॉक डाउन खुलने के 6 महीने तक भी आर्थिक स्थिति सुधरने के आसार नजर नहीं आ रहे हैं।

इस तरह की शंकाएं नगर पालिका कर्मचारी संघ की तरफ से जारी की गई है। संगठन के प्रदेशाध्यक्ष नरेश कुमार शास्त्री ने कहा कि सरकार ने पालिका, परिषदों एवं निगमों के कर्मचारियों को वेतन देने की जिम्मेदारी लेते हुए कहा था की कर्मचारियों को समय पर वेतन दिया जाएगा लेकिन, आज तक पालिका परिषद व निगमों में कर्मचारियों एवं पेंशन भोगियों को अप्रैल पेड़ मई का वेतन एवं पेंशन नहीं मिली है।

उन्होंने सरकार से पालिका परिषदों एवं नगर निगमों की आर्थिक स्थिति को सुधारने के लिए तथा कर्मचारी एवं पेंशन भोगियों को समय पर वेतन व पेंसन देने के लिए ?1000 का आर्थिक पैकेज द देने की मांग की है। उन्होंने हरियाणा सरकार पर फ्रंटलाइन कोरोना योद्धाओं का शोषण करने एवं उनके मनोबल को तोड़ने का आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश के विभिन्न फायर स्टेशनों नरवाना, चीका, गुरुग्राम गन्नौर, बहादुरगढ़, फरीदाबाद पंचकूला, हांसी तथा मार्केट कमेटी के सभी फायर स्टेशनों पर वेतन नहीं मिल रहा है।

संघ नेताओं ने कहा कि लॉक डाउन में साधनों के अभाव में ड्यूटी पर नहीं आने वाले गरीब ठेका सफाई मजदूरों का वेतन भी गुड़गांव व फरीदाबाद सहित अन्य दर्जनों शहरी स्थानीय निकायों में काटा जा रहा है। उन्होंने कहा कि, प्रदेश की पालिका परिषद एवं निगमों तथा फायर स्टेशनों में ठेका कर्मचारियों की छटनी भी की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

मिट्टी के ढेर के नीचे दबने से तीन मजदूरों की मौत

सोनीपत। गोहाना के लाठ गांव में एक ट्यूबवेल से दूसरे खेत तक पानी पहुंचाने के लिए पाइप लाइन बिछाते वक्त बड़ा हादसा हो गया। काम कर रहे तीन मजदूर मिट्टी के नीचे दब गए, जिससे तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। दूसरे मजदूरों ने उन्हें निकालने की कोशिश की, लेकिन जब तक बाहर निकाला गया, तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने जमीन मालिक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। लाठ गांव के प्रदीप को अपने खेत में लगे ट्यूबवेल से दूसरे खेत तक पाइप लाइन बिछवानी थी। रविवार और सोमवार की दरमियानी रात को पाइप लाइन बिछाने का काम चल रहा था। इस काम में छह मजदूर लगे हुए थे। ट्यूबवेल से दूसरे खेत के बीच में एक सड़क है। रात में वहां खुदाई करके पाइप बिछाने का काम जारी था। इस काम में लाठ गांव का मुकेश (42), अजीद (33) और पानीपत के प्रदीप (22) लगे हुए थे। अचानक से तीनों के ऊपर मिट्टी का बड़ा सा हिस्सा गिर गया। इससे तीनों नीचे दब गए। ऐसा होता देख दूसरे मजदूरों में भगदड़ मच गई। वे उन्हें निकालने के लिए आनन-फानन में दौड़े और मिट्टी हटाने लग गए, लेकिन जब तक तीनों को बाहर निकाला गया तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। घटना की जानकारी मिलने पर सदर थाना गोहाना से पुलिस टीम मौके पर पहुंची। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने मिट्टी हटा कर तीनों श्रमिकों को बाहर निकाल कर नागरिक अस्पताल पहुंचाया। वहां पर चिकित्सक ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। सोमवार को पुलिस ने शवों का पोस्टमार्टम कराया। जांच अधिकारी रमेश कुमार के अनुसार मृतक मुकेश के भाई राजपाल की शिकायत पर किसान प्रदीप के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। तीनों श्रमिकों के शव का पोस्टमार्टम करा कर परिजनों को सौंप दिया गया है। किसान द्वारा बिना मंजूरी के रोड के नीचे से पाइप दबाने की शिकायत मिली है। मामले की जांच की जा रही है।

लॉकडाउन के नियमों का पालन नहीं करने पर ढाबा सील

करनाल। एसडीएम नरेन्द्र पाल मलिक ने कोरोना वायरस महामारी के चलते लॉकडाउन के नियमों का पालन नहीं करने पर जीटी रोड स्थित नीलकंठ स्टार ढाबा और गोल्ड पंजाबी ढाबे को सील किया। वे सोमवार को ढाबों का औचक निरीक्षण कर रहे थे। एसडीएम ने कहा कि लॉकडाउन के दौरान कोरोना महामारी से बचाव के लिए गृह मंत्रालय भारत सरकार की ओर से जीटी रोड पर स्थित ढाबों को सशर्त खोलने के निर्देश दिए गए हैं लेकिन कुछ लोग थोड़े से लालच के लिए ना केवल अपने लिए खतरा पैदा कर है बल्कि दूसरों के लिए भी मुसिबत खडी कर रहे है। उन्होंने बताया कि जीटी रोड पर स्थित नीलकंठ स्टार ढाबा और गोल्ड पंजाबी ढाबे पर लॉकडाउन के नियमों की अनदेखी करने बारे सूचना मिली थी, जिसको लेकर तुरन्त वहां का दौरा किया गया और मौके पर दोनों ढाबों के अन्दर बैठकर लोग खाना खाते पाए गए, कानूनी कार्रवाई करते हुए इन ढाबों को सील किया गया है। उन्होंने कहा कि ढाबों का निरीक्षण नियमित रूप से जारी रहेगा और जो लॉकडाउन के नियमों की पालना नहीं करेगा, उनके खिलाफ कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

जरूरतमंदों को वितरित किए 2200 भोजन के पैकेट

सोनीपत। सिद्धपीठ श्री लक्ष्मी नारायण बालाजी मंदिर पुरानी महावीर कॉलोनी समिति के प्रधान सुरेश भारद्वाज ने बताया कि 11 मई को समिति ने 2200 जरूरतमंदों को भोजन के पैकेट वितरित किए। सोमवार को समिति ने गऊशाला, सुंदर सावरी, डेह बस्ती, लाल दरवाजा, बागड़ी मोहल्ला, शनि बस्ती, ज्ञान नगर, भीम नगर, सारंग रोड, बस अड्डा, मसद मोहल्ला, धानकान बस्ती, कल्याण नगर, कुम्हार गेट, फैज बाजार, मोहल्ला कलां, ओम नगर, सिद्धार्थ कॉलोनी झुगी बस्ती, नई महावीर कॉलोनी आदि क्षेत्रों में जाकर भोजन के पैकेट वितरित किए। भारद्वाज ने बताया कि भोजन वितरण कार्य में राजकरण शर्मा, विकास खत्री, संजीव बत्रा, मेहरचंद मानिक, हरगोविंद गंभीर, राजेश भारद्वाज, अमित पाहुजा, राजू गंभीर, संजय डेंबला, संदीप भारद्वाज, नंद छाबरा, रमेश संदुजा, सचिन ढींगरा, जतिन भारद्वाज, यनकुश राठौर, डॉ सतीश कुमार, विजय बब्बर, हरबिन्दु मण्डल, चिराग ढींगरा आदि का लगातार पूरो सहयोग मिल रहा है।

महापौर ने शहर में विकास कार्यों की विधिवत कराई शुरुआत

करनाल। शहर से जुड़े दो विकास कार्यों का महापौर रेणु बाला गुप्ता ने सोमवार को निगम अधिकारियों और क्षेत्र के नागरिकों की उपस्थिति में नारियल फोड़कर शुरुआत कराई। इन कार्यों में अमृत प्रोजेक्ट के तहत अटल पार्क से मुगल कैनाल तक बरसाती पानी की लाइन बिछाना तथा सेक्टर-9 में सड़कों को सुदृढ़ बनाना शामिल था। वार्ड पार्षद मुकेश अरोड़ा भी इन कार्यक्रमों में मौजूद रहे। मेयर ने बताया कि अटल पार्क के मुगल कैनाल तक स्टोरम वाटर की लाइन का कार्य तुरंत शुरू हो गया है, जो अगले करीब एक महीने में समाप्त होगा। इस पर अनुमानित 70 से 80 लाख रुपये की लागत आएगी और यह 700 मीटर लम्बाई में बनेगा। सेक्टर-9 पार्क के पीछे स्थित नाले का पानी भी इसी लाईन में डाला जाएगा और इसके मुकम्मल होने से इन एरिया में बरसाती पानी के भराव की समस्या से नागरिकों को निजात मिलेग। इससे पूर्व महापौर ने सैक्टर-9 में जाकर सड़क के सुदृढ़ीकरण के कार्य का नारियल फोड़कर शुभारम्भ किया। अटल पार्क से पंजाबी धर्मशाला तक तैयार की जा रही इस सड़क पर बिटुमिन मैकेडम और प्रिमिक्स कारपेटिंग के कार्य होंगे। करीब 500 फुट लम्बाई की सड़क के इस कार्य को 3-4 दिन में ही समाप्त करने की कौशिश रहेगी। मेयर ने मौके पर मौजूद एई सुनील भल्ला व जेई रवि कुमार को कहा कि सड़क के सुदृढ़ीकरण का कार्य क्वालिटी से और जल्द होना चाहिए, ताकि जनता को सुविधा मिल सके। इसके बाद सड़क पर सफेद पट्टी की मार्किंग व कैटआई भी लगाई जाए, ताकि सेक्टर में स्थित होने के कारण सड़क स्मार्ट लगे।

महिला की हत्या के आरोप में पति सहित 4 पर केस

ढांड। गांव पबनावा में एक महिला की गला घोंटकर हत्या करने के आरोप में पुलिस ने मृतका के पति, ससुर, सास व देवर के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस को दी अपनी शिकायत में मृतका महिला के पिता गोंदर जिला करनाल निवासी पाला राम ने कहा कि उसकी लड़की की मंजू की शादी दो दिसंबर 2015 को गांव पबनावा निवासी पवन पुत्र रामदिया के साथ हुई थी और शादी के करीब डेढ़ वर्ष तक सबकुछ ठीकठाक रहा। उसके बाद मंजू को दहेज की मांग करते हुए प्रताड़ित किया गया। पाला राम ने आरोप लगाया कि उसकी बेटी मंजू की पति पवन, ससुर रामदिया, सास अंगूरी व देवर संजू ने गला दबाकर हत्या कर दी है। मंजूद दो बच्चों की मां थी, एक लड़की पांच वर्ष व लड़का तीन साल का है। पुलिस ने पिता की शिकायत पर पवन, रामदिया, अंगूरी व संजू के खिलाफ मामला दर्ज कर छानबीन शुरू करने के साथ मृतका के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया।

लॉकडाउन बाद स्कूली शिक्षा पैटर्न पर विचार

उपमुख्यमंत्री व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया ने टीचरों, छात्रों, अभिभावकों से मांगे सुझाव

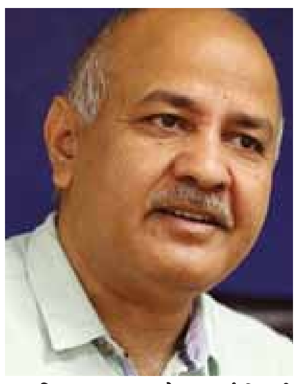

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोविड-19 के बढ़ते संक्रमण से निपटने के लिए देश दुनियां चुनौतियों का सामना कर रही है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पहले ही कह चुके है कि कोरोना वायरस खत्म होने वाला नहीं है। लोगों को इसके साथ ही जीने की आदत डालनी पड़ेगी।

लॉकडाउन कोरोना वायरस का इलाज नहीं है। बस ये इसको फैलने से रोकता है। इसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने सोमवार को कहा कि जल्द ही हम सब कोरोना के साथ रहना सीखेंगे। धीरे-धीरे स्कूल भी खुलेंगे। लंबे समय से स्कूलों में एक तरह का पैटर्न चल रहा है। अब हमें नए सिरे से विचार करने की जरूरत। दिल्ली सरकार शिक्षा संबंधी नए विचारों पर काम कर रही है।

मनीष सिसोदिया ने ने कहा कि स्कूलों के भविष्य के देखते संवाद शुरू किया गया है। छात्रों, शिक्षकों, अभिभावकों और प्रिंसिपल्स के साथ इस संवाद का मकसद भविष्य की शिक्षा व्यवस्था पर रचनात्मक विचार करना है। अगले सप्ताह प्रमुख हितधारकों से एक बार फिर स्कूल खोलने संबंधी सुझाव लिए जाएंगे। इसके लिए शिक्षा निदेशालय की वेबसाइट *www.edudel.nic.in* पर एक ऑनलाइन सुझाव फार्म डाला गया है। छात्र, शिक्षक, प्रधानाचार्य और जिनके बच्चे स्कूल में पढ़ रहे हैं यानि बच्चों के अभिभावक अपना सुझाव दे सकते हैं। इनमें व्यावहारिक और आउट ऑफ द बॉक्स सुझाव भेजने वालों को ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर उनके साथ संवाद करने के लिए बुलाया जाएगा।

● शिक्षा निदेशालय ने अपनी वेबसाइट पर डाला फार्म

संवाद इस बात पर केंद्रित होगा कि हम कोविड-19 से उत्पन्न चुनौतियों और अवसरों को किस तरह देखते हैं। उन बाधाओं का सामना किस तरह किया जाए तथा समान और अच्छी शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए कौन से कदम उठाए जाएं। सभी बच्चों के हित को ध्यान में रखने वाले सुझावों पर भी विचार किया जाएगा। इसके जरिए आने वाले सुझावों और अनुभवों के आधार पर कोरोना के बाद शिक्षा संबंधी नया प्रोटोकॉल तैयार किया जाएगा।

लॉकडाउन के दौरान दिल्ली सरकार ने बच्चों को घर पर शिक्षा देने की कई पहल की। इसमें अभिभावकों की भागीदारी एक अच्छा प्रयोग रही। ***ऐसे प्रमुख कदम इस प्रकार हैं :-*** कक्षा 8 तक के बच्चों के लिए मिशन बुनियाद और हैप्पीनेस क्लासेस, खान अकादमी के सहयोग से नवीं के छात्रों के लिए ऑनलाइन मैथ्स कक्षाएं, इस वर्ष कक्षा 12 में शामिल होने वाले छात्रों के लिए 11 विषयों में ऑनलाइन कक्षाएं, ब्रिटिश काउंसिल और मैकमिलन एजुकेशन के सहयोग से दसवीं और बारहवीं के छात्रों के लिए रोजाना अंग्रेजी और व्यक्तित्व विकास कक्षाएं।

ऑनलाइन शिक्षा, लंबित परीक्षाओं की समीक्षा

उपराज्यपाल ने उपकुलपतियों, शिक्षा निदेशक संग की चर्चा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उपराज्यपाल अनिल बैजल ने विश्वविद्यालयों के उपकुलपति, शिक्षा निदेशक के साथ संग चर्चा में शिक्षण कार्य, प्रवेश प्रक्रिया एवं परीक्षा के आयोजन में तकनीक के इस्तेमाल पर जोर देने को कहा। साथ ही अगले शैक्षणिक सत्र के लिए कार्य योजना बनाने की भी सलाह दी।

● नई तकनीक के इस्तेमाल पर दिया जोर

एलजी ने सोमवार को वीडियो कांफ्रेंस के जरिए लॉकडाउन के बाद वर्तमान परिस्थितियों के मद्देनजर गुरू गोविन्द सिंह इन्प्रस्थ विश्वविद्यालय, दिल्ली टैक्नोलोजिकल विश्वविद्यालय, नेताजी सुभाष इन्सटिट्यूट ऑफ टैक्नोलोजी, अंबेडकर विश्वविद्यालय, आईजीडीटीयूडब्ल्यू के उपकुलपति और आइआइआइटी दिल्ली के निदेशक से आनलाइन शिक्षा, लंबित परीक्षाएं, इन्टर्नशिप, प्लेसमेंट एवं आगामी सत्र के लिए प्रवेश आदि की तैयारियों की समीक्षा की।

वीडियो कांफ्रेंस के जरिए बात करते उपराज्यपाल अनिल बैजल।

उपराज्यपाल अनिल बैजल ने वरिष्ठ अधिकारियों को छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों की सुरक्षा के साथ-साथ शैक्षिक गतिविधियों की निरन्तरता को भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने वर्चउल क्लासरूम और वीडियो कान्फ्रेंस की सुविधा प्रत्येक संस्थान में उपलब्ध कराई जाए और इसके लिए सभी शैक्षणिक कर्मचारियों को तकनीक के उपयोग के लिए प्रशिक्षित किया जाए। विश्वविद्यालयों में शैक्षणिक पाठ्यक्रम तैयार करने, समय पर परीक्षाएं आयोजित करने तथा परीक्षा परिणाम की घोषणा करने के लिए जरूरी कदम उठाने को कहा।

रेप पीड़िता कोरोना मरीज, आरोपी जेल में क्वॉरंटीन

नई दिल्ली। कोरोना वायरस से जुड़ा एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। दिल्ली में रेप पीड़िता कोरोना पॉजिटिव पाई गई है। इसके बाद बलात्कार के आरोपी को तिहाड जेल में ही क्वारंटीन कर दिया गया है। उसके साथ दो और कैदियों को भी अलग-अलग कर किया गया है। फिलहाल आरोपी की जांच रिपोर्ट का इंतजार है।

कोरोना के बढ़ते कहर को देखते हुए तिहाड़ जेल प्रशासन ने भी इस जानलेवा वायरस की जांच के लिए खास तैयारी की है। जेल में आइसोलेशन वॉर्ड बनाए गए हैं। जिसमें मौजूदा कैदियों की जांच व स्क्रीनिंग की गई है। इसके साथ ही नए कैदियों की जांच पर खास ध्यान दे रहा है। दरअसल इस कैदी पर जिस महिला के साथ रेप का आरोप है वो पॉजिटिव पाई गई है। प्रशासन जेल में आये सभी नए कैदियों को अलग सेल में 14 दिन तक कवारंटीन करने की व्यवस्था की है।

अधिकारियों के साथ बैठक करते श्रम मंत्री गोपाल राय।

कंस्ट्रक्शन मजदूरों को और पांच-पांच हजार रुपए देने का ऐलान

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

लॉकडाउन का सबसे बुरा असर दिहाड़ी मजदूरों पर पड़ा है। कुछ ऐसे ही मजदूरों को दिल्ली सरकार इस महीने भी आर्थिक मदद देगी। केजरीवाल सरकार ने ऐलान किया है कि पिछले महीने की तरह इस बार फिर कंस्ट्रक्शन के काम से जुड़े मजदूरों के खाते में 5-5 हजार रुपये जमा किए जाएंगे। श्रम मंत्री गोपाल राय ने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार ने पिछले महीने रजिस्ट्र्ड कंस्ट्रक्शन वर्कर्स के खाते में 5 हजार रुपये जमा किए थे।

इस महीने लॉकडाउन बढ़ गया। ऐसे में फिर से उनके खाते में रुपये डाले जाएंगे। 15 मई के बाद ऑनलाइन नया रजिस्ट्रेशन होना और पुराना रिन्यू होना शुरू हो जाएगा। इसके लिए वेबसाइट 15 मई से शुरू होगी। पंजीकरण 25 मई तक चलेगा।

श्रम मंत्री गोपाल राय ने सोमवार को सभी संबंधित अधिकारियों के साथ इस मुद्दे पर अहम बैठक की। बैठक के बाद राय ने कहा कि सरकार ने फैसला लिया है कि श्रम विभाग में पंजीकृत कंस्ट्रक्शन मजदूरों के खाते में इस माह फिर 5-5 हजार रुपये भेजे जाएंगे। इससे दिल्ली में रहने वाले करीब 40 हजार मजदूरों को फायदा होगा। इन मजदूरों को पिछले महीने भी सरकार ने सहायता राशि दी थी।

● पंजीकरण प्रक्रिया 15 मई से शुरू होगी : राय

मंत्री गोपाल राय के मुताबिक राजधानी में बड़े पैमाने पर कंस्ट्रक्शन वर्कर रहते हैं। लॉकडाउन की वजह से सभी काम-धंधे बंद हैं। इसलिए मजदूरों को अपने परिवार का पालन-पोषण करने में दिक्कतें आ रही हैं। इन लोगों के खाते में पिछले माह भी पैसा भेजा गया था। राय ने कहा कि सरकार 15 मई से ऑनलाइन पंजीकरण खोलने जा रही है।

लॉकडाउन में फंसे लोगों को घर भेजने में जुटा प्रशासन

गाजियाबाद। विशाखापत्तनम से गाजियाबाद घूमने के लिए 22 लोग आए थे। मगर इसी बीच लॉकडाउन लग गया। यह सब लोग तब से गाजियाबाद में ही फंसे हुए थे। अब इन सभी को विशाखापत्तनम भेजने की तैयारी में प्रशासन जुट गया है।

विशाखापत्तनम के 22 लोगों को जिला प्रशासन अब जल्दी ही उनके घर भेजने की तैयारी में है। प्रशासनिक सूत्रों ने बताया कि सभी लोग एक टूर पर पहले दिल्ली आए थे इसके बाद वह गाजियाबाद आए और यहां एक होटल में रूके थे। मगर कोरोना को लेकर इसी बीच लॉकडाउन की घोषणा हो गई। तब से ही यह 22 लोग गाजियाबाद में फंसे हुए हैं।

मौत का सही आंकड़ा जारी करे दिल्ली सरकार : भाजपा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोरोना से हुई मौत के आंकड़े को लेकर भाजपा और दिल्ली सरकार में ठन गई है। विपक्षी नेताओं का आरोप है कि सरकार मौत का सही आंकड़ा नहीं बता रही है। इसी मुद्दे पर भाजपा विधायकों ने सोमवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को एक ज्ञापन सौंपकर उनसे अनुरोध किया कि दिल्ली सरकार राजधानी में कोरोना से हुई मौतों की सही-सही जानकारी सार्वजनिक करे।

उन्होंने कोरोना के लगातार बढ़ते मामलों के मद्देनजर जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, अम्बेडकर स्टेडियम और छत्रसाल स्टेडियम में अस्थायी अस्पताल बनाने की सलाह भी दी।

● विपक्षी विधायकों ने सीएम को सौंपा ज्ञापन

नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी की अगुवाई में भाजपा विधायकों विजेंद्र गुप्ता, मोहन सिंह बिष्ट, ओ पी शर्मा, अनिल वाजपेयी, अभय वर्मा, जितेंद्र महाजन और अजय महावर ने फ्लैग स्टाफ रोड स्थित मुख्यमंत्री निवास जाकर मुख्यमंत्री केजरीवाल को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया है कि राशन की दुकानों व अन्य चिन्हित केंद्रों पर 15-20 दिनों से राशन नहीं पहुंचने के कारण गरीब लोगों को राशन नहीं मिल रहा। वे इन दुकानों के चक्कर काट रहे हैं। साथ ही विपक्ष ने पेट्रोल-डीजल पर वैट बढ़ाने के निर्णय को गलत ठहराते हुए इसे वापस लेने की मांग भी की।

ज्ञापन के जरिए दिल्ली सरकार द्वारा शराब की दुकानें खोलने के बाद सोशल डिस्टेनसिंग नियमों के उल्लंघन का हवाला देते हुए कहा गया है कि इससे कोरोना के मामलों में वृद्धि हुई है। ऐसे में सरकार को अपने फैसले पर पुनर्विचार करते हुए शराब की होम डिलीवरी शुरू करानी चाहिए। भाजपा नेताओं ने यह मांग भी की गई है कि सरकार तीनों नगर निगमों को उनके बकाए का भुगतान कर दे।

कोरोना के 310 नए मामले, संक्रमितों की संख्या 7,233

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में कोरोना वायरस संक्रमण के 310 ताजा नए मामले सामने आए हैं जिसके बाद संक्रमितों की संख्या 7,233 तक पहुंच गई है। स्वास्थ्य विभाग की बुलेटिन के अनुसार नौ मई से 10 मई मध्यरात्रि तक किसी भी व्यक्ति की मौत कोविड-19 की वजह से नहीं हुई है। कोविड-19 की वजह से अब तक मरने वालों की संख्या 73 है। इस दौरान 60 मरीज स्वस्थ हुए हैं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार 97 मरीज आईसीयू में हैं जबकि 22 वेंटिलेटर पर हैं। वहीं 5,031 मरीजों का इलाज चल रहा है जबकि 2,129 अब तक स्वस्थ हो चुके हैं।

ईपीएफओ ने पंजीकरण प्रक्रिया को बनाया आसान

नई दिल्ली। कोविड-19 के संक्रमण को रोकने के लिए सरकार द्वारा घोषित लॉकडाउन समेत अन्य नियमों के मद्देनजर नियोक्ता सामान्य तरीके से कार्य करने में सक्षम नहीं हैं। ईपीएफओ ने पंजीकरण प्रक्रिया को आसान बनाया है।

ईपीएफओ पोर्टल पर डिजिटल हस्ताक्षर (डीएससी) या आधार आधारित ई-साइन का उपयोग करके नियोक्ताओं के अधिकृत व्यक्तियों द्वारा केवाईसी सत्यापन, अंतरण दावों के सत्यापन जैसे कई महत्वपूर्ण कार्य ऑनलाइन किए जा रहे हैं। डीएससी/ई-साइन का उपयोग करने के लिए, क्षेत्रीय कार्यालयों से एक बार अनुमोदन होना आवश्यक है।

शिक्षक से मारपीट मामले में गिरफ्तारी नहीं होने पर रोष

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

दादरी क्षेत्र में बीते सप्ताह एक शिक्षक से मारपीट के मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने पर जनपद के शिक्षकों में रोष है। सोमवार को प्राथमिक संघ गौतमबुद्धनगर के जिलाध्यक्ष मेघराज भाटी जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे और एडीएम वित्त एवं राजस्व मुनींद्र नाथ उपाध्याय से मिले।

शिक्षकों की समस्याओं को लेकर सिटी मजिस्ट्रेट से भी चर्चा हुई। आरोपी की गिरफ्तारी सहित चार सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। शिक्षक के साथ मारपीट की घटना को गंभीरता से लेते हुए एडीएम ने थानाध्यक्ष व डीएसओ से बात कर कार्रवाई के निर्देश दिए।

शिक्षक संघ की मांग है कि कोविड-19 के दौरान राज्यकर्मियों की भांति शिक्षकों को भी बीमा राशि 50 लाख रूपये में सम्मिलित किया जाए। वहीं राशन वितरण में जिन शिक्षकों की ड्यूटी लगाई गई है, उन्हें सुरक्षा किट भी उपलब्ध कराई जाए।

जफरूल इस्लाम को पद से हटाने की प्रक्रिया शुरू

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग के चेयरमैन जफरूल इस्लाम खान को उनके पद से हटने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। आम आदमी पार्टी की सरकार ने उनके कथित राजद्रोह वाले सोशल मीडिया पोस्ट पर संज्ञान लेते हुए उन्हें पद से हटाने की कानूनी-कार्रवाई शुरू कर दी है। इसकी जानकारी दिल्ली सरकार ने हाई कोर्ट को दी।

● सीएम केजरीवाल ने हाईकोर्ट को दी जानकारी

सरकार ने हाई कोर्ट में दावा किया गया कि जफरूल इस्लाम खान को दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष पद से हटाने की कानूनी प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इस दावे के बाद हाई कोर्ट ने उस याचिका का निपटारा कर दिया जिसमें खान के कथित राजद्रोही पोस्ट के लिए उन्हें इस पद से हटाए जाने का निर्देश देने की मांग की गई थी।

संक्षिप्त समाचार

गाजियाबाद में बोर्ड परीक्षा मूल्यांकन केंद्र का निरीक्षण करते हुए जिला विद्यालय निरीक्षक रविदत्त।

बोर्ड परीक्षा कॉपियों का मूल्यांकन शुरू

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की हाईस्कूल और इन्टरमीडिएट परीक्षा की कापियों का मूल्याकन मंगलवार को जीटीरोड स्थित शम्भूदयाल इंटर कालेज में शुरू हो रही है। कोविड-19 के संक्रमण को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन ने पूरे विद्यालय परिसर को सेनेटाइज कराया , ताकि कापियों का मूल्यांकन करने वाले किसी भी शिक्षक को संक्रमण न हो सके। मूल्यांकन केंद्र के प्रभारी व शम्भूदयाल कॉलेज के प्रधानाचार्य देवेन्द्र कुमार ने बताया कि मूल्यांकन केंद्र परउपस्थित होने वाले समस्त शिक्षकों के लिए थर्मल स्केनर, सेनेटाइजर, लिक्विड साबुन, पेपर नेपकिन, गल्ब्स, मास्क, सोशल डिस्टेसिंग एवं शुद्व पानी की भी व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि जिलाविद्यालय निरीक्षक रविदत्त ने आज व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संतोष जताया।

जिलाधिकारी को एक लाख का चेक भेंट करते हुए फाउंडेशन के पदाधिकारी।

प्रधानमंत्री केयर फंड में दिया एक लाख का चैक

गाजियाबाद। हिन्दू आध्यात्मिक एवं सेवा फाउन्डेशन की गाजियाबाद शाखा ने प्रधानमंत्री केयर फंड में एक लाख रूपये का चैक सोमवार को जिलाधिकारी अजय शंकर पान्डे को सौंपा। इस मौके पर फाउन्डेशन के उपाध्यक्ष ललित जायसवाल, सचिव राहुल सिंह, कोषाध्यक्ष नवीन कुमार व प्रचार प्रमुख विपिन त्यागी प्रमुख रूप से मौजूद थे। फाउंडेशन के उपाध्यक्ष ललित जायसवाल ने बताया कि यह राशि कोविड-19 से लड़ने के लिए दान स्वरूप भेंट की गई है।

संस्था ने गरीबों को बांटी खाद्य सामग्री

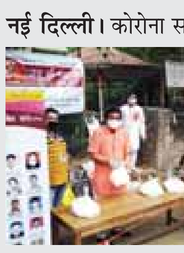

नई दिल्ली। कोरोना संक्रमण के चलते लाखों लोग सड़कों पर अपने घर जाने के लिए मजबूर हो गए हैं। इनमें से कई ऐसे भी है जो अपने व परिवार के लिए भोजन जुटाने में असमर्थ है। संकट की इस घड़ी में अनेकों सामाजिक संस्थाएं सेवा के लिए आगे आ रही हैं जो इन गरीब मजदूरों के लिए भोजन की व्यवस्था भी कर रही हैं। ऐसे में 'जय मां भवानी भक्ति संघ' संस्था ने सोमवार सुबह गरीब व असहाय लोगों को चावल, दाल, आटा और नमक आदि बांटा। हालांकि लोगों की भीड़ इतनी अधिक थी कि संघ के महंत हीरालाल पूरी ने यह सुनिश्चित किया कि कोई भी असहाय खाली हाथ ना जा सके। उन्होंने कहा कि हम जब तक मानस की सहायता करते रहेंगे जब तक पर्याप्त साधन है।

दिल्ली-यूपी बॉर्डर पर एक वाहन को रोककर जांच करती गाजियाबाद पुलिस।

बगैर पास नहीं मिल रहा प्रवेश पुलिस की सख्ती बरकरार

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

बॉर्डर पर दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार के अधिकारियों और कर्मचारियों का सुबह 9 बजे और शाम 6 बजे आवागमन का समय निर्धारित किया था। इसके बाद बगैर पास वाले वाहनों की आवाजाही पूर्ण रूप से रोकी गयी थी, जो अभी भी जारी है। डीएम एवं एसएसपी ने बॉर्डर समेत कई इलाकों में लॉकडाउन के अनुपालन को लेकर निरीक्षण किया।

एसएसपी ने कहा कि लॉकडाउन का पालन ही कोरोना से बचाव का एक मात्र उपाय है। दिल्ली से सटे गाजियाबाद यूपी गेट, कौशांबी बस अड्डा,यूपी बॉर्डर और लोनी बॉर्डर पर पुलिस की पूरी सख्ती, बगैर पास के सभी वाहनों की एंट्री रोक दी गई है।

● ड्रोन कैमरों से भी की जा रही निगरानी

वहीं, 17 मई तक लॉकडाउन का सख्ती से पालन कराने के लिए ड्रोन कैमरों से भी निगरानी की जा रही है। बेवजह सड़क पर घूमने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही हैं। लोगों को राशन, फल, सब्जी जैसे आवश्यक सामग्री खरीदते समय शारीरिक दूरी के पालन का आग्रह किया जा रहा है। जिले में कोरोना वायरस के संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़ने और लॉकडाउन-3 के चलते 17 मई तक बॉर्डर सील रहेंगे।

दिल्ली में रहने वाले सफाईकर्मी लौटेंगे काम पर

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

शहर में साफ-सफाई व सैनेटाइजेशन का काम करने वाले ऐसे कर्मी जो दिल्ली में रहते हैं उन्हें नोएडा आना होगा। सिर्फ उनको छूट दी जा रही है जो दिल्ली के हॉटस्पॉट क्षेत्र में रहते हैं। मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को इस संबंध में निर्देश दिए ताकि शहर के हॉटस्पॉट व सेक्टर, गांवों में सफाई व्यवस्था को बेहतर व नियमित किया जा सके। साथ ही संविदाकारों को भी कर्मचारियों की उपस्थिति सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं।

दिल्ली में कोविड-19 के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए जिलाधिकारी ने नोएडा-दिल्ली बार्डर सील कर दिया था। यह नियम अब भी लागू है। सहयोग के चलते प्राधिकरण ने अपने कर्मचारियों को भी आने से मना कर दिया था। वर्तमान में साफ-सफाई व प्रतिदिन होने वाले सैनेटाइजेशन के लिए इन कर्मियों का नोएडा आना जरूरी है।

● दिल्ली से नोएडा आने वाले 600 कर्मी हैं

बताया गया कि सफाई कर्मचारियों को बार्डर पर आने जाने में परेशानी न हो इसके लिए प्रशासनिक स्तर पर एक सर्कुलर भी जारी किया गया है। सीईओ ने बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए कि शहर के नाली नालों की सफाई का कार्य 1 जून से शुरू कर दिया जाए। पहले चरण में 75 नालों नालियों को चिन्हित किया गया है।

बैठक में संबंधित अधिकारियों ने मुख्य कार्यपालक अधिकारी को अवगत कराया कि शहर में 14 नालों की सफाई के लिए 21 मई को निविदा खोली जाएगी। वही, 61 नालों की सफाई के लिए सैद्धांतिक मंजूरी मिल चुकी है। कुल 75 नालों की साफ सफाई का कार्य बारिश से पहले पूर्ण करा लिया जाएगा।

यमुना एक्सप्रेस वे पर हादसे में एक की मौत

नोएडा। यमुना एक्सप्रेस वे पर सोमवार तड़के हुई सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को ग्रेटर नोएडा के कैलाश अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

डीसीपी (जोन तृतीय) ने बताया कि दिल्ली के नरेला क्षेत्र के रहने वाले रूपेंद्र, सफीक और सोसन नामक तीन युवक एसेंट कार में आगरा से दिल्ली की तरफ यमुना एक्सप्रेस वे के रास्ते आ रहे थे। उन्होंने बताया कि थाना रबूपुरा क्षेत्र के रोनीजा अंडरपास के पास गेहूं से भरे एक ट्रक से उनकी कार अनियंत्रित होकर जा टकराई।

कोरोना को हराने के लिए प्रदेश में पहले नंबर पर नोएडा

तेजी से की गई सैंपलिंग और संदिग्धों को पहले क्वॉरेंटाइन करने के कारण हुई बेहतर स्थिति

रिंकु यादव। नोएडा

कोरोना वायरस के संक्रमण की चपेट में गौतम बुद्ध नगर जिला पूरे प्रदेश में सबसे पहले आया था। शुरूआत में उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा कोरोना संक्रमित मरीज भी गौतम बुद्ध नगर जिले के ही थे। इसकी चिंता आम जनता से लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तक को हो गई थी। कोरोना संक्रमित मरीजों का इलाज सीमित संसाधनों के साथ शुरू हुआ।

फिर शहर के चिकित्सकों ने बहुत कम संसाधनों में वह कर दिखाया जो अब प्रदेश में एक रिकॉर्ड बन चुका है। गौतम बुद्ध नगर जिले की कोविड-19 से रिकवरी रेट 62 प्रतिशत के साथ पूरे प्रदेश में टॉप पर बना हुआ है। गौतम बुद्ध नगर जिले में अगर कोरोना वायरस से संक्रमित मरीजों के इलाज की बात करें तो शहर के सेक्टर 30 स्थित चाइल्ड पीजीआई, ग्रेटर नोएडा स्थित राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान और शारदा मेडिकल कॉलेज में बने कोरोना वॉर्ड में किया जाता है। गौरतलब है कि गौतम बुद्ध नगर जिले में पहला कोरोना वायरस से संक्रमित मरीज 8 मार्च को मिला था। इसके बाद से जिले में कोरोना वायरस के खिलाफ जंग और बचाव शुरू हुआ था। तेजी से सैंपलिंग हुई और संदिग्धों को पहले ही क्वॉरेंटाइन कर दिया गया। गौतम बुद्ध नगर जिले के अधिकांश चिकित्सक और मेडिकल स्टाफ आइसोलेशन वार्ड में रहकर लगातार कोरोना वायरस से संक्रमित मरीजों का इलाज कर रहे हैं। इसके साथ ही गौतम बुद्ध नगर जिले में जिला प्रशासन, पुलिस और स्वास्थ्य विभाग का भी एक बेहतर तालमेल नजर आ रहा है।

224 लोगों में हुई कोरोना वायरस की पुष्टि

गौतम बुद्ध नगर जिले में अब तक 224 लोग कोरोना वायरस से संक्रमित हो चुके हैं। लेकिन, 135 लोग ठीक होकर अपने घर भी जा चुके हैं। इस तरह मौजूदा रिकवरी रेट 62 फीसदी है। यानी अब तक जितने लोग बीमार पड़े उनमें से 62 फीसदी ठीक होकर अपने घर जा चुके हैं। इसकी शुरूआत गौतम बुद्ध नगर में 21 अप्रैल से हुई थी। जब गौतम बुद्ध नगर जिला देश में रिकवरी रेट के मामले में अव्वल था। हालांकि, उस वक्त गौतम बुद्ध नगर जिले का रिकवरी रेट महज 40 फीसदी था। अगले एक सप्ताह में यानी 28 अप्रैल तक जिले का रिकवरी रेट 55 प्रतिशत के पार हो गया था। यह रिकवरी रेट अब बढ़कर 62 फीसदी तक पहुंच गया है।

जिम्स पहले दिन से लड़ रहा मजबूती से जंग

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर दीपक ओहरी ने बताया कि इस कामयाबी का सेहरा नोएडा और ग्रेटर नोएडा के तीन कोविड.19 अस्पतालों को जाता है। जिसमें ग्रेटर नोएडा के राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान, शारदा मेडिकल कॉलेज और चाइल्ड पीजीआई शामिल हैं। वहीं, जिम्स पहले दिन से लेकर अब तक कोरोना वायरस के खिलाफ लगातार जंग लड़ रहा है।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: उषा श्रीवास्तव। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

पायनियर
नई दिल्ली, मंगलवार, 12 मई, 2020

कोरोना की जंग में पैदल ही झांसी को निकले प्रवासी

छोटे-छोटे बच्चे नन्हे कदमों से चलते-चलते थक रहे

हर एक किलोमीटर पर बच्चों के साथ आराम करता है परिवार

सिर पर सामान का बोझ उठाकर सफर पर निकले हैं ये लोग

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

गुरुग्राम से झांसी के लिए रवाना हुए श्रमिक व उनके परिवार के सदस्य।

ये परी की महिमा नहीं, बल्कि एक मां महिमा की बेटी परी और उनके जैसे कई परिवारों की दास्तां है, जो कोरोना की जंग में जिन्दगी बचाने को द्रोण नगरी से पैदल ही झांसी को रवाना हुए हैं। सिर पर सामान का बोझ उठाए हुए जब ये लोग निकले तो उनके पीछे नजर आई वे गगनचुम्बी इमारतें, जो इनकी मेहनत के पसीने से सींची हुई थी। एक-एक ईंट इनके हाथों से लगी थी, लेकिन इन किस्मत के मारों के हिस्से सिर्फ रास्ते ही आए। इन रास्तों से वे उस ओर चल दिए, जहां से वर्षों पहले सपनों को पूरा करने आए थे।

झांसी के रहने वाले कई परिवार यहां एक बिल्डिंग के निर्माण कार्य में लगे थे। बिल्डर के ठेकेदार ने उन्हें कोरोना के साथ इस युद्ध के मैदान में अकेला छोड़ दिया था। यूं कहें कि इनका कमांडर बना ठेकेदार पीठ दिखाकर इस मैदान से भाग गया। फिर भी एक मजबूत सैनिक की तरह ये श्रमिक उसके आने के इंतजार में डंटे रहे। जो अभी तक कमाया था, वह लॉकडाउन में खर्च हो गया।

ऐसे क्षेत्र में ये थे, जहां खाना तो दूर, कोई पानी की पूछने भी नहीं आता था। भला कब तक ये अपनी ही जान के दुश्मन बने रहते। आखिर इन्हें निर्णय लेना ही पड़ा कि अब अपने परिवारों के साथ यहां से निकल जाएं। ठीक उसी गीत की तरह-चल उड़ जा रे पंछी के अब ये देस हुआ बेगाना। क्योंकि दिन-रात भूखों को भोजन कराने के दावे करने वाली संस्थाओं की नजर भी इन पर नहीं पड़ी।

पता नहीं कितने घर पहुंचेंगे

अपने सिर पर सामान लिए यहां सेक्टर-65 से झांसी के लिए रवाना हुए रामकुमार, फूलचंद, चंद्रभान, घनश्याम, पुष्पा, रेवती, राजबाला, संगीता और उमा अपने सिर पर सामान का बोझ उठाए अपनी बच्चियों परी, महिमा, विशाखा व अन्य के साथ चल दिए। यहां द्वारका एक्सप्रेस-वे पर हमने जब उसने पलायन का कारण जाना तो उन्होंने रुंधे गले से रोटी कहा। बोले साहब, रोटी के लिए आए थे। खूब पसीना बहाकर काम किया। आज रोटी ही नसीब नहीं हो रही। आप ही बताइए फिर यहां रहकर क्या करें। जवाब हमारे पास भी नहीं था, लेकिन जब उनसे पूछा कि छोटे-छोटे बच्चों के साथ पैदल ही झांसी जाने की कैसे सोच ली। इसका जवाब जब उन्होंने दिया तो रूह कांप गई। अपना कलेजा मजबूत करके फूलचंद बोले, पता नहीं कितने घर पहुंच पाएंगे। छोटे-छोटे बच्चे हैं। थोड़ी दूर चलते ही थक जाते हैं। उसकी बात गहरी थी।

जिंदा इंसानों की कद्र नहीं, टुकड़े हुए तो ट्रेन में गए

अब सवाल वही उठता है कि ट्रेन से हुए इंसानी टुकड़ों को तो स्पेशल ट्रेन से ले जाएंगे। लाखों रुपये का मुआवजा भी देंगे। अगर यह काम, यह खर्च पहले ही कर दिया जाए तो ना तो बेकसूरों के शरीर को कोई ट्रेन टुकड़ों में बांटेगी और ना ही कोई भूख से मरेगा। अब सरकार ने शोर मचा रखा है कि लोगों को घरों में भेजा जा रहा है। सभी अपनी रजिस्ट्रेशन कराएं। सवाल यह उठता है कि प्रशासन ने जिन नोडल अधिकारियों के नंबर सार्वजनिक किए हैं, उनके या तो फोन नहीं लगते और जब लगते हैं तो रिसीव नहीं होते। ऐसे में रजिस्ट्रेशन कराने वाले क्या करें। हद तो तब हो गई, जब इन गरीबों के आवेदन करने की प्रक्रिया को ही लोगों ने कमाई का जरिया बना लिया। आवदेन की ऐवज में इनसे पैसे ठगने शुरू कर दिए।

यहां धीरे-धीरे पटरी पर लौट रही है जिंदगी, औद्योगिक और वाणिज्यिक गतिविधियां शुरू

जिले में 1330 औद्योगिक प्रतिष्ठानों को मिली एक लाख 6 हजार 751 कर्मचारियों के साथ काम करने की अनुमति

गुरुग्राम। जिला में कोरोना की वजह से देशभर में 25 मार्च से लागू किए गए लॉकडाउन के बाद अब लॉकडाउन -3 में गृह मंत्रालय द्वारा कुछ छूट दिए जाने के बाद गुरुग्राम में धीरे-धीरे जिंदगी पटरी पर लौटनी शुरू हो गई हैं। जिला में सुरक्षा उपायों के साथ औद्योगिक तथा वाणिज्यिक गतिविधियां चरणबद्ध तरीके से शुरू की जा रही हैं।

जिला में 1330 औद्योगिक व अन्य वाणिज्यिक इकाइयों को काम करने की सशर्त अनुमति प्रदान की गई है, जिसमें सभी आवश्यक वस्तुएं बनाने वाली तथा गैर जरूरी सामान का निर्माण करने वाली ईकाइयां शामिल हैं। इन ईकाइयों में 1 लाख 6 हजार 751 कामगारों को रोजगार मिला है। इनके अलावा, गृह मंत्रालय के आदेशानुसार जिला के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में वाणिज्यिक गतिविधियों के तहत दुकानें खुलने लगी हैं। उपायुक्त अमित खत्री के मुताबिक उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के माध्यम से ऑनलाइन आवेदनों का निपटान करते हुए इस बात का भी ध्यान रखा गया कि कार्यस्थल पर सोशल डिस्टेंसिंग का पालन हो और निरंतर सेनेटाइज संबंधी गतिविधियां भी जारी रहें। स्वास्थ्य सुरक्षा की दृष्टि से जहां एक ओर सावधानी बरतने की जरूरत है, वहीं लॉकडाउन में श्रमिकों को किसी भी प्रकार से रोजगार की चिंता न हो, इसके लिए औद्योगिक इकाइयों को अब आवेदन करने पर ऑटोमैटिक अनुमति मिल रही है। उन्हें आवेदन के साथ एसओपी संलग्न करनी जरूरी है जिसमें सोशल डिस्टेंसिंग कोरोना से सुरक्षा के उपाय आदि का उल्लेख हो।

आवश्यक वस्तुओं का उत्पादन वाली इकाइयां संचालित

आवश्यक वस्तुओं का उत्पादन करने वाली ईकाइयां तो लॉकडाउन में भी संचालित हो रही थी और अब गृह मंत्रालय की गाइडलाइन्स का पालन करते हुए गैर जरूरी वस्तुएं बनाने वाली ईकाइयों को भी संचालन की अनुमति दी जा रही है। पहले हर ईकाई की एसओपी देखकर सरकार द्वारा गठित कमेटियों द्वारा अनुमति दी जा रही थी लेकिन अब इसमें और ढील देते हुए ऑटो परमिट कर दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

बेगमपुर खटोला मार्ग पर भरा है गंदा पानी

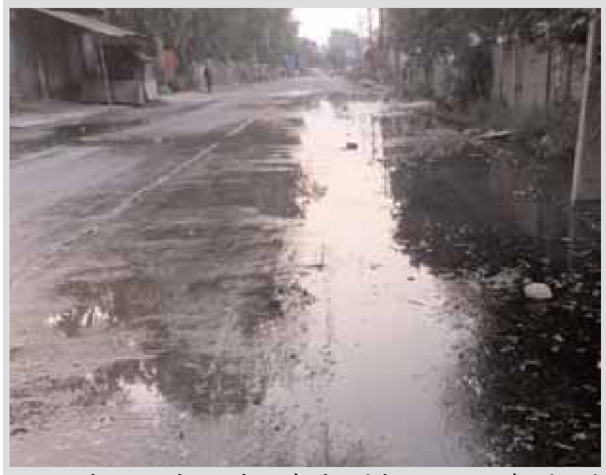

गुरुग्राम। बेगमपुर खटोला मार्ग पर भरे गंदे पानी के कारण बहुत परेशानी खड़ी हो गई है। यहां पर लॉकडाउन के 50 दिन से ऊपर हो गया है, लेकिन इस रोड का देखने वाला कोई नहीं है। जब आवाज उठाई जाती है तो अधिकारी यहां दौरा जरूर करते हैं, लेकिन काम नहीं करते। समाजसेवी राजेश पटेल के मुताबिक इस रोड से अनेक लोगों का आना-जाना होता है। यहां पर कंपनियां हैं। लेकिन इस रोड की तरफ कोई ध्यान नहीं दे रहा। लॉकडाउन से पहले भी ऐसे ही हालत थे, जो कि इस लॉकडाउन के बीच ठीक किए जा सकते थे। पर नहीं किए गए। यहां राजेश सिंह, राजेश पंडित, भूपेंद्र चौधरी, राजू राज, प्रदीप कनौजिया, राहुल तिवारी व राजेश ने कहा कि इस सड़क की तो वोटों के समय ही नेताओं को याद आती है। अब कोई वोट नहीं है तो किसी को भी यह सड़क नजर नहीं आती। यहां सीवरेज ओवरफ्लो है और रोड लाइट्स बंद रहती हैं। ऐसे में रात के समय बहुत परेशानी होती है।

मौसम का बदलता मिजाज किसानों को दे रहा है नुकसान

सोहना। मौसम का बदल रहा मिजाज से किसानों को भारी नुकसान हो रहा है। खीरा, मिर्च, घीया, तोरई की सब्जियों को भारी नुकसान हो रहा है। लॉकडाउन के चलते किसानों की सब्जियां मंडियों में पहले से ही कम बिक्री हो रही है। ऊपर से मौसम का दो से तीन दिन में बदलाव ने किसानों माथे पर चिंता की लकीरें खींच दी है। क्योकि किसानों की मौसम में परिवर्तन होने से फसलों पर इसका बुरा प्रभाव पड़ रहा है। फसलों के फूल ठंडें और गर्म मौसम बार-बार बदलने से मुर्झा रहें है। किसान राजेन्द्र का कहना है कि इस मौसम परिवर्तन से उसके द्वारा दो एकड़ जमीन पर की गई खीरा और मिर्च की सब्जी खराब हो रही है। क्योकि मिर्च का पत्ता ठंडे और गर्म मौसम परिवर्तन से मुर्झा रहा है। उसका फूल टूटकर जमीन पर गिर जाता है। जिससे सब्जी की पैदावार कम होती है। किसान रामकिशन ने बताया कि तोरई का फूल भी तेज आंधी के कारण टूट जाता है। उसमें फल शुरू होने से पहले की खराब हो रहा है। उन्होने बताया कि इस मौसम से ओले गिरने की संभावनाएं अधिक होती है। जिससे सब्जी की फसलें बरबाद होने की पूरी-पूरी संभावनाएं रहती है। एक दिन पहले दिल्ली में बारिश व तेज आंधी के साथ ओले भी गिरे है। किसान नैनसिंह सैनी ने बताया कि उसके द्वारा हाल ही में मिर्च और तोरई की पैदावार के लिए बिजाई की है। लेकिन नमी का मौसम अधिक होने के कारण बीज अंकुरित होने में समय ले रहा है। ऐसे में 30 से 35 फीसदी फसल कम अंकुरित होती है। जो किसान को हजारों रुपये का नुकसान देती है।

मानव सेवा समिति ने प्रवासी मजदूरों को दी खाद्य सामग्री

सोहना। मानव सेवा समिति के सदस्यों ने केएमपी मार्ग पर प्रवासी पैदल जा रहे मजदूरों को बिस्कुट और अन्य खाद्य सामग्री वितरण की। केएमपी के रास्ते से रोजाना हजारों की संख्यां में प्रवासी मजदूर अपने गांव जाने के लिए भूखे और प्यास से व्याकुल हो यात्रा कर रहे है। लॉकडाउन से ऊब चुके प्रवासी मजदूर अब जैसे-तैसे करके अपने घरों को लौटने को मजबूर हो गए है। उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, झारखंड, बिहार व उत्तराखंड के प्रवासी मजदूरों ने अपने पैतृक घर जाने के लिए केएमपी मार्ग को मुख्य रास्ता बना रहे है। गुरूग्राम, मानेसर, बादशाहपुर, रेवाड़ी, महेन्द्रगढ़, रोहतक, झज्जर आदि जिलों में रोजीरोटी कमाने के लिए आए मजदूरों ने पलायन शुरू कर दिया है। जो भूख व प्यास की चिंता किए बिना ही अपने परिजनों के साथ पैदल सफर कर रहे है। शहर की मानव सेवा समिति के सदस्यों ने सोमवार को ऐएमपी मार्ग पर जाकर प्रवासी मजदूरों को चाय, बिस्कुट और अन्य खाद्य सामग्री वितरण की। सेवा समिति के कार्यकर्ता निरज बंसल ने बताया कि समिति पिछले डेढ माह से मानव सेवा में लगी है। समिति का प्रत्येक सदस्य जरूरमंदों की सेवा सेनेटाइज, मास्क, साबुन, बिस्कुट, खाद्य सामग्री वितरण कर रही है। समिति के सदस्यों ने पैदल जा रहे मजदूरों को तसल्ली सेवा की। उन्होने बताया कि देश की सेवा सीमा पर दुश्मन के दांत खट्टे करने से ही नहीं होती है। इंसानियत के नाते अपने देश में आए संकट की घड़ी में पीड़ितों की सेवा करना भी देश सेवा से कम नहीं होती है। यही सोच लेकर समिति का सदस्य पिछले डेढ माह से दिन रात मानव की सेवा कर रहा है।

कहानी प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाया दम

नूंह। कोरोना महामारी के कारण लॉकडाउन के दौरान घरों में बैठे बच्चों की प्रतिभा को निखारने के लिए जिला बाल कल्याण परिषद द्वारा आयोजित ऑनलाइन प्रतियोगिताओं में बच्चों ने जमकर अपनी प्रतिभा दिखाई। जिला बाल कल्याण अधिकारी कमलेश शास्त्री ने बताया कि चौथे दिन की प्रतियोगिताओं का रिजल्ट में कहानी प्रतियोगिता के प्रथम ग्रुप के आयु वर्ग 3 से 5 वर्ष में वंश प्रथम, दिव्यांशी द्वितीय, जसनीत तृतीय, प्रियांशी ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। इसी प्रकार द्वितीय प्रतियोगिता के आयु वर्ग 6 से 10 वर्ष में अलीशा खातून प्रथम ,अवनी द्वितीय, इसीका तृतीय, मनन ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। जिला बाल कल्याण अधिकारी कमलेश शास्त्री ने बताया कि जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं का शुभारंभ शुक्रवार से किया गया। परिषद द्वारा गायन, डांस, निबंध लेखन, कविता, कहानी, मिमिक्री, खराब सामान से कलात्मक कृति, पेपर क्राफ्ट और फैंसी ड्रेस प्रतियोगिताएं करवाने का निर्णय लिया है। जिसमें विभिन्न आयु वर्ग के ग्रुप बनाए गए हैं और 3 वर्ष से 14 वर्ष तक के बच्चे परिषद द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं में प्रतिभागिता कर सकते हैं। प्रतियोगिताएं ऑनलाइन आयोजित करवाई जाएंगी और विजेता प्रतिभागियों को नगद इनाम और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने जिला नूंह के सभी अभिभावकों एवं बच्चों से अपील करते हुए कहा कि वे अधिक से अधिक जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं में घर बैठे प्रतिभागिता कर बच्चों के सपनों को उड़ान देने का कार्य करें और प्रत्येक प्रतियोगिता में प्रथम पुरुषकार 500 रुपये, द्वितीय में 300, तृतीय में 200 तथा 100 रुपये सांत्वना पुरुषकार के रुप में दिए जाएंगे, इसके अलावा राज्य स्तरीय में प्रथम को 3100, द्वितीय को 2100, तृतीय को 1100 व 500 रुपये सांत्वना के रुप में दिए जाएंगे। कार्यक्रम के अवसर पर आईटी सहयोगी डॉ सीपी यादव निर्णायक मंडल के सदस्य जिया उलहक प्राध्यापक, सविता रत्ता प्राध्यापक बाल कल्याण परिषद का स्टाफ आदि मौजूद था।

विज साहब...जरा गुरुग्राम के ईएसआईसी पर ध्यान दो, बहुत परेशानी है

रोज वहां से कोरोना संक्रमित मरीजों की आ रही शिकायतें

उत्तराखंड के पूर्व सीएम ने भी की थी शिकायत

गुरुग्राम के सेक्टर-9 स्थित ईएसआईसी अस्पताल में कोरोना संक्रमितों के वार्ड में भरा पानी।

गुरुग्राम। ईएसआईसी में कोरोना संक्रमितों की ओर से एक बार फिर से आवाज उठाई गई है कि यहां पर उन्हें बहुत दिक्कत है। या तो यहां से कहीं और शिफ्ट कर दो नहीं तो यहां की स्थिति सुधार दो। हालांकि पूर्व में गृह मंत्री अनिल विज ने यहां भर्ती एक स्टाफ नर्स से बात करके आश्वासन भी दिया था कि सब ठीक हो जाएगा, लेकिन कुछ ठीक नहीं हुआ। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने तो उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत के ट्वीट का जवाब देकर कहा कि यहां सब ठीक है, लेकिन स्थिति जस की तस है।

कोरोना पॉजिटिव होने पर यहां के सेक्टर-9 स्थित ईएसआईसी उपचाराधीन है पॉलिसी बाजार डॉट कॉम की एक महिला कर्मचारी। मूलरूप से मुम्बई निवासी यह महिलाकर्मी लॉकडाउन के साथ से ही वर्क फॉम होम कर रही थी। दुकान से सामान लेने बाहर निकली तो वह कोरोना पॉजिटिव हो गई। महिला कर्मचारी के मुताबिक बीते रोज उसे यहां पर करीब साढ़े आठ बजे सांस लेने में तकलीफहुई। चेस्ट में पेन की भी शिकायत थी। ड्यूटी पर स्टाफको भी इस बारे में बताया। पीड़िता का आरोप है कि घंटे भर तक उसे पूछने कोई नहीं आया। जब अधिक तबियत बिगड़ी तो वहां दाखिला मेदान्ता मेडिसिटी की कोरोना पॉजिटिव नर्सिंग स्टाफ ने उसे सम्भाला। उसे गलूकोज का पानी पिलाया और जो भी फर्स्ट एड हो सकती थी, की गई। उसका कहना है कि अगर कोरोना पॉजिटिव मरीजों के साथ इसी तरह का व्यवहार करना है तो यहां से मरीजों को निकालकर दूसरे अस्पताल में ले जाना चाहिए। क्योंकि यहां स्टाफ को किसी की जिंदगी, मौत से कोई फर्क नहीं पड़ता।

इंद्री में दुकानें अब चरणबद्ध तरीके से खोली जाएंगी : नपा सचिव

इंद्री। नगर पालिका इंद्री श्रेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी दुकानदारों, आम नागरिकों को आगामी लाकडाउन का पालन और बाजार में बढ़ती भीड़ से बचाने के लिए प्रशासन द्वारा जनहित में दुकानों को चरणबद्ध तरीके से खोलने का निर्णय लिया गया है। निर्णय के दुकानों को एक व दो नंबर जारी किये हैं जोकि सप्ताह के दिनों के हिसाब से खोली जाएंगी। नगर पालिका सचिव ने एक प्रेस नोट जारी कर सूचना दी है कि सोमवार, बुधवार व शनिवार को एक नंबर वाली दुकानें, मंगलवार, वीरवार और शुक्रवार को दो नंबर वाली दुकानें खुलेंगी।

रजिस्ट्री कार्य न होने से परेशान हो रहे लोग

पायनियर समाचार सेवा। नूंह

जिले के पुन्हाना में जमालगढ़ रोड पर स्थित डाकघर में पिछले करीब एक सप्ताह से रजिस्ट्री, स्पीड पोस्ट न होने के कारण क्षेत्र के लोगों को भारी परेशानियों से गुजरना पड़ रहा है। जिसके कारण मजबूरी में उन्हें रजिस्ट्र या स्पीड पोस्ट से चिट्ठी भेजने के लिए काफी दूर नगीना या नूंह भागदौड़ करनी पड़ रही है, जहां तक पहुंचने में लोगों को कई कई घंटे का समय लग जाता है और समय व धन की भी बर्बादी हो रही है।

लोगों का आरोप है कि डाक कर्मचारी लोगों को लाइन ना आने का बहाना बनाकर वापस भेज देते हैं। तोसिफ खान बीसरु, शराफत एडवोकेट, असलम बादली, जानू नवलगढ़ व सपात झारोकड़ी सहित कई लोगों ने बताया कि पुन्हाना के डाकघर में रजिस्ट्री नहीं होने से लोग पूरी तरह दुखी हो चले हैं। उन्होंने बताया कि डाकघर हर रोज खुला रहता है, लेकिन डाकघर में पिछले एक सप्ताह से कोई काम नहीं हो रहा है।

ऐसे में एक दूसरी जगह चिट्ठी भेजने वाले लोगों को खासी परेशानी हो रही है। जिसकी ओर कर्मचारियों का तनक भी ध्यान नहीं है। आरोप है कि इस बारे में डाककर्मियों को कई बार कहा जा चुका है, लेकिन कोई भी सुनने को तैयार नहीं है। लोगों ने उपायुक्त पंकज कुमार से डाकघर में हो रही परेशानी का जायजा लेकर समस्या का समाधान कराने की मांग की है, ताकि लोगों को दिक्कतों से ना गुजरना पड़े।

ट्यूशन फीस के अलावा कोई शुल्क नहीं ले सकते स्कूल

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

लॉकडाउन के कारण आमजन की आजीविका के संसाधन सीमित होने के चलते प्रदेश सरकार ने निजी स्कूलों से ट्यूशन फीस के अलावा अन्य कोई भी शुल्क लेने पर रोक लगाई है। सरकार के इन आदेशों की जिला में सख्ती से अनुपालना करवाई जा रही है।

इन आदेशों की पालना करते हुए जिला में अब तक 36 स्कूलों की 175 शिकायतें प्राप्त हुई, जिन पर नियमानुसार कार्रवाई की गई है। कोरोना के कारण जब से लॉकडाउन लागू हुआ है, तब से प्रत्येक व्यक्ति की आजीविका पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। इसके दृष्टिगत अभिभावकों को राहत देने के लिए शिक्षा विभाग ने निजी विद्यालयों की फीस एवं शुल्क के संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

सरकार के संज्ञान में आया है कि कुछ निजी विद्यालयों द्वारा अभी भी अभिभावकों द्वारा ट्यूशन फीस के अलावा अन्य शुल्क वसूलने की कोशिश की जा रही है। इस पर जिला शिक्षा अधिकारी कैप्टन इंदू बोकन ने स्पष्ट किया कि निजी विद्यालय मासिक आधार पर केवल ट्यूशन फीस ही लें। अन्य प्रकार के फंड जैसे बिल्डिंग फंड, रखरखाव फंड, प्रवेश शुल्क व कंप्यूटर शुल्क आदि इस असामान्य परिस्थिति के मद्देनजर स्थगित कर दिए जाएं। निजी विद्यालय फीस में किसी प्रकार की वृद्धि न करे। निजी विद्यालय मासिक फीस में किसी प्रकार का हिडन चार्ज भी न जोड़ें। उन्होंने कहा कि लॉकडाउन की अवधि के दौरान कोई भी निजी विद्यालय अभिभावकों से किसी प्रकार का यातायात शुल्क नहीं वसूल करेगा और इस साल स्कूल यूनिफॉर्म, पाठ्य पुस्तकों, कार्य पुस्तकों, अभ्यास पुस्तकों, प्रैक्टिकल फाइल आदि में किसी प्रकार का बदलाव नहीं करेगा।

सभी विद्यालय इस बात का ध्यान रखें कि फीस न देने के कारण किसी विद्यार्थी का नाम न काटें और न ही उन्हें ऑनलाइन शिक्षा देने से वंचित नहीं रखेंगे। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा फीस एवं अन्य शुल्क से संबंधित दिशा-निर्देश नियम 158 में विस्तृत रूप से अंकित किए गए हैं जिसके अनुसार सभी निजी विद्यालयों द्वारा ली जाने वाली फीस का विवरण प्रतिवर्ष फार्म-6 में भरकर जमा करवाना अनिवार्य है।

शिकायत मिली तो होगी कार्रवाई

जिला में अब तक 36 स्कूलों की प्राप्त हुई लगभग 175 शिकायतें

डॉक्टर्स के लिए मुसीबत बना फिटनेस देना, हजारों लोग पहुंचे अस्पताल

स्वास्थ्य विभाग की ओर से नहीं तय किए गए हैं फिटनेस के नियम

इतनी अधिक संख्या में प्रवासियों के पहुंचने पर लक्षण पूछकर ही दिया जा रहा फिटनेस

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के नागरिक अस्पताल में फिटनेस लेने को पहुंचे प्रवासी लोग।

मिलेनियम सिटी गुरुग्राम से अपने गृह क्षेत्रों को रवाना होने से पूर्व मेडिकल फिटनेस लेना अनिवार्य है। इसी को लेकर सोमवार को यहां के सेक्टर-10 स्थित नागरिक अस्पताल में हजारों की संख्या में प्रवासी लोग पहुंचे।

खास बात यह है कि यहां पर स्वास्थ्य विभाग की ओर से उन्हें फिटनेस देने के लिए किसी तरह की कोई गाइडलाइन जारी नहीं की गई है। अस्पताल की पीएमओ का भी कहना है कि लोगों के शारीरिक लक्षण पूछकर, उनके आधार पर ओपीडी कार्ड पर ही लिखकर दिया जा रहा है। ऐसे में सवाल यह भी उठता है कि अगर किसी में कोरोना के लक्षण हों और वह झूठ बोलकर अपनी फिटनेस ले लेता है तो फिर कितना नुकसान करेगा।

सोमवार को जिस तरह से यहां नागरिक अस्पताल के पार्क क्षेत्र में प्रवासी लोगों की बहुत भीड़ थी। ओपीडी के लिए यहां पर लगाए गए काउंटर्स पर इन्हीं लोगों की फिटनेस से जुड़ा काम किया गया। बच्चे, बड़े, बुजुर्ग और महिलाओं की यहां संख्या अच्छी-खासी थी। लंबी-लंबी लाइनें यहां पर लगी रही। डॉक्टर्स और मरीजों के बीच में सोशल डिस्टेंस का भी पूरा ख्याल रखा गया था, ताकि किसी तरह की दिक्कत पैदा ना हो। ओपीडी पर तैनात कर्मचारी ही मरीजों को कार्ड दे रहे थे। डॉक्टर्स की टेबल पर ओपीडी कार्ड का ढेर रखा गया था। जिन पर डॉक्टर लोगों से उनके शारीरिक लक्षण पूछकर फिटनेस लिख रहे थे। मुख्यत: खांसी, जुकाम व बुखार आदि के बारे में पूछा जा रहा था। अगर इनमें से कोई भी लक्षण नहीं है तो उन्हें फिटनेस लिखकर दे दिया गया। साथ ही मास्क आदि लगाकर रखने के प्रति भी जागरूक किया।

अस्पताल की पीएमओ डॉ. दीपा सिंधू ने कहा कि सभी लोगों को जागरूक किया जा रहा है। काफी संख्या में डॉक्टर्स को इस काम में लगाया गया है। फिटनेस के सवाल पर उन्होंने कहा कि लक्षण पूछने पर ही उन्हें फिट लिखा जा रहा है। अगर किसी में भी कोई लक्षण मिलते हैं तो उसे क्वारंटाइन किया जाएगा।

निर्धारित रोस्टर अनुसार खुलेंगी शाहबाद उपमंडल की दुकानें : किरण

शाहाबाद मारकंडा। एसडीएम डॉ. किरण सिंह ने कहा कि शाहबाद नगर में अब प्रशासन द्वारा निर्धारित किए नए रोस्टर के अनुसार ही दुकाने खुलेंगी। दुकानों को खोलने का प्रशासन ने लेफ्ट-राइट रोस्टर जारी कर दिया है। दुकानों को खोलने का समय सुबह सात बजे से सायं पांच बजे तक रहेगा। नियमों की अवहेलना करने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

वे सोमवार को एसडीएम कार्यालय में प्रेसवार्ता को सम्बोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि दूध व डायरी उत्पाद से जुड़ी दुकाने रोजाना सुबह 7 बजे से लेकर सायं 6 बजकर 30 मिनट तक खुली रहेंगी। इसके अलावा घर-घर दूध की सप्लाई करने वाले दूध विक्रेता सुबह 7 बजे से सुबह 9 बजे तक और सायं 5 बजे से सायं 6 बजकर 30 मिनट तक भी दुध की सप्लाई कर सकेंगे और वीटा के बूथ सुबह 7 बजे से लेकर सायं 6: 30 तक अपने बूथों को खोल सकेंगे। उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा चिन्हित बाई तरफ की दुकानें सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को सुबह 7 बजे से सायं 5 बजे तक खुली रहेंगी।

विदेश से आए हरियाणवी छात्रों को होटलों में मिले कमरे

गुरुग्राम में विदेशों से आए हरियाणवी छात्रों की समस्या उठाने के बाद उन्हें उपलब्ध कराया गया होटल।

गुरुग्राम। हमने पूरी सच्चाई और ईमानदारी के साथ उन हरियाणवी छात्रों की समस्या को आवाज दी, जो कि कोरोना के भय से विदेशों से लाए गए थे। उन्हें गुरुग्राम के सेक्टर-21 में अव्यवस्थित कम्युनिटी सेंटर में ठहराया गया था। अब उन छात्रों को प्रशासन ने होटलों में ठहरा दिया है। पहले तो उन्हें पेड कमरे लेने की च्वाइस दी गई थी, लेकिन अब निशुल्क ही उन्हें कमरे उपलब्ध कराए गए हैं।

बता दें कि शुक्रवार को विदेशों से 64 भारतीय छात्रों को लाया गया था। जिन राज्यों के छात्र थे, उन्हें एयरपोर्ट पर जांच के बाद उन्हीं राज्यों की सरकारों द्वारा ले जाया गया। हरियाणा के सभी छात्रों को गुरुग्राम में क्वारंटाइन किया गया। इन्हीं छात्रों में से 19 को यहां सेक्टर-21 के कम्युनिटी सेंटर में ठहराया गया था। विदेशी धरती से बेशक ये छात्र स्वदेश लौटे हों, लेकिन यहां की सुविधाएं उन्हें रास नहीं आई। यूं कहें कि यहां कुछ सुविधाएं थी ही नहीं। ना तो टॉयलेट में पानी, ना बाथरूम में और ना वाश बेसिन में। साथ ही सफाई का बुरा हाल। बिना मास्क चाय का आवंटन समेत कई कमियां इन छात्रों ने तस्वीरों, वीडियो के माध्यम से वायरल की।

अब होटलों में ठहराए और एक कमरे में एक ही छात्र : इन छात्रों को कम्युनिटी सेंटर से अच्छे होटल में ठहरा दिया गया है। जिन कमरों के महंगे रेट तय कर रखे थे, अब उन्हें बिल्कुल मुफ्त में ठहराया गया है। यही नहीं, वे यहां पहुंचने के दूसरे दिन तो मांग कर रहे थे कि उन्हें एक कमरे में दो-दो, तीन-तीन के हिसाब से ठहरा दें, अब उन्हें प्रति छात्र एक कमरा दिया गया है। यह और भी अच्छा हो गया। छात्रों ने खुशी जताई। अब उन्हें अपने सेंपल की रिपोर्ट आने का इंतजार है।

कोरोना से जिले में चौथी मौत 106 हुए पॉजिटिव मरीज

सोमवार को आई दस पॉजिटिव मरीजों की रिपोर्ट

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले में लगातार कोरोना का कहर बढ़ रहा है। सोमवार को कोरोना पॉजिटिव पाए गए एक व्यक्ति की मौत हो गई। व्यक्ति एक निजी अस्पताल में भर्ती था। व्यक्ति शूगर का मरीज था। वहीं दुसरी तरफ दस नए मामले सामने आने से कोरोना पॉजिटिवों की संख्या का आंकड़ा 106 पर पहुंच गया है।

चौथे पॉजिटिव की मौत

सेक्टर-18 निवासी 65 वर्षीय कमल यादव नामक व्यक्ति गत आठ मई को सेक्टर-16 स्थित एक निजी अस्पताल में हृदय रोग के कारण दाखिल कराया गया था। मृतक की तीन बार हार्ट सर्जरी हो चुकी है। गत आठ मई को मेट्रो अस्पताल में बीमारी के कारण भर्ती हुए थे। गत रविवार को चिकित्सकों ने कोविड-19 का सैम्पल जांच को भेजा था। सोमवार को उनकी रिपोर्ट पॉजिटिव पाई गई। रिपोर्ट आने के कुछ देर बाद उनकी मौत हो गई। जिस पर व्यक्ति के शव को प्रशासन ने अपने कब्जे में ले लिया। कोविड-19 के तहत उनका पोस्टमार्टम करवाया जाएगा। वहीं मृतक बुजुर्ग के परिवार के सभी सदस्यों की रिपोर्ट नेगेटिव है। विभाग ने उनकी मौत की पुष्टि कोविड-19 से होने से की है।

यहां से आए पॉजिटिव

जिला स्वास्थ्य विभाग ने सोमवार को पॉजिटिव व्यक्ति की मौत के साथ दस मामलो की पुष्टि की है। जिसमें डबुआ सब्जी मंडी से गत आठ मार्च को लिये गए सैम्पलों में से छह व्यक्तियों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। जिसमें एक 38 वर्षीय के अलावा दो विशेष सामुदाय के 45 और 48 वर्षीय व्यक्ति है। इसके अलावा तीन अन्य लोगों की रिपोर्ट भी पॉजिटिव बताई जा रही है। यह डबुआ मंडी में 151 नम्बर दुकान से बताये जा रहे है। इसके अलावा मूमेंट पास लेने के लिए भूड़ कालोनी निवासी एक 48 वर्षीय व्यक्ति ने सैम्पल लिया था, उसकी रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई है। वहीं मिल्हाड़ कालोनी छाती में दर्द के कारण 30 वर्षीय एक व्यक्ति ने अपना सैम्पल जांच के लिए दिया था। उसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। वहीं फतेहपुर चंदीला से भी एक महिला की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। लेकिन पता नहीं मिलने के कारण विभाग ने रिपोर्ट में नहीं जोड़ा है।

यह है आंकड़े

नोडल अधिकारी डा. रामभगत ने बताया कि जिला में अब तक 6367 यात्रियों को सर्विलांस पर लिया जा चुका है, जिनमें से 1517 लोगों का निगरानी में रखने का 28 दिन का पीरियड पूरा हो चुका है। शेष 4846 लोग अंडर सर्विलांस हैं। कुल सर्विलांस में रखे गए लोगों में से 6265 होम आइसोलेशन पर हैं। अब तक 5442 लोगों के सैंपल लैब में भेजे गए थे, जिनमें से 5175 की नेगेटिव रिपोर्ट मिली है तथा 165 की रिपोर्ट आनी शेष है। अब तक 106 लोगों के सैंपल पॉजिटिव मिले हैं, जिनमें से 44 लोगों को अस्पताल में दाखिल किया गया है तथा ठीक होने के बाद 55 को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया है। दो पॉजिटिव मरीजों को घर पर आइसोलेटेड किया गया है। अब तक चार मरीजो की मौत भी हो चुकी है। एक मरीज का पता लगाया जा रहा है।

मैडम मैं घर पर ही ठीक हूं, पड़ोसी दे रहे हैं भोजन

कविता। फरीदाबाद

कोविड-19 से जहां एक ओर दादी की मौत हो गई, वहीं पूरा परिवार पॉजिटिव होने से अस्पताल में भर्ती है। लेकिन इसके बावजूद घर में अकेले रह गए 13 वर्षीय किशोरी ने हिम्मत नहीं हारी है। इस बात का पता तक चला, जब सीडब्ल्युसी की काउंसलर किशोरी के घर पहुंची। किशोरी ने हौंसले के साथ उन्हें जवाब दिया है कि पूरी तरह ठीक हैं और पड़ोसी उसे खाना पहुंचा रहे हैं। काउंसलर ने किशोरी को सतर्क रहने की सलाह देने के साथ ही प्रशासन से घर पर पुलिस कर्मचारी तैनात करने की मांग की है।

क्या है मामला

निजी अस्पताल में दाखिल 72 वर्षीय एक बुजुर्ग महिला छह अप्रैल को पोजिटिव पाई गई थी। उसके परिवार के सैम्पल जांच के लिए भेजे गए। जिसमें महिला का 73 वर्षीय पति, 45 वर्षीय बेटा, पुत्रवधु और पांच साल के पौते की रिपोर्ट पॉजिटिव आई। ऐसे में अस्पताल प्रबंधन ने सभी को ईएसआईसी अस्पताल में भर्ती करवा दिया।

लेकिन उसी दिन 72 वर्षीय महिला की मौत हो गई। वहीं 13 साल की पौती की रिपोर्ट नेगेटिव आने पर वह घर पर ही रह गई। जिसकी सूचना सीडब्ल्यूसी को मिली तो उन्होंने काउंसलर अर्पणा को बच्ची का हौसला बढ़ाने को भेजा। वहां पहुंचने पर बच्ची ने दरवाजा नहीं खोला। पड़ौसियों के आने पर बच्ची बाहर निकली। काउंसलर ने बच्ची से परेशानी के बारे में पूछने पर उसने कि वह घर पर ही रहकर परिवार का इंतजार करेगी। उसे कोई परेशानी नहीं है। लेकिन तबीयत थोड़ी खराब है।

इलाज को एंबुलेंस

बच्ची ने काउंसलर को बताया कि रात को फीवर होने पर उसने मां से फोन पर बात की तो उन्होंने अस्पताल के चिकित्सक से पूछकर दवा बता दी थी। जिससे फीवर उतर गया। लेकिन गले में दर्द हो रहा है। जिस पर चिकित्सक ने गर्म पानी पीने की सलाह दी है। काउंसलर ने बच्ची के लिए सीडब्ल्यूसी की अधिकारी गरीमा के जरिये एम्बुलेंस मंगवाकर बच्ची को बीके से दवा दिलवाई और घर छुड़वाया।

बच्ची को दी काउंसलिंग

काउंसलर अर्पणा ने कहा कि यदि बच्चे घर में अकेले रह जाये, तो उन्हें घर अपनी सुरक्षा करनी चाहिए। पड़ौसी चाहे कितने भी अच्छे हो। लेकिन उन्हें घर के भीतर न बुलाकर घर के बाहर से ही भोजन लें। वहीं उन्होंने बच्ची को घर में सुरक्षित रखने के लिए बाहर पुलिस तैनात करने की मांग की है।

जीरो टोलरेंस नीति पर करेंगे काम : डीसी

फरीदाबाद। उपायुक्त यशपाल ने कहा कि कोरोना पॉजीटिव मामलों में संपर्क लोगों की पहचान तथा क्वारेंटाइन करने के बाद उनकी निगरानी सही प्रकार से होनी चाहिए। किसी भी परिस्थिति में क्वारेंटाइन किए व्यक्ति को बाहर न आने दें। इनकी लगातार मॉनीटिरिंग की जाए।

उपायुक्त सोमवार को लघु सचिवालय के सभागार में जिला संकट समन्वय समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उपायुक्त ने कहा कि कोरोना से बचाव के लिए सभी को जीरो टोलरेंस नीति पर काम करना होगा। जिन क्षेत्रों से अधिक मामले आएं हैं, वहां पर सर्वे का काम पूरी गंभीरता के साथ पूरा किया जाए। कंटेनमेंट जोन व साथ लगते बफर जोन में सभी घरों में आईएलआई के पैसेंट की पहचान की जाए। अभी तक जिला में मरीजों व उनके संपर्क में रहे लोगों को जल्दी ट्रैस किया गया, जिस कारण कोरोना के फैलाव पर काफी नियंत्रण रहा।

एसएस पाउडर से बढ़ेगी रोग प्रतिरोधक क्षमता : डॉ. शेख

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

कोरोना महामारी से बचाव के लिए फिलहाल कोई वैक्सिन या दवाई नहीं है। लेकिन इस बीमारी से बचाव केवल रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाकर किया जा सकता है। ऐसे में सहार हर्बल फार्मेसी ने आयुर्वेद पर शोध करके एसएस पाउडर बनाया है।

यह पाउडर रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने और वायरल इंफैक्शन को दूर करने का काम करता है।

इस पाउडर को कम्पनी के डायरेक्टर डॉ. ऐऐ शेख ने कोविड रोगियों के अलावा कोरोना योद्धाओं पर इस्तेमाल करने की परमिशन विभिन्न विभागों से मांगी है। जिसमें उन्होंने एक पत्र भेजकर एसएस पाउडर को रोगियों पर इस्तेमाल कराने कीबात कही है। उन्होंने पत्र काउंसिल ऑफ साईंटिफिक एंड इंडस्ट्रीयल रिसर्च नई दिल्ली, केन्द्रीय आयुष विभाग, हरियाणा में लाइसेंसीग आर्थरिटी विभाग के अलावा केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्ष वर्घन को पत्र लिखा है। उन्होंने कहा है कि इस एसएस पाऊडर को कम से कम 500 रोगियों पर आजमाया जाए।

इससे बना पाउडर

डॉ. शेख ने बताया कि पाउडर के अंदर शतावार, सफेद मूसली, अश्वगंधा, जायफल, जावित्री, कौंच बीज, शिलाजीत, तालमखाना, केसर, लोहभस्म, मकरध्वज आदि का समावेश किया गया है और यह फार्मुला आयुष विभाग हरियाणा से मान्यता प्राप्त है।

यह है सलाह

डॉ. शेख ने बताया कि पाउडर के साथ रोगियों को सलाह दी जाती है कि गर्म पानी से दिन में 3-4 बार गरोरे करें। गुनगुने पानी का प्रयोग करते रहे। काली मिर्च, पिपली, तुलसी, दालचीनी की चाय ले। रात्रि में हल्दी, सौंठ का दूध लेते रहे। नाक में नीम का तेल डालें।

पुलिस कर्मियों के लिए दी एनर्जी ड्रिंक और मास्क

फरीदाबाद । मारवाड़ी युवा मंच फरीदाबाद के द्वारा पुलिस कमिश्नर ऑफिस में एसीपी राजीव कुमार को फरीदाबाद पुलिस के जवानों के लिए 2000 एनर्जी ड्रिंक और मास्क भी दिए। मारवाड़ी युवा मंच के प्रदेश उपाध्यक्ष, कार्यक्रम संयोजक विमल खंडेलवाल ने बताया कि मारवाड़ी युवा मंच फरीदाबाद विगत वैश्विक महामारी कोरोना का प्रभाव पूरे भारत में हुआ है। जबसे मारवाड़ी युवा मंच के सभी सदस्य पूरे भारतवर्ष में आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए एक आशा की किरण के रूप में कार्य कर रहे हैं। जरूरतमंद को प्रत्येक दिन भोजन कराना, मास्क वितरित करना, सैनिटाइजर, सूखा राशन, पीपीई किट, रेडक्रास को मुहैया कराना जैसे कार्य में दिन-रात लगे हुए हैं। पुलिस कर्मी दिन-रात समाज की सेवा के लिए सदैव तत्पर खड़े हैं। सामाजिक सरोकार से हमारा भी दायित्व बनता है, इसलिए सैनिटाइजर, मास्क, एनर्जी ड्रिंक उनको मुहैया कराएं। जिसके साथ वह मुस्तैदी से अपने कार्य को अंजाम दे, फरीदाबाद पुलिस के द्वारा शहर में बहुत उचित तरीके से परिपालना करवाई जा रही है उसके लिए युवा मंच सदैव प्रशासन की भरपूर प्रशंसा करता है, मारवा ?ी युवा मंच के द्वारा किए गए कार्य के लिए मंच के युवा कार्यकर्ताओं को धन्यवाद देते हुए एसीपी राजीव कुमार ने कहा कि समाज के काफी संगठनों द्वारा पुलिस प्रशासन व जिला प्रशासन के सहयोग के रूप में कार्य कर रहे हैं।

पूर्व विधायक ने हवन में आहुति डाली

फरीदाबाद। देशभर में फैल रही कोरोना महामारी के खात्मे के लिए अब लोग हवन-यज्ञ व पूजा-अर्चना करने में जुट गए है ताकि परमात्मा के आर्शीवाद से इस जानलेवा बीमारी पर विजयी पाई जा सके।

इसी कड़ी में सोमवार को पृथला विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक एवं भाजपा नेता टेकचंद शर्मा ने सीकरी स्थित अपने कार्यालय पर हवन-यज्ञ का आयोजन किया, जिसमें पूर्व विधायक सहित उपस्थितजनों ने आहुति डालकर कोरोना के खात्मे की परमात्मा से प्रार्थना की।

पत्रकार को थर्ड डिग्री देने का आरोप

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

एक पत्रकार को पुलिस द्वारा थर्ड डिग्री देने के मामले में शहर के पत्रकारों ने कड़ी नाराजगी जताई है। पीड़ित पत्रकार ने सोमवार को अदालत में पुलिस द्वारा प्रताडऩा देने की बात भी कही। शनिवार को एक पोर्टल के संपादक पुष्पेंद राजपूत व लाल सिंह के खिलाफ एक फैक्ट्री मालिक की शिकायत पर थाना सेंट्रल में मुकदमा दर्ज करवाया गया था।

आरोप है कि सेंट्रल थाना पुलिस ने बिना किसी जांच के फैक्ट्री मालिक की शिकायत पर गंभीर धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर जबरन पत्रकार को गिरफ्तार कर लिया। रविवार को पुलिस ने पुष्पेंद्र राजपूत को अदालत में पेश कर एक दिन का रिमांड लिया। सोमवार को पुष्पेंद्र राजपूत सहित दो लोगों को अदालत में पेश किया।

अदालत परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए पुष्पेंद्र राजपूत ने आरोप लगाया कि रविवार की रात को उसे सैंट्रल थाने से सीआईए पुलिस जबरन उठाकर ले गई। वहां लेकर जाकर उसे थर्ड डिग्री देकर बुरी तरह से पीटा गया। उस पर दबाव डाल गया कि वह कबूल करें कि उसने फैक्ट्री मालिक से रुपए मांगे हैं। लेकिन जब उसने यह कबूल नहीं किया तो उसे उल्टा लटका कर चार घंटे तक बुरी तरह से पीटा गया। उसके साथ आंतकवादी व बड़े क्रिमीनल की भांति व्यवहार करते हुए उसकी आंखों में मिर्ची डाली गई, उसके फेफडों में पानी डाला गया। पुष्पेंद्र राजपूत ने अदालत को भी आप बीती बताई। माननीय अदालत ने पुष्पेंद्र व उनके वकील अश्वनि त्रिखा की दलील सुनने के बाद जहां पुलिस को मेडीकल करवाने के मौखिक आदेश दिए। वहीं पुष्पेंद्र राजपूत को 14 मई तक न्यायिक हिरासत में नीमका जेल भेज दिया गया। इस घटना को लेकर पत्रकारों में गहरा रोष छाया हुआ है।

गरीब व मजबूरों का सहारा बनी टीम विजय प्रताप

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

टीम विजय प्रताप द्वारा राशन वितरण अभियान लगातार जारी है और सोमवार को टीम विजय प्रताप ने बडखल विधानसभा क्षेत्र के दयालनगर, खोरी, एकता नगर, जमाई कॉलोनी, बड़खल, नेहरू कॉलोनी, कल्याणपुरी, नवादा कॉलोनी एवं एसी नगर में लगभग 1800 लोगों को खाना वितरित किया एवं बड़खल व एनआईटी में 50 परिवारों को राशन भिजवाया। टीम विजय प्रताप द्वारा बड़खल विधानसभा क्षेत्र में जरूरतमंद एवं मजदूरों की सहायता के लिए चलाया जा रहा राशन वितरण अभियान लगातार जारी है और जब तक लॉकडाउन पीरियड रहेगा उनकी मदद लोगों तक पहुंचती रहेगी। लगभग डेढ़ महीने से भी ज्यादा समय से लागू लॉकडाउन के चलते गरीब मजदूर वर्ग खाने एवं राशन के लिए मोहताज हो गया है।

संक्षिप्त समाचार

यमुना नदी में युवक डूबा

फरीदाबाद। छांयसा गांव निकट पशुओं को पानी पिलाने गया युवक यमुना नदी में डूब गया। सूचना मिलने पर युवक की तलाश शुरू की गई। लेकिन उसका अभी तक कुछ पता नहीं चल सका है। पुलिस ने युवक की तलाश के लिए एनडीआरएफ की टीम को बुलाया है। थाना छांयसा पुलिस के मुताबिक मूलरूप से दिल्ली का रहने वाले जगत सिंह काफी समय से परिवार सहित छांयसा गांव में रहते हैं। गांव के निकट से गुजर रही यमुना नदी किनारे पर उन्होंने अपना मकान बनाया हुआ है। वह कृषि कार्य के अलाव पशुपालन भी करते हैं। रविवार को उनका 19 साल का बेटा सरल पशुओं को पानी पिलाने के लिए यमुना नदी में ले गया था। पानी पीते समय पशु गहरे पानी में चले गए। जिस पर वह उन्हें बाहर निकालने के लिए यमुना नदी में चला गया। जिस वजह से वह गहरे पानी में डूब गया। युवक के डूबने की खबर पुलिस और फायर बिग्रेड को दी गई। काफी तलाश के बाद भी उसका पता नहीं चल सका।

कोविड 19 से बचाव के लिए सेनिटाइजेशन अभियान चलाया

फरीदाबाद। जूनियर रेडक्रॉस और रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन सेक्टर 29 ने पिछले 50 दिनों से सम्पूर्ण सेक्टर को सैनिटाइज करने का अभियान चलाया हुआ है। फरीदाबाद जूनियर रेडक्रॉस काउंसलर व एनएच तीन फरीदाबाद कन्या विद्यालय के प्राचार्य रवीन्द्र कुमार मनचन्दा ने बताया कि प्रत्येक दूसरे दिन प्रत्येक पॉकेट के प्रत्येक मकान के मेन गेट, हैंडल आदि को उचित प्रकार से सेनिटाइज किया जाता है। रेडक्रॉस सोसायटी फरीदाबाद के सचिव विकास कुमार, प्रशिक्षण अधिकारी इशांक कौशिक तथा फरीदाबाद सैंट जॉन एम्बुलेंस व रेडक्रॉस के अधिकारी मनोज कपिल ने भी सेक्टर 29 के सेनिटाइजेशन अभियान की प्रशंसा की। मनचन्दा ने कहा कि कोविड़ 19 महामारी के कारण सोशल डिस्टेसिंग और मास्क आदि पहनने के बारे में भी विशेष ध्यान रखा गया तथा सभी को सामाजिक दूरी बनाए रखने के महत्व से अवगत करवाया गया। सम्पूर्ण सेक्टर 29 को सेनिटाइज करने के लिए आरडब्लयूए के सभी पदाधिकारी और विशेष रूप से महासचिव सुबोध और टीसी सागर बढ़ चढ़ कर सराहनीय योगदान दे रहे हैं। सुबह 250 गज वाली पॉकेट में सेनिटाजेशन कार्य संपादित किया गया।

कार के शीशे तोड़ने का विरोध करने पर पथराव

फरीदाबाद। बल्लभगढ़ की भाटिया कॉलोनी में शुक्रवार की रात को शराब के नशे में धुत दो युवकों ने उत्पात मचाते हुए गली में खड़ी गाडियों पर पत्थर मारकर उनके शीशे तोड़ दिए। विरोध करने पर आरोपियों ने अन्य युवकों को बुलाकर मकानों पर जमकर पथराव किया। इस मामले की सूचना पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना शहर में दर्ज मामले के मुताबिक भाटिया कॉलोनी निवासी अशोक ढिल्लो ने अपनी शिकायत में कहा है कि शुक्रवार की रात करीब पौने 12 बजे वह अपने घर में थे। तभी बाहर गली से शीशा टूटने की आवाज आई। उन्होंने बाहर निकलकर देखा हिमांशु गोयल के टैम्पो का शीशा ईंट मारकर तोड़ा हुआ था। सड़क पर दो युवक दिखाई पड़े, जो आगे जाकर सुरेंद्र मल्होत्रा की पिकअप का शीशा तोड़ रहे थे। अशोक ने आरोपियों से पूछा कि लॉकडाउन शीशा क्यों तोड रहे हो। जिस पर दोनों युवकों ने अशोक पर हमला कर दिया और उसे ईंट उठाकर मारने लगे। शोर मचाने पर पडो़सी जाग कर बाहर आ गए। दोनों आरोपियों ने अपने साथियों बुला लिया। मौके पर आए आठ दस युवक रॉड और ईंट डंडों से लैस थे। आरोपी गोली चलाने की धमकी देते हुए घरों पर पथराव करने लगे। पुलिस को सूचना देने पर आरोपी फरार हो गए।

ग्रामीण आजीविका मिशन की महिलाएं कर रही अच्छा कार्य: जून

फरीदाबाद । मंडल आयुक्त संजय जून ने कहा कि ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़ी महिलाएं कोरोना जैसी परिस्थिति में अच्छा कार्य कर रही हैं तथा आज की जरूरत के मुताबिक ये मॉस्क, पीपीई किट तथा सेनेटाइजर का निर्माण कर रही हैं, जोकि लोगों को बाजार से सस्ते दाम पर मिलेंगे। मंडल आयुक्त ने यह जानकारी सोमवार को लघु सचिवालय के सामने हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन फरीदाबाद के तहत काम कर रही जीवन ज्योति महिला कल्टसटर महासंघ के बिक्री केंद्र का शुभारंभ करने के बाद दी। उन्होंने कहा कि इस संगठन की ओर से एक बिक्री केंद्र लघु सचिवालय के सामने तथा तीन अन्य स्थानों पर भी इसी तरह के बिक्री केंद्र स्थापित किए जाएंगे।

कैसे होगा आज ट्रेनों का संचालन जब टिकट ही नहीं हुई बुक

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

भारतीय रेलवे ने देशव्यापी लॉकडाउन के चलते अपने घर से दूर विभिन्न राज्यों में फंसे लोगों के लिए बड़ी राहत देते हुए 12 मई से ट्रेने चलाने की घोषणा की थी। लेकिन ऑनलाइन आईआरसीटीसी की वेबसाइट खुली नही। जिससे लोग परेशान रहे। किसी ने बताया कि चार बजे वेबसाइट खुलेगी। लेकिन देर शाम साढ़ सात बजे तक भी वेबसाइट नहीं खुली। ऐसे में 12 मई को ट्रेनों का संचालक कैसे होगा। इसका राम ही मालिक है।

इन 15 शहरो की थी घोषणा

भारतीय रेलवे ने 12 मई से शर्त और नियमों के साथ नई दिल्ली जंक्शन से स्पेशल ट्रेनें चलाने की घोषणा की, जिसमें 30 स्पेशल यात्री ट्रेने चलाने की बात कही थी। रेलवे ने नई दिल्ली स्टेशन से डिब्रूगढ़, अगरतला, हावड़ा, पटना, बिलासपुर, रांची, भुवनेश्वर, सिकंदराबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, तिरुवनंतपुरम, मडगाँव, मुंबई सेंट्रल, अहमदाबाद और जम्मू तवी को जोड़ने वाली इन ट्रेनों को विशेष ट्रेनों के रूप में चलाने की घोषणा की थी।

शाम साढ़े 7 तक बुकिंग नहीं

ट्रेनों में आरक्षण के लिए बुकिंग 11 मई को शाम 4 बजे से शुरू होनी थी। लेकिन टिकट की बुकिंग केवल आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर उपलब्ध होनी थी। लेकिन शाम साढ़ सात बजे तक भी जिले में टिकट बुकिंग नहीं हुई। वहीं लोग रेलवे स्टेशनों पर टिकट बुकिंग काउंटरो पर पहुंचे तो वह बंद मिले।

आंधी से हुआ 8 लाख का नुकसान

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

बिजली विभाग को रविवार को आए आंधी तुफान से करीब आठ लाख रुपये का नुकसान हुआ है। अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार आंधी से 45 बिजली के खंभे और तीन ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त हुए है। इन्हें ठीक करने के लिए अधिकारियों ने बड़े पैमाने पर टूटे खंभों और ट्रांसफॉर्मरों को बदला था।

जानकारी के मुताबिक रविवार की सुबह बदले मौसम ने दोपहर 12 बजे से अपना रंग दिखाना शुरू कर दिया, आंधी के साथ बूंदाबांदी शुरु हो गई थी। आंधी के कारण ग्रेटर फरीदाबाद और बल्लभगढ़ डिवीजन के अंतर्गत आने वाले बदरौला, भनकपुर, सागरपुर, झाड़सैंतली, मंझावली, सादपुरा आदि ग्रामीण इलाकों में 45 बिजली के खंभे टूट गए। इसके अलावा दो 25 केवीए और एक 100 केवीए का ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त हो गया। आंधी के रुकने के बाद कुछ इलाकों में बिजली कर्मचारियों ने मरम्मत के बाद सप्लाई बहाल कर दी, जबकि कई इलाकों में देर रात तक लोगों को अंधेरे में रहना पड़ा। इससे लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा था।

इस संबंध में बिजली निगम के अधीक्षण अभियंता नरेश कक्कड़ ने कहा कि बिजली व्यवस्था ठीक करने के लिए विभाग ने टूटे खंभों और ट्रांसफॉर्मरों की लिस्ट तैयार कर उन्हें बदल दिया। स्थिति पर काबू पाने के बाद नुकसान का आंकलन किया, तो पता चला कि आंधी से जिले में करीब 45 खंभे टूट गए और तीन ट्रांसफॉर्मर फुंक गए थे। इससे विभाग को करीब आठ लाख रुपये का नुकसान हुआ।

सरकार के आदेशों के बाद भी स्कूल मांग रहे पूरी फीस

आरोप :

अभिभावक ट्यूशन फीस का ब्रेकअप मांग रहे हैं।

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

प्राइवेट स्कूल प्रबंधक मनमानी से बाज नहीं आ रहे हैं। उन्होंने ट्यूशन फीस में ही अन्य फंडों को मर्ज (सम्मिलित) कर दिया है और उसी को ट्यूशन फीस कहकर अभिभावकों से फीस जमा कराने को कह रहे हैं। अभिभावक ट्यूशन फीस का ब्रेकअप मांग रहे हैं। लेकिन ब्रेकअप नहीं दे रहे हैं।

निजी स्कूलों के पेरेंट्स द्वारा दी गई इस प्रकार की शिकायत को हरियाणा अभिभावक एकता मंच ने चेयरमैन फीस एंड फंड रेगुलेटरी कमेटी कम मंडलायुक्त फरीदाबाद को भेजकर दोषी स्कूलों के खिलाफ उचित कार्रवाई करने की मांग की है। मंच के प्रदेश महासचिव कैलाश शर्मा व संरक्षक सुभाष लांबा ने बताया है कि स्कूल प्रबंधक एक तो बढ़ाई गई ट्यूशन फीस मांग रहे हैं दूसरा उसमें उन्होंने कई फंडों को मर्ज करके उसे ही ट्यूशन फीस का नाम दे दिया है और उसी में फीस जमा कराने के लिए अभिभावकों पर दबाव डाल रहे हैं और यह भी कह रहे हैं कि फिलहाल अभिभावक ट्यूशन फीस जमा कराएं। एनुअल चार्ज व अन्य फंडों को लेने के लिए बाद में कहा जाएगा।

जिला सचिव डॉ मनोज शर्मा ने बताया कि जब अभिभावकों ने अप्रैल 2019 में जमा करा गई ट्यूशन फीस और अब मांगी जा रही ट्यूशन फीस का मिलान किया तो काफी बढ़ोतरी मिली है जबकि शिक्षा विभाग ने स्पष्ट कहा है कि स्कूल प्रबंधक मासिक आधार पर बिना बढ़ाई गई ट्यूशन फीस ही लें, ट्यूशन फीस में कोई हिडन चार्ज ना जोड़ें और ट्यूशन फीस का ब्रेकअप दें। लेकिन स्कूल प्रबंधक शिक्षा विभाग के किसी नियम का पालन नहीं कर रहे हैं। मंच ने यह यह भी आरोप लगाया है कि निजी स्कूल प्रबंधक नर्सरी, एलकेजी के 3 साल के बच्चों के अभिभावकों पर ऑनलाइन पढ़ाई कराने के लिए दबाव डाल रहे हैं और होमवर्क दे रहे है।

वह सिर्फ इसलिए कि वे उनसे फीस लेने के हकदार हो जाएं। कैलाश शर्मा ने कहा है कि मंच की ओर से चेयरमैन एफएफआरसी व जिला शिक्षा अधिकारी को इस विषय पर कई पत्र लिखे जा चुके हैं। लेकिन उन पर कोई भी उचित कार्रवाई नहीं की गई है। अब मंच ने प्रिंसिपल सेक्रेट्री शिक्षा महावीर सिंह को पत्र लिखकर स्थानीय शिक्षा विभाग के रवैए की जानकारी दी है।

थैलीसीमिया ग्रस्त बच्चों के लिए लगाया रक्तदान शिविर

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

विधानसभा क्षेत्र के पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी लखन कुमार सिंगला ने कहा है कि कोरोना महामारी के दौरान देशभर में रक्त की कमी होने लगी है, ऐसे में प्रत्येक नागरिक को इस संकट के दौरान रक्तदान करके समाज व देश के प्रति अपने दायित्व का निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस संकट की घड़ी में हालांकि रक्तदान शिविरों के आयोजन भी कम हो रहे है, फिर हम सोशल डिस्टेंसिंग व सावधानियां बरतते हुए रक्तदान करके उन जरूरतमंद लोगों की जिंदगी बचा सकते है, जिन्हें आपातकाल के दौरान रक्त की जरूरत पड़ सकती है। सिंगला बलराम मानव सेवा ट्रस्ट एवं श्री हरि मानव सेवा ट्रस्ट द्वारा गांधी कालोनी के राजकीय विद्यालय में लगाए रक्तदान शिविर में उपस्थितजनों को संबोधित कर रहे थे। यह दोनों ही संस्थाएं थैलीसीमिया ग्रस्त बच्चों के हितों के लिए कार्य करती है और यह रक्तदान शिविर में थैलीसीमिया ग्रस्त बच्चों की मदद हेतु आयोजित किया गया। शिविर में करीब 40 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया।

लॉकडाउन का प्रभाव

स्वच्छ हुआ पर्यावरण

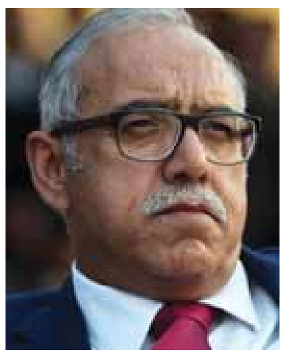

वर्तमान समय में हम अपने घरों की सीमा से चिड़ियों की चहकती आवाजें सुन रहे हैं तथा साफआसमान देख रहे हैं। सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व जज जस्टिस दीपक गुप्ता ने सुझाव दिया है कि हमें 53 दिन लंबे लाकडाउन के पर्यावरणीय लाभों को खोना नहीं चाहिए। उन्होंने कहा है कि हर साल देश के विभिन्न भागों में बारी-बारी से 15 दिन का लाकडाउन किया जाए ताकि स्वच्छ हवा और पानी मिलता रहे। इससे पर्यावरण संरक्षण के मानक भी पूरे हो सकते हैं। 6 मई को सेवानिवृत्त होने से पहले जस्टिस गुप्ता तीन साल तक सर्वोच्च न्यायालय की पर्यावरण पीठ में रहे हैं। उन्होंने साफ-साफ कहा है कि कुछ मामलों में पर्यावरण मंत्रालय सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय लागू करने में सक्रिय था, पर अन्य मामलों में बड़े उद्योगों से पर्यावरण अनुमति के मामले में उसका टकराव था। 'किसी खास क्षेत्र में बड़ी औद्योगिक इकाइयां लगाने' के मामले में खासकर वह 'हमारे आदेश लागू करने में अनिच्छुक रहा'। कम से कम कोविड-19 ने विकास से समझौता किए बिना पर्यावरण पोषण का रास्ता खोला है। वास्तव में महामारी ने 15 दिन में वह काम कर दिखाया जो सर्वोच्च न्यायालय पिछले 35 साल में नहीं कर सका था। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी की रिपोर्ट से खुलासा होता है कि फरवरी के प्रारंभ तक एशिया व यूरोप में शहरों और औद्योगिक क्षेत्रों के ऊपर नाइट्रोजन डाईआक्साइड-एनओटू के कारण होने वाले वायु प्रदूषण में पिछले साल के इसी समय की तुलना में 40 प्रतिशत कमी आई थी। नासा ने चीन के एनओटू उत्सर्जन में भारी कमी देखी और कहा कि न्यूयार्क व पूर्वोत्तर अमेरिका के बड़े महानगरों में प्रदूषण में 30 प्रतिशत कमी आई। ब्रिटेन मे ंभी एनओटू प्रदूषण कुछ शहरों में 60 प्रतिशत तक कम हुआ। कुछ सप्ताह के लाकडाउन के बाद दिल्ली, बैंगलुरू, कोलकाता व लखनऊ जैसे शहरों में वायु गुणवत्ता सूचकांक 50 के नीचे रहा। वास्तव में अप्रैल के पहले सप्ताह में पंजाब में जालंधर के नागरिकों ने बताया कि दशकों बाद उनको 213 किलोमीटर दूर स्थित धलूधार पर्वत श्रृंखला दिखाई पड़ी। अप्रैल के अंत तक उत्तर प्रदेश में सहारनपुर के लोगों को अपने घरों की छतों से बर्फसे ढके हिमालय पर्वत दिखाई पड़े। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, गंगा और यमुना इससे लाभान्वित हुई हैं। गंगा की जल गुणवत्ता में औसत 27 बिंदु का सुधार हुआ है और यह अब नहाने तथा वन्यजीवों व मछलियों के फलने-फूलने के लिए बेहतर हो गई है।

इसलिए महामारी के बाद अपने जीवन को सरल बनाते समय यह सुनिश्चित करना चाहिए कि पर्यावरण को हुए लाभ बनाए रखे जाएं। न केवल जलवायु संकट या प्रदूषण से निपटने के लिए यह आवश्यक है, बल्कि स्वच्छ हवा कोरोनावायरस से संघर्ष में भी लाभदायक है। प्रदूषण के कारण वायरस को अपना काम करने में आसानी होती है क्योंकि गंदी हवा से हमारा श्वसन तंत्र बेकार हो जाता है और वायरस फैलना आसान हो जाता है। इसलिए भारतीय उद्योगपति चाहे पसंद करें या नहीं, भविष्य में महामारियों का प्रसार रोकने के लिए वायु प्रदूषण में कमी अब एक प्रमुख शर्त बन गई है। इसलिए भारत को आर्थिक रूप से बेहतरी के रास्ते पर चलते समय पर्यावरण, परिवहन व उद्योग विनियमन कानूनों के बेहतर क्रियान्वयन पर ध्यान देना होगा। पर्यावरण को इसके व मानव गतिविधियों के कारण होने वाले नुकसान से बचना अब प्राथमिकता होनी चाहिए। लाकडाउन ने हमें अनेक कारगर समाधान दिखाए हैं जिनका प्रयोग पर्यावरण संरक्षण के लिए किया जा सकता है। इसके साथ ही लाकडाउन से ऐसी संभावनायें भी उजागर हुई हैं जिनके बारे में हम पहले सोच नहीं पाते थे। टिकाऊ विकास ही मानवजाति के आगे बढ़ने का उचित रास्ता है क्योंकि यदि हम प्रकृति का सम्मान नहीं करते हैं तो हमें इसके परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहना चाहिए। हमें प्रकृति के जवाबी प्रकोप से डरना होगा। जैसा कि हम अनुभव कर रहे हैं, प्रकृति का प्रकोप बहुत भयानक हो सकता है।

बढ़ती जा रही चीन की आक्रामकता

अमेरिकी प्रशासन को दक्षिण चीन सागर में स्थिति सामान्य बनाने के लिए अनेक देशों के वैध दावों का समर्थन करना चाहिए। जब तक वह ऐसी योजना नहीं बनाता है तब तक इस क्षेत्र पर चीन का शिकंजा मजबूत होता रहेगा।

सुमित झा
लेखक पांडिचेरी विश्वविद्यालय में शोधार्थी हैं

ऐसे समय जब सारी दुनिया कोरोनावायरस महामारी का सामना कर रही है, चीन दक्षिण चीन सागर में अपने आक्रामक विस्तारवाद पर मजबूती से कदम बढ़ा रहा है। इससे न केवल उसके छोटे पड़ोसियों, बल्कि भारत में भी चिन्ता व्याप्त है। हाल में उसने अनेक निर्णय लिए हैं जिनमें विवादित स्पार्टी व पार्सल द्वीप श्रृंखलाओं के प्रबंधन के लिए शिशा व नानशा जिलों का गठन शामिल है। उसने दक्षिण चीन सागर में 80 द्वीपों का नामकरण कर उनके भौगोलिक आयामों की व्याख्या की है ताकि वहां फौरन विकास के काम किए जा सकें। इन सारे कामों का उद्देश्य विवादित क्षेत्रों पर अपना भौतिक नियंत्रण तथा दावे मजबूत करना है। ऐसा विभिन्न देशों के दावों के विरोध के बावजूद हो रहा है।

निश्चित रूप से अपनी सैनिक व आर्थिक शक्ति बढ़ा कर चीन का लक्ष्य दक्षिण चीन सागर पर पूर्ण नियंत्रण स्थापित करना है। ऐसा कर वह अन्य दावेदार देशों के साथ विवादों के शांतिपूर्ण समाधान की अपनी प्रतिबद्धता से पीछे हट रहा है। इन देशों में ताइवान, वियतनाम, मलेशिया, फिलीपीन्स व ब्रुनेई शामिल हैं। शी जिनपिंग की सरकार ने दक्षिण चीन सागर का भारी सैन्यीकरण किया है। वहां चीनी कोस्टगार्ड और नौसेना की गश्त बढ़ी है, अनेक मानव-निर्मित द्वीप तैयार किए गए हैं तथा वहां एंटी-शिप क्रूज़ मिसाइलें, विमान-रोधी हथियार व मिसाइल रक्षा प्रणालियां लगाई गई हैं।

लेकिन यह अनुमान लगाना गलत होगा कि केवल सैनिक व आर्थिक शक्ति बढ़ने के कारण ही दक्षिण चीन सागर में चीन की आक्रामकता बढ़ी है। क्षेत्र में अन्य तत्व भी टकराव का कारण बने हैं। इनमें से एक चीन द्वारा इसे अपना विशिष्ट क्षेत्र बनाने का षडयंत्र है जहां अन्य दावेदार देशों की कोई प्रभावी या सामूहिक उपस्थिति निष्प्रभावी हो जाए। असोसियेशन आफ साउथईस्ट एशियन कंट्रीज़-एशियान ने एक बार भी चीन को उसके द्वारा दक्षिण चीन सागर की भौगोलिक गत्यात्मकताओं में परिवर्तन के खिलाफ कठोर चेतावनी नहीं दी गई है। एशियान सदस्यों के बीच मतभेदों के कारण वे चीन का उभार रोकने में विफल रहे हैं। चूंकि एशियान देश सहमति बना कर काम करने में विफल रहे हैं, इसलिए चीन उसके सदस्य देशों में दक्षिण चीन सागर के मुद्दे पर विभाजन पैदा करने में सफल रहा है तथा इसके लिए वह कुछ देशों का वित्तीय समर्थन भी करता है।

याद करें कि चीन द्वारा अंतरराष्ट्रीय न्यायाधिकरण के फैसले की पूर्ण अनदेखी करने के समय 2016 में एशियान का व्यवहार एक मृत संस्था जैसा था। इस फैसले में कहा गया था कि 'नाइन डैश लाइन' के बाद वाले समुद्र के संसाधनों पर चीन का कोई ऐतिहासिक या विधिक अधिकार नहीं है और न्यायाधिकरण ने फिलीपीन्स के दावों को स्वीकार किया था। जहां तक चीन के व्यवहार का संबंध है, क्षेत्रीय समूहों का रिकार्ड भी बहुत खराब है। स्वयं फिलीपीन्स के व्यवहार पर गौर करें। चीन के खिलाफ2016 में अंतरराष्ट्रीय न्यायाधिकरण का फैसला आक्रामक रूप से लागू करने का दबाव डालने के बजाय उसने भारी वित्तीय सहायता के बदले बीजिंग से समझौता करना पसंद किया। इसके साथ ही वैश्विक प्रशासनिक संस्थान भी चीन को जिम्मेदार राज्य के रूप में व्यवहार करने पर मजबूर करने में विफल रहे। क्षेत्र में वर्तमान गतिरोध के लिए अमेरिका की असंगत नीति भी जिम्मेदार है। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा व वर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दक्षिण चीन सागर में एक सुसंगत नीति विकसित करने में विफल हुए हैं। एशिया के केन्द्र वाली ओबामा की आधी-अधूरी नीति चीन द्वारा कई कृत्रिम द्वीपों का विकास रोकने में विफल रही। इसी प्रकार ट्रंप के चीन के साथ व्यापार युद्ध में चार साल लग गए। इसके परिणामस्वरूप हिंद-प्रशांत क्षेत्र को स्वतंत्र व खुले क्षेत्र के रूप में प्रोत्साहित करने का उनका विचार केवल प्रारम्भिक स्तर पर रहा। सच है कि ट्रंप प्रशासन ने ताइवान की सैनिक शक्ति बढ़ाने का प्रयास किया तथा अमेरिकी नौसेना ने दक्षिण चीन सागर में अतीत की तुलना में ज्यादा मुक्त भाव से विचरण किया। लेकिन इन छिटपुट प्रयासों से चीन के खिलाफ प्रभावी प्रतिरोध तैयार होना लगभग असंभव है।

> **सच है कि ट्रंप प्रशासन ने ताइवान की सैनिक शक्ति बढ़ाने का प्रयास किया तथा अमेरिकी नौसेना ने दक्षिण चीन सागर में अतीत की तुलना में ज्यादा मुक्त भाव से विचरण किया। लेकिन इन छिटपुट प्रयासों से चीन के खिलाफ प्रभावी प्रतिरोध तैयार होना लगभग असंभव है। शी जिनपिंग की सरकार ने हिंद व प्रशांत महासागरों के बीच रणनीतिक जगहों पर अपना नियंत्रण मजबूत किया है।**

यह पूरी तरह स्पष्ट है कि शी जिनपिंग की सरकार ने हिंद व प्रशांत महासागरों के बीच रणनीतिक जगहों पर अपना नियंत्रण मजबूत किया है जहां से हर साल वैश्विक समुद्री व्यापार का एक तिहाई हिस्सा गुजरता है। बीजिंग ने जानबूझ कर अन्य क्षेत्रीय शक्तियों को दक्षिण चीन सागर में मुक्त आवागमन की अनुमति नहीं दी है क्योंकि वह इस क्षेत्र में मौजूद विशाल तेल व गैस भंडारों पर अपना पूर्ण नियंत्रण बनाए रखना चाहता है। वह अमेरिका समेत अन्य बाहरी देशों को भी दक्षिण चीन सागर में प्रवेश के खिलाफधमकी देता है। सर्वाधिक महत्वपूर्ण बात है कि चीन ये सारे कदम पूरी बेशर्मी व दबंगई के साथ उठाता है।

मजेदार बात है कि पिछले कुछ महीनों में दक्षिण चीन सागर क्षेत्र में उल्लेखनीय परिवर्तन आया है। वियतनाम, इंडोनेशिया, मलेशिया व फिलीपीन्स जैसे कुछ देश क्षेत्र में पहले की तुलना में चीनी गतिविधियों की कठोर आलोचना करने लगे हैं। अप्रैल के प्रारम्भ में एक चीनी तटरक्षक जहाज ने वियतनाम की एक मछली पकड़ने वाली नौका डुबो दी थी जो दक्षिण चीन सागर में पार्सल प्रायद्वीपों के निकट मछली पकड़ रही थी। द्विपक्षीय एकजुटता का विरल प्रदर्शन करते हुए बीजिंग का विरोध करने में हनोई का साथ दिया।

अप्रैल के मध्य में एक चीनी सर्वेक्षण जहाज हाइयांग डिजी 8 तटरक्षक व समुद्री मिलिशिया जहाजों के संरक्षण में दक्षिण चीन सागर के एक क्षेत्र में गया जो मलेशिया के निकट था। उसका उद्देश्य एक मलेशियाई गैस उत्खनन कंपनी के कामकाज में बाधा डालना था। इसका क्वालालंपूर ने भारी विरोध किया।

निसंदेह हाल में इन देशों के दावों पर उठे सामूहिक कदमों ने दक्षिण चीन सागर में चीन को पीछे धकेलने की उत्साहजनक प्रक्रिया विकसित की है। लेकिन यह भी समान रूप से सच है कि जब तक अमेरिकी प्रशासन दक्षिण चीन सागर पर दावा करने वाले अन्य देशों के समर्थन की स्पष्ट योजना नहीं बनाता है तब तक चीन इस क्षेत्र पर अपनी पकड़ लगातार मजबूत करता रहेगा।

ताइवान ने वर्तमान स्थिति में व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाते हुए सभी पक्षों से अपील की है कि वे विवादों का शांतिपूर्ण समाधान करें। ताइवान की साई सरकार को भी चीन की आक्रामकता से अपनी रक्षा के सारे विकल्प खोजने पड़ रहे हैं। ऐसा खासकर इसलिए है कि दक्षिण चीन सागर में बीजिंग की बढ़ती आक्रामकता से ताइवान को गंभीर खतरा पैदा हो गया है।

भारत भी चीन की लगातार बढ़ती आक्रामकता से अछूता नहीं रह सकता है। हुआवेई की 5जी मामले में प्रतिस्पर्धा इसका एक उदाहरण है। इसलिए आवश्यक हो गया है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार क्षेत्र के अन्य देशों के साथ सहयोग कर चीनी षडयंत्रों का उचित जवाब दे।

स्वतंत्र अभिव्यक्तियों से पैदा जोखिम

> **"टिकाऊ निष्कर्षों पर विश्वसनीय शोध की अनुपस्थिति में उसे सार्वजनिक रूप से व्यक्त किए जाने के अपने जोखिम भी हो सकते हैं।"**

विनयशील गौतम
(लेखक जाने-माने प्रबंध परामर्शदाता हैं)

एक दिन जब यह महामारी खत्म हो जाएगी और स्वास्थ्य तथा वैश्विक अर्थव्यवस्था पर इसके प्रभाव से दुनिया के मुक्त होने की प्रक्रिया आरम्भ होगी, तब हो सकता है कुछ शोधकर्ता भारत तथा विश्वभर में प्रकाशित अखबारों, पत्रिकाओं एवं लेखों में छपी सामग्री का विश्लेषण करना प्रारम्भ करेंगे। हो सकताहै वे उन विचारों को खोजने का निर्णय लें जिन्होंने विश्व की कल्पनाओं में स्थान बनाया और 2019 के अंत व 2020 में उन्हें सर्वाधिक कवरेज मिली। अनुमानत:, कोविड-19 दुनिया की गणनाओं पर छाया रहेगा, जिसकी शुरुआत दिसंबर 2019 में सीमित प्रतिशत से हुई थी और 2020 के मध्य एवं उपरांत उसने एक आपदा का रूप ले लिया। दुनिया में जैसे सब कुछ दरकिनार हो गया है, जैसे कि इस अवधि में और कोई समस्या थी ही नहीं। सांख्यिकीय गणनाएं एवं मानचित्रण प्रारम्भ होंगे, प्रतिशत एवं क्षेत्रों के अनुरूप विश्लेषण किए जाएंगे तथा और भी काफी कुछ होगा।

हालांकि, इस पर बहुत मामूली आंकड़े उपलब्ध होंगे कि वास्तव में कितने लोग कोविड-19 प्रकरण की असाधारण प्रचुरता के कारण पर्याप्त चिकित्सीय देखभाल के अभाव में इस महामारी का शिकार बन गए। उन लोगों से संबंधित आंकड़े भी उपलब्ध नहीं होंगे जो इस उपेक्षा एवं भ्रामक फ्लू लक्षणों के कारण भय एवं मानसिक पीड़ा से गुजरे हैं। इस विषय क्षेत्र के सर्वाधिक प्रभावी प्रकरणों में से एक है गैर लाक्षणिक वाहकों की सर्वव्यापकता। यदि कोई चीज मानसिक उन्माद पैदा करने वाली थी, तो वह था लक्षणविहीन मरीजों का होना।

खबरों के मुताबिक बहुत से लोग व्याकुलताओं से भरे है कि कहीं वे भी इस घातक महामारी के अगले शिकार बनने वाले तो नहीं क्योंकि उनमें कोई लक्षण नजर नहीं आ रहे। सरल भाषा में कहें, तो व्याकुलता एवं आभास भी उतना ही आहत करने वाला हे जितना कि स्वयं में वास्तविक महामारी। जब तक कोरोनावायरस अपने स्वरूप बदलना जारी रखेगा, तब तक कोई वैक्सीन विकसित होने की उम्मीद नहीं की जा सकती। इस बीच, भारतीय देशीय स्वास्थ्यरक्षा प्रणाली अथवा आयुर्वेदिक उपचारों एवं चिकित्सा की वैकल्पिक पद्धति, होम्योपैथी की प्रभावीयता से संबंधित बहुत से दावे किया जा रहे हैं। ऐलोपैथ एवं फार्मेकोलॉजिस्ट इन दावों को बड़ी जल्दी खारिज कर देते हैं क्योंकि इन पद्धतियों को पुख्ता करने वाले पर्याप्त क्लीनिकल परीक्षण एवं शोध निष्कर्ष उपलब्ध नहीं होते।

समाधानों के वैज्ञानिक वैधीकरणों के बीच परस्पर विरोधी मतों का समाधान करने के लिए, और प्रमाण प्रस्तुत करने से पहले कोई कदम न उठाए जाने के चलते निश्चित रूप से निष्कर्ष निकालना कठिन है। नीति निर्माण क्षेत्र में विद्यमान कुछ बुद्धिमान लोग इस मोर्चे पर विचित्र ढंग से मौन हैं, शायद इसलिए क्योंकि इस विवाद का हल निकालने के लिए पद्धतियां उपलब्ध नहीं हैं। ऐसी स्थिति में आगे का रास्ता क्या होगा यह स्पष्ट नहीं है।

चीन द्वारा हाल ही में कोविड-19 का उन्मूलन करने संबंधी दावे को ब्रिटिश संस्थाओं की ओर से चिकित्सा विज्ञानों के क्षेत्र में कार्यरत सहयोगियों के साथ अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त चिकित्सकों ने खारिज कर दिया। जब चीनियों द्वारा समाचार पत्र में प्रकाशित दोवों के बारे में पूछा गया, तो उनके पास एक पंक्ति में जवाब था, "आपने मीडिया में कही जाने वाली इन बातों को कब से गंभीरता से लेना प्रारम्भ कर दिया?" उन्हें अपनी सावधानियों के लिए दोष नहीं दिया जा सकता जब समाचार चैनल और सोशल मीडिया बहुत सी और फर्जी खबरों के आरोपों से घिरेरहते हैं।

महामारी को लेकर व्याप्त इस वैश्विक सनक के बीच, 7 मई को विशाखापत्तनम में भयावह रूप से गैस लीक होने की त्रासद खबर आई। लाकडाउन की अवधि के दौरान संयंत्र की देखभाल एवं रखरखाव संबंधी तरीकों एवं मुद्दों से संबंधित मौन उल्लेख समाचार चैनलों में नजर आए। यदि इस प्रक्रिया में किसी की जिम्मेदारी तय की जा रही है, तो सार्वजनिक मंच पर कोई खास जानकारियां साझा नहीं की गईं। बस आंयू बहाए गए और भोपाल गैस त्रासदी के साथ तुलनाएं की जाती रहीं। भोपाल गैस त्रासदी से क्या सबक सीखे गए और, केंद्र तथा राज्य दोनों स्तरों पर, तत्कालीन सरकार से इससे निबटने के लिए क्या किया, यह पिछले तीन दशकों में कोई मुद्दा ही नहीं बना।

एक देश के तौर पर, हम, इस बात पर आत्म प्रशंसा करते नहीं थकते हम कितने स्वतंत्र देश हैं और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता हमारी राजव्यवस्था के केंद्र में निहित है। यह एक वैधानिक गौरव है और स्पष्ट रूप से पोषित सदाचार। इस मुक्त अभिव्यक्ति की उपलब्धियों को समझने के लिए अध्ययन की आवश्यकता है, वे उपकरण जिनका इस्तेमाल इससे निबटने में किया जाता हे और वह सामाजिक वर्ग जो इसका पालन करता है। यदि ऐसा कोई अध्ययन उपलब्ध भी है तो वह शोध संस्थाओं का अति गोपनीय विषय है जो जाहर नहीं किया जाता। निश्चित रूप से, प्रत्ये उपकरण का परीक्षण उसकी प्रभावोत्पादकता एवं उसे बनाए रखने के लिए चुकाई जाने वाी कीमत जानने के लिए किया जाना चाहिए।

इस स्तम्भ लेख की शुरुआत शोध की भावी संभावित दिशाओं के भविष्यसूचकों एवं लिखी इबारत के विचारों से होकर गुजरने, पुष्टि करने योग्य आंकड़ों के वैध विश्लेषण की प्रासंगिकता के साथ की गई थी, जो जारी है। अब समय आ गया है कि प्रयुक्त शोध के सरोकारों को नीति उपकरणों के तौर पर समाहित किया जाए जिसके बगैर किसी प्रणाली में किसी प्रभुत्वकारी समूह का मत नीति कार्यतंत्र में रूपांतरित होता है। इसकी अपनी ताकत होती है, जो प्राय: त्वरित कार्रवाई के तौर पर जाना जाता है। इसकी अपनी कमजोरियां हैं जहां प्राय: अतिशय विवेकाधिकार एवं निर्णय उन पदाधिकारियों को दे दिया जाता है जिन्हें उन व्यक्तियों के जीवन पर उनके कृत्यों के पड़ने वाले प्रभावों के प्रति कोई उन्मुखता एवं ज्ञान नहीं होता, जो स्वयं नहीं जानते कि अपनी रक्षा कैसे करें। टिकाऊ निष्कर्षों पर विश्वसनीय शोध की अनुपस्थिति में उसे सार्वजनिक रूप से व्यक्त किए जाने के अपने जोखिम भी हो सकते हैं।

आप की बात

रमज़ान का महीना

रमज़ान में मुसलमान सुबह जल्दी उठ कर रोज़ा रखते है और दुआ करते है कि उन्हें मरने के बाद जन्नत मिले ,लेकिन इस बार दुआओं में जन्नत नहीं बल्कि भारत से कोरोना जैसी भयानक बीमारी को भगाना है। रोज़ा सिर्फ अब मुसलमानों तक ही सीमित नहीं है बल्कि सेलेब्रिटी भी अब 16 घंटे का रोज़ा रखते है जिसे इंटर्मिटेंट फास्टिंग कहते है। इसे रोज़े का मॉडर्न रूप भी कहते है। रमज़ान बाजारों की रौनक का महीना भी है। रमज़ान के पूरे महीने इबादत की जाती है और हर बार की तरह इसबार भी पूरी इंसानियत की हिफाज़त के लिए दुआ हो रही है। ऐ खुदा मेरे मुल्क से नफ़रत तो खत्म कर मुहब्बत फैला दे। रोज़ा रखना सेहत के लिए भी फायदेमंद है और मजहबी फरीज़ा भी है। इससे इमुन सिस्टम ठीक रहता है। डायट एक्सपर्ट भी अब इंटर्मिटेंट फास्टिंग की सलाह देते है जिसका मतलब होता है रुक कर खाना। ये फास्ट सोलह घंटे का होता है ज़्यादातर लोग इसे रात के खाने के बाद से रखते है जिसमें आठ घंटे सोने के निकल जाते है बाकी टाइम थोड़ा बहुत काम करके। रात के खाने और दिन के खाने के बीच 16 घंटे की टाइमिंग होनी चाहिए बीच में बिना दूध की चाय और पानी ले सकते है। ऐसा साल में बीस दिन करने कि सलाह एक्सपर्ट देते हैं।

– **फ़राज़ हमीद**, मेल से

धैर्य की आवश्यकता

विश्व वैश्विक महामारी के दौर से गुजर रहा है भारत समेत दुनिया के कई शक्तिशाली देश कोरोना संक्रमण के चलते बुरी तरह से टूट चुके हैं। कई देशों ने अपने यहां लॉक डाउन में हालातों को नियंत्रण करने का प्रयास किया है। लेकिन एक निश्चित समय सीमा तक ही लोग लॉक डाउन का पालन आप लोगों से करा सकते हैं। जिस तरह से लाक डाउन का समय बढ़ रहा है ,वैसे-वैसे मुश्किलें बढ़ती ही जा रही हैं। भारत में पहले और दूसरे लॉक डाउन में सरकार ने शक्ति से लोगों को घरों में रहने के लिए कहा और तीसे लाकडाउन में सरकार ने कुछ छूट प्रदान की। यह छूट उन जगहों पर थे जहां पर अभी तक कोई भी संक्रमित मरीज नहीं मिला। लोगों तक आवश्यक वस्तुओं की पूर्ति कराना भी सरकार की जिम्मेदारी बनती है। किसी देश में एक निश्चित समय सीमा तक ही लॉक डाउन लगाया जा सकता है, आप पूरे साल देश में लॉक डाउन नहीं लगा सकते हैं, क्योंकि इस तरह तो देश में भुखमरी की स्थिति उत्पन्न हो जाएगी और देश के सभी तबके के लोगों को आर्थिक संकट व गरीबी से गुजरना पड़ सकता है। सरकार इन्हीं सब बातों को समझते हुए उनकी गंभीरता को देखते हुए कुछ ऐसे निर्णय लेगी।

– **योगेंद्र गौतम**, उन्नाव

भय पैदा करते आंकड़े

कोरोनावायरस संक्रमण के लगातार बढ़ते आंकड़े चिंता तो पैदा कर ही रहे हैं मगर मीडिया में आने वाली खबरें इस चिंता को दुगनी कर रही हैं। फिलहाल मुसीबत थमने का नाम नहीं ले रही है। जब से संक्रमितों के आंकड़ों का प्रतिशत बढ़ना शुरू हुआ है तब से अब तक जून-जुलाई में हालात क्या होंगे इस बात को लेकर काफी टिप्पणियां सुनने में आ रही हैं। शोधकर्ता इन दो माहो में स्थिति और भयावह होने का संकेत दे रहे हैं। निश्चय ही इस तरह की जानकारियां लोगों को डराने के लिए काफी है। लोग पिछले डेढ़ माह से जिन परिस्थितियों से गुजर रहे हैं। आने वाले समय की भयाक्रांत तस्वीरें प्रस्तुत करने से लोग उल्टी दहशत के शिकार हो जाएंगे। माना कि लोगों को सतर्क करना जरूरी है मगर उन्हें मानसिक रूप से तैयार किया जाए तो अच्छा रहेगा। विकट परिस्थितियों का सफलतापूर्वक सामना कैसे करें इस बात के लिए लोगों को प्रेरित किया जाए और उनमें हिम्मत जुटाई जाए जिससे संकट का समय हंसते-हंसते कट सके।

– **अमृतलाल मारू**, दसई, मप्र

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते है।

फरमाया

ज्यादा उधार लेना पर्याप्त नहीं जब तक राशि का प्रयोग गरीबों को राहत देने व अर्थव्यवस्था को पुन: प्रारम्भ करने में नहीं किया जाता।

– **पी चिदंबरम**
कांग्रेस नेता

यद्यपि केंद्र ने दो लाख से अधिक प्रवासियों के घर लौटने की व्यवस्था की है। उसे पश्चिम बंगाल से अपेक्षित सहयोग नहीं मिल रहा है।

– **अमित शाह**
केंद्रीय गृहमंत्री

केंद्र सरकार झूठ बोल रही है। विभिन्न राज्यों से प्रवासियों को बंगाल वापस लाने के लिए आठ ट्रेनें तैयार हैं।

– **काकोली घोष दस्तीदार**
तृणमूल सांसद

निवेश की संभावनाओं पर की चर्चा, दिया भ्रमण का आमंत्रण

● एमएसएमई मंत्री ने थाईलैण्ड के पूर्व उप प्रधानमंत्री से किया संवाद

● कोर्न दब्बरंसी ने यूपी में फूड प्रोसेसिंग कल्स्टर बनाने की बात कही

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के एमएसएमई मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने थाईलैण्ड के पूर्व उप प्रधानमंत्री कोर्न दब्बरंसी से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़ कर उत्तर प्रदेश में निवेश की अपार सम्भावनाओं से अवगत कराते हुए उन्हें उत्तर प्रदेश के भ्रमण के लिए आमंत्रित किया।

दब्बरंसी ने आमंत्रण को सहर्ष स्वीकार करते हुए कहा कि निवेश की संभावनाओं को तलाशने अक्टूबर में थाईलैण्ड से उद्यमियों का एक प्रतिनिधि मंडल यूपी के भ्रमण के लिए भेजा जायेगा। उन्होंने प्रदेश की नई औद्योगिक और निवेश नीति में विशेष रुचि दिखाते हुए कहा कि यूपी के एमएसएमई सेक्टर में निवेश की असीम सम्भावनाएं हैं। जिस प्रकार उत्तर प्रदेश में एमएसएमई को बढ़ावा देने के लिए ओडीओपी योजना संचालित है उसी प्रकार थाईलैण्ड में भी ओडीओपी कार्यक्रम चलाया जा रहा है। उत्तर प्रदेश और थाईलैण्ड के एमएसएमई यदि आपस में टेक्नालॉजी साझा करेंगे तो यूपी और थाईलैण्ड दोनों के एमएसएमई लाभान्वित होंगे। साथ ही हथकरघा उत्पादों के आयात और निर्यात को बढ़ावा भी मिलेगा। उन्होंने उत्तर प्रदेश में फूड प्रोसेसिंग कल्स्टर बनाने की बात कही। प्रमुख सचिव डा. नवनीत सहगल ने दब्बरंसी को अवगत कराया कि यूपी में लगभग 90 लाख एमएसएमई हैं। सरकार के पास उद्यम स्थापना के लिए पर्याप्त भूमि है। कुशल मानव संसाधन के साथ-साथ औद्योगिक माहौल भी उद्यमियों के अनुकूल है। उन्होंने दब्बरंसी की एक जिज्ञासा का समाधान करते हुए कहा कि यूपी में उद्यम स्थापना के लिए 90 वर्ष तक लीज पर भूमि देने की व्यवस्था है। इसके अतिरिक्त फ्री-होल्ड भूमि भी उद्यमियों उपलब्ध कराने का प्राविधान है।

श्रमिकों को रोजगार देने के लिए निर्माण कार्य तत्काल शुरू कराएं

● निर्माण स्थल पर कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन अवश्य कराया जाए: मुख्य सचिव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्य सचिव राजेन्द्र कुमार तिवारी ने कहा है कि विभिन्न राज्यों से उत्तर प्रदेश में बड़ी संख्या में प्रवासी श्रमिकों आ रहे हैं। प्रदेश के श्रमिकों तथा प्रवासी श्रमिकों को अधिक से अधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए निर्माण कार्यों से सम्बन्धित विभागों द्वारा निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार निर्माण कार्य तत्काल शुरू कराया जाए। उन्होंने कहा कि सम्बन्धित विभागों द्वारा निर्माण कार्यों की साप्ताहिक समीक्षा भी की जाए तथा उसका विवरण भी उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि निर्माण स्थल पर कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए गृह विभाग की गाइडलाइन्स के अनुरूप सोशल डिस्टेंसिंग इत्यादि का अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए। कार्मिकों एवं श्रमिकों के निर्माण स्थल पर यथासंभव रहने एवं खानपान की व्यवस्था कराई जाए। हॉट स्पॉट क्षेत्र में किसी निर्माण कार्य को शुरू कराने की कदापि अनुमति न दी जाये। राजेन्द्र कुमार तिवारी ने कहा कि प्रवासी श्रमिकों की कौशल मैपिंग कर डाटा एकत्रित किया जा रहा है। अत: निर्माण इकाई में प्रशिक्षित कार्मिकों एवं मजदूरों की आवश्यकता होने पर भी सम्बन्धित जिलाधिकारी से अनुरोध कर उनका विवरण प्राप्त कर उन्हें योग्यतानुसार निर्माण कार्य में लगाया जाये।

किसान हित में किए गए फसल बीमा योजना के प्रावधानों में संशोधन: शाही

● योजनान्तर्गत ऋणी तथा गैर ऋणी किसानों को स्वैच्छिक आधार पर प्रदान किया जाएगा कवर: सूर्य प्रताप शाही

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

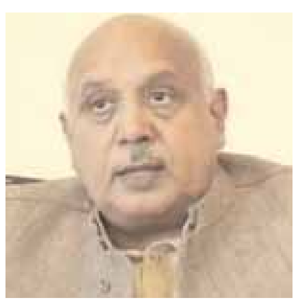

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बताया कि भारत सरकार द्वारा मुख्य रूप से किसानों के हित में खरीफ 2020 तथा आगामी मौसमों में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना तथा पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना के प्राविधानों में कतिपय संशोधन किए गए हैं। उन्होंने बताया कि किसानों की मांग रही है कि योजना को स्वैच्छिक आधार पर संचालित किया जाए, जिसे स्वीकार करते हुए खरीफ 2020 तथा आगामी मौसम के लिए ऋणी तथा गैर ऋणी किसानों को स्वैच्छिक आधार पर कवर प्रदान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि फसली ऋण लेने वाले किसान योजना के अंतर्गत अपनी भागीदारी यदि नहीं चाहते हैं तो उन्हें खरीफ़तथा रबी मौसम में किसानों की भागीदारी की अंतिम तिथि के 07 दिन पहले तक अपने बैंक शाखा को अवगत कराना आवश्यक होगा। उन्होंने बताया कि अब तक फसली ऋण लेने वाले पात्र सभी ऋणी किसान अनिवार्य आधार पर तथा गैर ऋणी किसान स्वैच्छिक आधार पर योजना में कवर किए जाते रहे हैं। इस कारण योजनान्तर्गत अब तक ऋणी किसानों की भागीदारी मुख्य रूप से रही है। श्री शाही ने सोमवार को विधान भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में बताया कि अभी तक 1 या 2 वर्ष के लिए बीमा कंपनी का चयन करते हुए योजना को प्रदेश में संचालित कराया जाता रहा है।

भारत सरकार की संशोधित गाइडलाइन के अनुसार अब योजना को 3 वर्षों तक लागू करते हुए बीमा कंपनियों के कार्य क्षेत्र का आवंटन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस संशोधन से यह लाभ होगा कि बीमा कंपनी अपने आवंटित जनपद में कंपनी के कार्मिकों के पूर्ण कालीन तैनाती करते हुए योजना का प्रभावी प्रचार प्रसार सुनिश्चित कर सकेंगी। साथ ही कंपनी द्वारा बैंकों तथा किसान भाइयों से संपर्क एवं समन्वय स्थापित करते हुए योजना का प्रभावी संचालन सुनिश्चित कर सकेंगी।

रेड जोन में टीकाकरण शुरू करने के निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बच्चों को बीमारी से लगने वाले टीके का क्रम इस बार कोरोना महामारी के चलते टूट गया है। जिससे लगभग 15 लाख बच्चों के प्रभावित होने की संभावना है। ऐसे में सुरक्षा चक्र को बरकरार रखने के लिए सरकार ने एक बार फिर रेड जोन वाले जनपदों में हॉट स्पॉट एरिया को छोड़ कर फिर से शुरू करने के निर्देश दिए हैं। नवजात शिशुओं को खसरे जैसी कई बीमारियों से बचाने के लिए सरकार की तरफ से टीकाकरण कार्यक्रम संचालित किया जाता है। जन्म के समय जरूरी तीन वैक्सीन तो शिशु को लग रही हैं। इनमें बीसीजी, पोलियो और हैपेटाइटसबी के टीके प्रसव के बाद ही अस्पताल में दे दिए जाते हैं। इसके बाद बच्चों को समय समय पर टीके लगवाने के लिए डॉक्टर के पास जाना होता है। लॉकडाउन के चलते सरकार ने टीकाकरण अभियान पर ब्रेक दिया था। जिसके चलते लखनऊ जनपद में करीब आठ हजार बच्चों का टीकाकरण नहीं हो सका था। इस बारे में महाप्रबंधक इम्यूनाइजेशन डॉ वेद प्रकाश का कहना है कि लॉकडाउन व कोरोना संक्रमण के मद्देनजर अभियान को रोका गया था। मई में उसे चालू कर दिया गया है। जल्द से जल्द नए के साथ छूटे बच्चों का भी टीकाकरण किया जाएगा।

शराब की दुकानों के लिए दूसरे चरण की ई-लाटरी 21 को

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

देशी मदिरा, विदेशी मदिरा, बीयर एवं भांग की फुटकर दुकानों सहित माडल शाप्स की ई-लाटरी के द्वितीय चरण की समय सारणी में आबकारी विभाग ने परिवर्तन किया है। नए निर्णय के अनुसार द्वितीय चरण की लाटरी अब 21 मई को होगी।

यह जानकारी आबकारी आयुक्त पी गुरू प्रसाद ने दी है। उन्होंने बताया कि द्वितीय चरण में आनलाइन आवेदन 20 मई को सायं 5 बजे तक तथा द्वितीय चरण की ई.लाटरी 21 को अपराह्न 3 बजे से समाप्ति तक जिलाधिकारी द्वारा निर्धारित स्थल पर की जाएगी।

वहीं दूसरी ओर संजय आरण्भूसरेड्डीए प्रमुख सचिवए आबकारी विभाग द्वारा बताया गया नोवेल कोरोना वायरेस ;कोविड.19द्ध संक्रमण के दृष्टिगत देशव्यापी लाकडाउन के कारण आबकारी दुकानों का संचालन नही हो रहा था। जिससे अवैध मदिरा के निर्माण तथा बिक्री की सम्भावना अत्याधिक बढ़ गयी थीए जिससे जनहानि की अत्याधिक सम्भावना थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ द्वारा कड़े निर्देश दिये गये हैं कि अवैध मदिरा के व्यापार को रोका जाय तथा दोषी व्यक्तियों के विरूद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। अवैध मदिरा के व्यापार को रोकने के लिए प्रदेश में 25 मार्च से निरन्तर विशेष प्रवर्तन अभियान चलाये जाने के विस्तृत निर्देश जनपदीय अधिकारी को निर्गत किये गये। उक्त अभियान के दौरान 25 मार्च से 10 मई तक प्रदेश के समस्त जनपदों में 7152 मामले पकड़े गये एवं 178656.2 ली. अवैध मदिरा जब्त की गयी है। अवैध मदिरा के कारोबार में संलिप्त 970 व्यक्तियों को जेल भेजा गया तथा 67 वाहन भी जब्त किये गये है। पकड़े गये अपराधियों एवं जब्त किये गये वाहनों के के विरूद्ध आबकारी अधिनियम एवं भारतीय दण्ड संहिता तथा मोटर व्हेकिल एक्ट की संगत धाराओं के अंतर्गत अभियोज पंजीकृत किये गये।

प्रमुख सचिव, आबकारी संजय आरण् भूसरेड्डी द्वारा यह भी बतया गया कि प्रदेश में अवैध मदिरा के कारोबार को पूर्ण रूप से नियंत्रित करने के लिए विभाग को अनवरत अभियान चलाने तथा अवैध मदिरा के निर्माण, बिक्री, परिवहन एवं तस्करी को किसी भी स्थिति में शत प्रतिशत नियंत्रित करने के निर्देश दिये है।

सीएम ने सड़क दुर्घटना में कामगारों की मृत्यु पर जताया शोक

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सहजनवां गोरखपुर में एक सड़क दुर्घटना में कामगारों-श्रमिकों की मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की है। यह कामगार, श्रमिक जनपद महराजगंज के निवासी थे। मुख्यमंत्री ने इस दुर्घटना में दिवंगत हुए लोगों के आश्रितों को 2-2 लाख रुपए तथा गम्भीर रूप से घायल लोगों को 50-50 हजार रुपए की आर्थिक मदद उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सभी घायलों का समुचित उपचार कराने के निर्देश भी दिए हैं।

मुलायम सिंह यादव अस्पताल से डिस्चार्ज

लखनऊ। एक दिन पूर्व देर शाम को पेट सम्बन्धी समस्या के चलते मेदांता हॉस्पिटल में भर्ती समाजवादी पार्टी के संरक्षक मुलायम सिंह यादव को सोमवार को डिस्चार्ज कर दिया गया। डॉक्टरों ने मुलायम सिंह यादव के स्वास्थ्य को बेहतर बताया है। मुलायम सिंह यादव इस बार 24 घंटे के अंदर दूसरी बार भर्ती हुए थे। इससे पूर्व पेट सम्बन्धी समस्या के चलते ही उन्हें भर्ती कराया गया था। रविवार को सपा संरक्षक को रात भर डॉक्टरों की निगरानी में रखा गया था। सुबह उनकी हालत में सुधार को देखते हुए डिस्चार्ज कर दिया गया। मेदांता के निदेशक डा. राकेश कपूर ने बताया कि उनकी सेहत में सुधार है। इस दौरान उनके साथ पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव सहित परिवार के अन्य सदस्य भी मौजूद रहे। सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव को शनिवार को ही डॉक्टरों ने अस्पताल से डिस्चार्ज किया था, लेकिन रविवार शाम को उनकी तबीयत फिर से खराब हो गई।

अखिलेश ने की आजम व उनके परिवार को जेल से रिहा करने की मांग

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खां व उनके परिवार को जेल से रिहा करने की मांग की है। अखिलेश यादव ने कहा कि राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा सरकार अपनी संकीर्ण मानसिकता के चलते विपक्ष के नेताओं के प्रति बदले की भावना से काम करने से बाज नहीं आ रही है। सीतापुर की जेल में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता लोकसभा सदस्य और पूर्व मंत्री मोहम्मद आजम खां, उनकी पत्नी तंजीम फातिमा तथा बेटे अब्दुल्ला आजम के साथ दुर्व्यवहार हो रहा है। उन्होंने कहा कि तंजीम फातिमा रामपुर से विधायक हैं। गत शनिवार को वह फिसलकर चोटिल हो गईं। मोहम्मद आजम खां भी अस्वस्थ हैं। भाजपा सरकार की यह हठधर्मिता है कि मानवीय मूल्यों के पालन से भी वह गुरेज कर रही है। भाजपा सरकार को संविधान के प्रति निष्ठा नहीं। इसके पूर्व भी की गई मांग को फिर दोहराना आवश्यक है कि माहे रमजान में मोहम्मद आजम खां और उनके परिवारीजनों को जेल से रिहाकर उन्हें रोजे रखने और इबादत का अवसर देना चाहिए।

प्रदेश में मजदूरों की सुरक्षा भगवान भरोसे

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि यदि सरकार रोजगार और खाने का प्रबंध कर दे तो कोरोना को सरकार नहीं जनता हरा देगी। अखिलेश ने कहा किसरकारी दावों के बावजूद झांसी, ललितपुर, मथुरा समेत कई सीमावर्ती क्षेत्रों से मजदूर अभी भी फंसे हैं। प्रदेश में मजदूरों की सुरक्षा भगवान के भरोसे है। सन् 2022 तक सबको घर देने का वादा करने वाले सत्ताधारी आज बेघर भटकते भूखे-प्यासे लोगों को एक वक्त की रोटी तक नहीं दे पा रहे हैं। इतिहास गवाह रहा है, सड़कों पर उतरी जनता ने सर्वशक्तिमान होने का दम्भ-भ्रम रखने वाले एक से एक बड़ों को पैदल कर दिया है।

गरीबों का मजाक उड़ा रही हैं सरकारें: सुरेंद्र नाथ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश प्रवक्ता सुरेन्द्र नाथ त्रिवेदी ने केन्द्र और प्रदेश की सरकारों के मजदूर और मजलूम विरोधी रवैये की भर्त्सना करते हुए कहा है कि सम्पूर्ण देश के कोने कोने में करोड़ों मजदूर और मजलूम लोग अपने दु:ख दर्द के साथ अपनी अपनी जन्मभूमि पर जाने के लिए तड़प रहे हैं और सरकारें अपनी हठधर्मिता और बर्बरता का रुख दिखाते हुए इन गरीबों का मजाक उड़ा रही हैं। उन्होंने कहा कि सम्पूर्ण देश के सम्पूर्ण लाक डाउन का दंश झेल रहे इन लोगों से लगातार किराया वसूलने की खबरें आ रही हैं और सरकारों द्वारा झूठ बोलने से लगातार इन्हें आघात पहुँचाया जा रहा है। ऐसा लगता है कि सरकारें अपनी मशीनरी से इनका शोषण कराकर खुद को निर्दोष साबित करना चाहती है। यदि ऐसा नहीं है तो सख्ती से जाँच कराकर दूध का दूध और पानी का पानी भी होना चाहिए। त्रिवेदी ने कहा कि जनता ने देश के प्रधानमंत्री की इच्छा के अनुरूप इस महामारी से सम्बन्धित सभी सहयोग दिया परन्तु सरकारों ने प्रत्येक स्तर पर पूँजीवादी होने का परिचय दिया है।

मॉलिक्यूल के जरिए फर्स्ट स्टेज में कैंसर के सेल्स का निदान सम्भव: प्रो. युकीहिरो

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

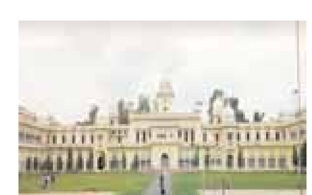

लखनऊ विश्वविद्यालय में नेशनल प्रौद्योगिकी दिवस के मौके पर सोमवार को रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी के बायोमेडिकल एप्लिकेशन पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार में कावेसी गाकुइन विश्वविद्यालय जापान के प्रो. युकीहिरो ओजाकी ने महत्वपूर्ण लेक्चर दिया। उन्होंने बताया कि मॉलिक्यूल के जरिये फर्स्ट स्टेज में कैंसर के सेल्स का निदान किया जा सकता है।

प्रो. युकीहिरो ने बताया कि रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी द्वारा उम्र बढ़ने और मोतियाबिंद के कारण आंख के लेंस में होने वाले परिवर्तनों की जांच की सकती है । उन्होंने बताया कि यह कैसे आकारिकी प्रोटीन का पता लगाने, लाइव माउस मॉडल में कैंसर की निगरानी पर निर्भर करता है। उन्होंने रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी के भविष्य के पहलुओं के बारे में भी बताया। साथ ही चिकित्सा क्षेत्र में रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी की भूमिका के बारे में बताया। वेबिनार में पोलैंड, मालासिया, दक्षिण कोरिया, हंगरी, जापान, ताइवान, नेपल और भारत के विभिन्न हिस्सों के 225 से अधिक शोधकर्ताओं ने भाग लिया।

लविवि में कर्मचारियों का हुआ सम्मान

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति के प्रो आलोक कुमार राय व विश्वविद्यालय शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ नीरज जैन के नेतृत्व मे सोमवार को विवि के 25 सफाई कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। इस सम्मान समारोह में 25 सफाई कर्मचारियों सहित लेखा विभाग व कुलसचिव कार्यालय के कर्मचारी शामिल हैं। सम्मानित होने वाले कर्मियों में संजीव सिन्हा, विनायक द्विवेदी, विमलेश तिवारी, सुमित मिश्रा, दीपेन्द्र श्रीवास्तव, रमेश राम, राहुल, मोहित, रवि, प्रदीप, अशोक झा, डॉ कश्यप, लल्लू, दिलीप, फिरोज, सनी और विश्वविद्यालय चौकी इंचार्ज अभय सिंह और अन्य सिपाहियों को माला पहना कर फल व पानी की बोतल प्रदान कर पुष्प वर्षा द्वारा सम्मानित एवं प्रोत्साहित किया गया।

लॉकडाउन के दौरान अब तक किया गया 9 लाख से अधिक वाहनों का चालान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश में लॉक डाउन के दौरान अब तक 9 लाख से अधिक वाहनों का चालान किया गया है। अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने बताया कि कोरोना वायरस के दृष्टिगत प्रदेश में लॉकडाउन अवधि में पुलिस विभाग द्वारा की गई कार्रवाई में अब तक धारा 188 के तहत 42 031 लोगों के विरूद्ध एफआईआर दर्ज की गई।

प्रदेश में अब तक 3574475 वाहनों की सघन चेकिंग में 930197 वाहनों का चालान और 38,392 सीज किए गए । चेकिंग अभियान के दौरान 170464902 रूपए का शमन शुल्क वसूल किया गया । आवश्यक सेवाओं के लिए कुल 2,23,332 वाहनों के परमिट जारी किए गए हैं । उन्होंने बताया कि कालाबाजारी एवं जमाखोरी करने वाले 772 लोगों के खिलाफ 606 एफआईआर दर्ज करते हुए 279 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। फेक न्यूज पर कड़ाई से नजर रख रही है । फेक न्यूज के तहत अब तक 871 मामलों को संज्ञान में लेते हुए कार्रवाई की गई है । 11 मई को कुल 16 मामले जिनमें ट्विटर के 11, फेसबुक के 6 मामले को संज्ञान में लिया गया तथा साइबर सेल को आवश्यक कार्रवाई के लिए प्रेषित कर दी गई है । अभी तक कुल 31 एफआईआर पंजीकृत कराई गई है । उन्होंने बताया कि प्रदेश के 475 हॉटस्पॉट क्षेत्र के 311 थानान्तर्गत 8092016 मकान चिन्हित किए गए । इनमें 4992793 लोगों को चिन्हित किया गया है । इन हॉटस्पॉट क्षेत्रों में कोरोना पॉजिटिव पाये गये लोगों की संख्या 2086 है।

कोरोना संक्रमित मरीजों के आंकड़े छिपा रही है सरकार

● सरकार का आगरा मॉडल हुआ ध्वस्त, मेरठ व कानपुर भी उसी राह पर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने कहा कि कोरोना संक्रमित मामलों के आंकडे एक तरफ जहां अन्य राज्यों के मुकाबले तेज रफ्तार से बढ़ रहे हैं वहीं योगी सरकार का तथाकथित आगरा मॉडल ध्वस्त हो चुका है। प्रदेश में अभी तक 3467 कोरोना मरीजों में अकेले आगरा से 756 केस है।

लल्लू ने कहा कि प्रदेश सरकार और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कोरोना महामारी से निपटने के लिए देश में आगरा मॉडल पेश किया था, जिसे खूब प्रचारित भी किया। जबकि हकीकत में कोरोना से ताजनगरी आगरा शहर सबसे अधिक प्रभावित हुआ है। उन्होंने कहा कि मैंने आगरा में प्रदेश सरकार के झूठ को उजागर किया और आगरा को बचाने को कहा, तब सरकार होश में आयी। आगरा में महामारी बेकाबू हो गयी है। प्रदेश के दूसरे प्रमुख शहर मेरठ और कानपुर भी कोरोना महामारी से सर्वाधिक चपेट में है। डॉक्टरों और वैज्ञानिकों पर सरकारी अधिकारियों के दबाव से महामारी की हकीकत को छिपाया जा रहा हैए जिसका परिणाम प्रदेश की निर्दोष आम जनता को भुगतना होगा। लल्लू ने कहा कि संचार माध्यमों से यह खबर पुख्ता हुई है कि सरकार पुलिस के दम पर कोरोना महामारी में मर रहे लोगों का आंकड़ा छुपा रही है। पूरे प्रदेश में टेस्टिंग का आंकड़ा बहुत ही कम है।

कोविड-19 को लेकर उच्च एवं तकनीकी शिक्षा पर चर्चा आज जुटेंगे देश-विदेश के विशेषज्ञ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय द्वारा मंगलवार को विवि के कुलपति प्रो विनय कुमार पाठक की अध्यक्षता में कोविड-19 उच्च एवं तकनीकी शिक्षा के नए आयाम विषय पर एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया जायेगा। वेबिनार का उद्घाटन प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदी बेन पटेल करेंगी। वेबिनार के आयोजन के उद्देश्य को लेकर विवि के मीडिया प्रभारी आशीष मिश्र के मुताबिक कोविड-19 महामारी के इस दौर में उच्च एवं तकनीकी शिक्षा को पटरी पर लाने के लिए वैश्विक स्तर पर नए आयामों पर चर्चा करना है। इस वेबिनार में प्रमुख सचिव प्राविधिक शिक्षा राधा एस चौहान उपस्थित रहेंगी। साथ ही देश एवं विश्व के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों के कुलपति, निदेशक एवं आचार्य प्रतिभाग करेंगे। वेबिनार में प्रदेश के लगभग 13 विश्वविद्यालयों के कुलपति, लगभग सौ सम्बद्ध संस्थानों के चेयरमैनए एक सौ पचास से अधिक सम्बद्ध संस्थानों के निदेशक एवं लगभग दो सौ आचार्य वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़ेंगे।

स्वयंसेवकों की टोली ने कलाकृतियां बनाकर कोरोना से किया सावधान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ लखनऊ पूरब भाग के प्रचारक अमरजीत के नेतृत्व में महाविद्यालयी विद्यार्थी प्रमुखों के स्वंगसेवको की टोली ने के साथ राजधानी के कई चौराहा स्थित सड़क पर पेंट के द्वारा कलाकृतियां बनाई। सरदार पटेल नगर आरएसएस सम्पर्क प्रमुख राजेश सिंह ने बताया कि आरएसएस के इन स्वयंसेवकों द्वारा कलाकृतियों के माध्यम से आम लोगों को कोरोना से बचाव व सुझाव आदि देने का प्रयास किया जा रहा है। श्री सिंह ने बताया है कि इसी क्रम में सोमवार को फैजाबाद रोड स्थित पॉलिटेक्निक चौराहे पर कलाकृतियों के माध्यम से लोगो को कोरोना के बारे में समझाने का प्रयत्न किया गया। इस मौके पर संपर्क प्रमुख राजेश ने बताया कि करोना संक्रमण के दौरान पीड़ितों की मदद करने के आर एस एस के स्वयंसेवक जी.जान से जुटे हुए हैं। उन्होंने बतायाा कि स्वयंसेवक गरीब मजदूरों को भोजन कराने के साथ ही क्षेत्रो में सफाई अभियान भी चला रहे हैं।

तीन पहिए की गाड़ी पर गृहस्थी लादकर मुंबई से घर लौट रहे हजारों ऑटो रिक्शा चालक

भाषा। इंदौर (मध्यप्रदेश)

कोरोना वायरस के प्रकोप के मद्देनजर देश भर में लागू लॉकडाउन के बीच मुंबई के हजारों ऑटो रिक्शा चालकों ने रोजी-रोटी के संकट के चलते अपने मूल निवास स्थानों को लौटने का सिलसिला तेज कर दिया है। ज्यादातर तिपहिया वाहन चालक मुंबई से आगरा को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग-तीन का इस्तेमाल करते हुए मध्यप्रदेश से होकर गुजर रहे हैं। लम्बी दूरी के इस मुश्किल सफर में इंदौर भी मुंबई के ऑटो रिक्शा वालों के बड़े पलायन का गवाह बन रहा है। मध्यप्रदेश के इस प्रमुख शहर के बायपास रोड पर काले और पीले रंग वाली तिपहिया गाड़ियों में सैकड़ों चालकों को अपने परिवार के बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को भी साथ ले जाते हर रोज देखा सकता है।

इंदौर बायपास रोड पर एक सामाजिक संस्था की तरफ से चलाई जा रही भोजनशाला से पूरी और सब्जी ले रहे बालेश्वर यादव (54) अपने तिपहिया वाहन से झारखंड के हजारीबाग जिले स्थित गांव लौट रहे हैं। इस तिपहिया वाहन में दो महिलाओं और तीन बच्चों समेत आठ लोग सवार हैं। यादव ने सोमवार को बताया, "मैं मुंबई में पिछले 12 साल से ऑटो रिक्शा चला रहा हूं। लेकिन कोरोना वायरस के प्रकोप के चलते पिछले कई दिनों से वहां सब बंद है। मैंने करीब दो महीने तक अपनी जमा-पूंजी से गुजारा किया। लेकिन अब पैसा खत्म हो गया है और गांव लौटने के अलावा मेरे पास कोई चारा नहीं है।

यादव इस सवाल पर कुछ पल तक शून्य में ताकने लगते हैं कि वह मुंबई कब लौट सकेंगे? फिर अपने तिपहिया वाहन की ओर इशारा करते हुए जवाब देते हैं, छह महीने लगें या साल भर, मुंबई तो एक न एक दिन लौटना ही पड़ेगा क्योंकि यह गाड़ी मैंने बैंक से कर्ज लेकर खरीदी है और इसकी किश्तें अभी चुकानी बाकी हैं। उन्होंने कहा, मुंबई में हालात सामान्य होने तक मैं अपने गांव में मवेशी पालूंगा और खेती करूंगा।

उत्तरप्रदेश के जौनपुर जिले के रहने वाले अजय यादव (36) ने बताया कि वह पिछले चार साल से मुंबई के गोरेगांव (वेस्ट) में ऑटो रिक्शा चला रहे थे। यादव दो दिन पहले मुंबई से अपने मूल निवास स्थान के लिए दो दोस्तों के साथ निकले थे। भोजन के लिए इंदौर बायपास रोड पर रुके तिपहिया चालक ने बताया, काम-धंधा ठप होने से हमें मुंबई में भोजन की समस्या हो रही थी। हम जल्द से जल्द अपने गांव लौटना चाहते हैं और मुंबई वापसी के बारे में बाद में सोचेंगे। इंदौर बायपास रोड पर एक सामाजिक संस्था की ओर से चलाई जा रही भोजनशाला में काम कर रहे स्वयंसेवक राजकुमार पटेल ने बताया, "हर घंटे करीब 50 ऑटो रिक्शा इस सड़क से गुजर रहे हैं। इनमें से अधिकांश मुंबई में चलने वाले ही हैं।

मध्यप्रदेश की यातायात पुलिस के उपाधीक्षक (डीएसपी) उमाकांत चौधरी पिछले कई दिनों से इंदौर बायपास रोड पर वाहनों की जांच कर रहे हैं। कोरोना वायरस के प्रकोप के मद्देनजर पड़ोसी महाराष्ट्र से मध्यप्रदेश में प्रवेश करने वाले हर ऑटो रिक्शा में बैठे लोगों की जांच के बाद ही उन्हें आगे बढ़ने दिया जा रहा है। हम पिछले एक सप्ताह से इंदौर बायपास रोड पर मुंबई के ऑटो रिक्शा की काफी बड़ी तादाद देख रहे हैं। इनमें ऑटो रिक्शा वालों के परिवार भी सवार दिखाई देते हैं। हालांकि, हमें यह सूचना भी मिली है कि कई ऑटो रिक्शा चालक किराया लेकर लोगों खासकर उत्तरप्रदेश और बिहार के लोगों को उनके मूल निवास स्थानों तक छोड़ रहे हैं।

बीवर में लॉकडाउन में पीने का पानी भरने के लिए लगी भीड़

राज्यों के श्रम कानूनों में संशोधन की मंजूरी नही दे केंद्र सरकारः कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने कई प्रदेशों की भाजपा सरकारों पर श्रम कानूनों में बदलाव के जरिए मजदूरों का शोषण करने का आरोप लगाते हुए सोमवार को कहा कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार को राज्यों में श्रमिकों के हितों की रक्षा करने वाले कानूनों में बदलाव की मंजूरी नहीं देनी चाहिए। पार्टी प्रवक्ता शक्ति सिंह गोहिल ने सरकार से यह आग्रह भी किया कि श्रमिकों से जुड़ा कदम उठाने से पहले श्रमिक संगठनों के साथ विचार-विमर्श किया जाए। उन्होंने वीडियो लिंक के जरिए संवाददाताओं से कहा, जब पूरा देश कोविड-19 की महामारी से जूझ रहा है तो पहले से ही मुसीबतों के बोझ तले दबे गरीब मजदूरों को राहत देने के बजाय भाजपा सरकारें कोरोना संकट की आड़ में उन्हें उनके ही अधिकारों से वंचित कर रही हैं।

उन्होंने दावा किया कि उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार ने तीन सालों के लिए सभी श्रम कानूनों को निलंबित कर दिया है, जिससे गरीबों के प्रति भाजपा सरकार की संवेदनहीनता तथा हमारी पूर्व सरकारों व संविधान द्वारा गरीब मजदूरों को दिए गए अधिकारों से उन्हें वंचित करने की मानसिकता स्पष्ट हो जाती है।

गोहिल ने कहा, उत्तर प्रदेश की तरह निर्णय मध्य प्रदेश की सरकार ने भी किया। गुजरात सरकार ने कहा है कि 1200 दिनों तक श्रम कानूनों का पालन नहीं होगा। इसका मतलब कि 1200 दिनों तक मजदूरों का शोषण होगा। कांग्रेस नेता ने कहा, श्रमिकों से जुड़े कानून संविधान की समवर्ती सूची में हैं, इसलिए इन्हें बदलाव किए जाने का निर्णय केंद्र सरकार की अनुमति के बिना नहीं लिया जा सकता। इसलिए हम मोदी सरकार से मांग करते हैं कि वो इन कानूनों में बदलाव करने के लिए अपनी अनुमति न दें, जिनसे मजदूरों के अधिकार उनसे छीन लिए जाएंगे और उनकी आजीविका पर बुरा असर पड़ेगा।

कोरोनाः 400 करोड़ रुपए के नुकसान के बावजूद टीटीडी को कर्मचारियों का पूरा वेतन देने का भरोसा

तिरूपति। श्री वेंकटेश्वर मंदिर का संचालन और देखरेख करने वाले तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने 400 करोड़ रुपए के राजस्व नुकसान के बावजूद अपने लगभग 23,000 कर्मचारियों के वास्ते वेतन कटौती को लागू नहीं किया है और उसे अगले दो से तीन महीनों के लिए पूरे वेतन का भुगतान करने का भरोसा है। एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। टीटीडी के अध्यक्ष वाई वी सुब्बा रेड्डी ने कहा कि कोरोना वायरस से निपटने के लिए केन्द्र द्वारा 24 मार्च को लगाए गए लॉकडाउन के बाद हर महीने 200 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि टीटीडी ने एहतियात के तौर पर 20 मार्च से ही मंदिर में प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया था। रेड्डी ने पीटीआई-भाषा से कहा, गंभीर आर्थिक संकट के बाजवूद टीटीडी अपने सभी स्थाई कर्मचारियों और अन्य कर्मियों, और पेंशनधारियों को अगले दो या तीन महीनों के लिए (पूर्ण) वेतन का भुगतान करने की स्थिति में होगा। मंदिर के एक अधिकारी ने कहा कि टीटीडी बोर्ड को आय के वैकल्पिक स्रोतों से अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने की उम्मीद है, जैसे कि सावधि जमा (एफडी) जिसमें 700 करोड़ रुपए का वार्षिक ब्याज मिलता है। विभिन्न राष्ट्रीयकृत बैंकों में एफडी में 12,000 करोड़ रुपए है। अधिकारी ने बताया कि मंदिर में हर साल लगभग 2.5 करोड़ श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं।

जम्मू कश्मीर में स्वस्थ हो चुके मरीज जूझ रहे है सामाजिक भेदभाव से

श्रीनगर। कोरोना वायरस का प्रभावी ढंग से मुकाबला कर रहे जम्मू कश्मीर में इससे स्वस्थ होने की दर 45 प्रतिशत है लेकिन इस महामारी से मुक्त घोषित किए गए मरीज अब भेदभाव से जूझ रहे हैं और कुछ मामलों में तो उन्हें समाज का बहिष्कार भी झेलना पड़ रहा है। जम्मू कश्मीर में कोरोना वायरस के 861 मामले सामने आए है जिनमें से 383 मरीज स्वस्थ हो गए है जो देशभर के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के बीच, प्रतिशत के मामले में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वालों में शामिल है।

हालांकि चिकित्सकों द्वारा कोविड-19 से मुक्त घोषित किए गए मरीजों को कठिन समय का सामना करना पड़ रहा है। स्वस्थ हुए मरीजों में से एक ने कहा कि वह अपने दांत दर्द के इलाज के लिए दंत चिकित्सक के पास गया था लेकिन चिकित्सक ने उसे देखने से इनकार कर दिया। इस मरीज को स्वस्थ होने के बाद यहां एक अस्पताल से छुट्टी दी गई थी। उन्होंने कहा, पिछले कुछ दिन से मुझे दांत में दर्द हो रहा था। मुझे नहीं पता कि मैं दंत चिकित्सक को कैसे विश्वास दिलाऊं कि मैं कोविड-19 से संक्रमित नहीं हूं।

एक अन्य मरीज ने कहा कि उसे स्वास्थ्य अधिकारियों से कुछ दस्तावेजी प्रमाण की आवश्यकता हो सकती है जो यह प्रमाणित करे कि वह इस वायरस से मुक्त है। उन्होंने कहा, मैंने हाल ही में एक गैस सिलेंडर खरीदा है। जैसे ही उस लड़के को पता चला कि मैं पहले कोविड-19 से संक्रमित था, उसने कई मूर्खतापूर्ण सवाल पूछे। उसने यह भी पूछा कि क्या वह उन नोटों को छू सकता है जो मैंने उसे दिए थे। कोरोना से स्वस्थ हुए एक अन्य मरीज ने कहा कि एक निजी दूरसंचार कंपनी के अधिकारियों ने उसके घर पर ब्रॉडबैंड इंटरनेट कनेक्शन लगाने से इनकार कर दिया। इस तरह की घटनाओं ने कोरोना वायरस से स्वस्थ हुए मरीजों को हताश कर दिया है क्योंकि वे अपनी नियमित गतिविधियों को पूरा नहीं कर पा रहे है। इन घटनाओं पर डलगेट में कोविड-19 अस्पताल से जुड़े डा. नवीद नजीर शाह ने इस वायरस से स्वस्थ हो चुके लोगों से भेदभाव नहीं किए जाने की अपील की। शाह ने एक ट्वीट में कहा, दुर्भाग्यपूर्ण है कि स्वस्थ हो चुके रोगियों से समाज द्वारा भेदभाव किया जा रहा है और बुनियादी सुविधाओं से वंचित किया गया है। कृपया उन्हें सामान्य मानें।

राष्ट्रपति ने वैज्ञानिकों व तकनीकविदों का शुक्रिया अदा किया

नई दिल्ली। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने सोमवार को कोविड-19 महामारी के खिलाफ लड़ाई में अग्रिम मोर्चे पर काम कर रहे वैज्ञानिकों और तकनीकविदों की प्रशंसा की। सभी देश का मान बढ़ा रहे हैं और आत्मनिर्भर बना रहे हैं। राष्ट्रपति ने देशवासियों को राष्ट्रीय प्रद्योगिकी दिवस पर बधाई दी है। प्रौद्योगिकी दिवस राजस्थान के पोखरण में 1998 में परमाणु परीक्षण की वर्षगांठ के अवसर पर मनाया जाता है। राष्ट्रपति ने ट्वीट किया, हम प्रगति के लिए विज्ञान और तकनीक को महत्वपूर्ण औजार के तौर पर देखते हैं। हमारे वैज्ञानिक और तकनीकविद कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई में अग्रिम मोर्चे पर काम कर रहे हैं और देश का मान बढ़ा रहे हैं। इस अवसर पर हम देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए वैज्ञानिक समदुाय के अतुलनीय योगदान का उत्सव मनाते हैं।

जम्मू में 100 ग्राम हेरोइन के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

जम्मू। जम्मू शहर में सोमवार को पुलिस ने हेरोइन बरामद कर मादक द्रव्यों की कथित रूप से तस्करी करने वाले दो लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि जानीपुर की एक पुलिस टीम अपर पलौरा में गश्त पर थी तभी उन्हें सड़क के किनारे खड़ी एक गाड़ी नजर आई। अधिकारियों ने कहा कि वाहन की तलाशी के दौरान उसमें बैठे दो व्यक्तियों के कब्जे से 100 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। उनकी पहचान अब्दुल मजीद और यासिर मोहम्मद के रूप में की गई। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ एक मामला दर्ज कर लिया है।

आईटीबीपी ने लद्दाख में आवश्यक सामग्रियों की ढुलाई कर रहे 900 ट्रकों को सुरक्षा प्रदान की

नई दिल्ली। केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख में पिछले तीन हफ्तों में आवश्यक वस्तुओं और ईंधन की आपूर्ति करने वाले 900 से अधिक ट्रकों को आईटीबीपी के संरक्षण में जोजिला की बर्फीली पहाड़ियों से करगिल तक ले जाया गया है। अर्धसैनिक बल ने श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग पर 100 किलोमीटर लंबी यात्रा के दौरान काफिले की आवाजाही को सुगम बनाने के लिए उत्तर-पश्चिम सीमा से अपने जवानों की एक विशेष टीम तैनात की है। आईटीबीपी के प्रवक्ता विवेक कुमार पांडे ने कहा, "बल जोजिला से करगिल तक पिछले तीन हफ्तों में 900 से अधिक ट्रकों को सुरक्षा प्रदान कर चुका है" उन्होंने कहा कि भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) को लद्दाख के दूर-दराज के क्षेत्रों में निवासियों के लिए लॉकडाउन के दौरान आवश्यक सामान और ईंधन के टैंकर ले जाने वाले ट्रकों को सुरक्षा प्रदान करने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है।

कोरोना संकट मजदूरों के शोषण और उनकी आवाज दबाने का बहाना नहीं हो सकता : राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कई राज्यों में श्रम कानूनों में संशोधन किए जाने की आलोचना करते हुए सोमवार को कहा कि कोरोना संकट श्रमिकों के शोषण और उनकी आवाज दबाने का बहाना नहीं हो सकता। उन्होंने ट्वीट किया, अनेक राज्यों द्वारा श्रम कानूनों में संशोधन किया जा रहा है। हम कोरोना के खिलाफ मिलकर संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन यह मानवाधिकारों को रौंदने, असुरक्षित कार्यस्थलों की अनुमति, श्रमिकों के शोषण और उनकी आवाज दबाने का बहाना नहीं हो सकता। कांग्रेस ने कहा कि इन मूलभूत सिद्धांतों पर कोई समझौता नहीं हो सकता। कई राज्यों ने अपने यहां श्रमिकों के लिए कामकाज के घंटे को आठ घंटे से बढ़ाकर 12 घंटे कर दिया है। कांग्रेस के नेता पिछले कई दिनों से श्रम कानूनों में बदलाव का विरोध कर रहे हैं।

सीआरपीएफ का जवान शहीद

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सोमवार को नक्सलियों के साथ हुई मुठभेड़ में सीआरपीएफ का एक जवान शहीद हो गया। अधिकारियों ने बताया कि केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और जिला रिजर्व गार्ड की टीम तलाश अभियान में जुटी थी, उसी दौरान अपराह्न करीब दो बजे उरीपाल के जंगलों में यह मुठभेड़ हुई। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ में सीआरपीएफ की 170वीं बटालियन के कांस्टेबल मन्ना कुमार (32) शहीद हो गए। वह झारखंड के साहिबगंज जिले के रहने वाले थे।

जम्मू में रेड जोन में प्रवेश के दौरान लोगों को रोकते सुरक्षाकर्मी

मणिपुर में बीएसएफ जवान ने दूसरे पर गोली चलाई, एक की मौत

नई दिल्ली। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले के एक शिविर में तैनात सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक कर्मी ने सोमवार को दूसरे कर्मी पर गोली चला दी और फिर खुद को भी गोली मार ली। इस घटना में एक कर्मी की मौत हो गई जबकि दूसरा घायल हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिले में स्थित बल के सहायक प्रशिक्षण केंद्र (एसटीसी) में तैनात बीएसएफ के हेड कांस्टेबल ने सुबह करीब 10 बजे अपनी सर्विस राइफल से कांस्टेबल स्तर के एक दूसरे जवान पर गोली चला दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बाद में हेड कांस्टेबल ने खुद को भी गोली मार ली। इस घटना में हेड कांस्टेबल की मौत हो गई जबकि कांस्टेबल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दोनों कर्मी एसटीसी के निदेशक की सुरक्षा व्यवस्था का हिस्सा थे, जो महानिरीक्षक स्तर के अधिकारी होते हैं। मणिपुर में भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा के लिए बीएसएफ की तैनाती है।

भाजपा ने ममता बनर्जी पर प्रहार किया

नई दिल्ली। भाजपा ने सोमवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर आरोप लगाया कि वह वास्तविक आंकड़ों को छुपाकर राज्य में कोरोना वायरस के कारण उत्पन्न हालात के बारे में लोगों को गुमराह कर रही हैं। भाजपा के महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने कहा, पश्चिम बंगाल में जब कोविड-19 का प्रकोप था तो आप कहां छिपी थीं ममता जी? आपके राज्य के लोग जानना चाहते हैं कि आप कहां हैं और आप क्या कर रही हैं? राज्य के लोग और बाहर रह रहे बंगाली मजदूर आपसे सहयोग मांग रहे हैं। पूर्वी राज्य के पार्टी मामलों के प्रभारी विजयवर्गीय ने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष ने कोरोना वायरस के रोगियों की वास्तविक संख्या छुपाई और लोगों को गुमराह किया।

बंद के दौरान पश्चिम बंगाल में घरेलू हिंसा के मामले बढ़ेः महिला आयोग

कोलकाता। कोरोना वायरस महामारी के दौरान लागू देशव्यापी बंद के दौरान पश्चिम बंगाल में घरेलू हिंसा के मामलों में बढ़ोतरी हुई है। राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष लीना गंगोपाध्याय ने कहा कि कई महिलाएं सामान्य समय में भी घरेलू हिंसा, मौखिक और शारीरिक प्रताड़ना का शिकार होती रही हैं लेकिन बंद के दौरान स्थिति और भी खराब हो गई है। गंगोपाध्याय ने पीटीआई-भाषा से कहा, अप्रैल से महिलाओं के खिलाफ घरेलू हिंसा के मामले बढ़े हैं और मई में भी यह जारी है। कई ऐसे मामले हैं जिनमें बंद से पहले की घटनाएं दोहराई गई हैं। उन्होंने कहा कि बंद लागू होने के बाद से आयोग के पास 70 मामले आए हैं। कोलकाता समेत राज्य के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों से ए मामले सामने आए हैं।

उन्होंने बताया कि कई ताजा मामले हैं जबकि कई ऐसे मामले हैं जिनमें शिकायतकर्ता पहले भी प्रताड़ना और मानसिक उत्पीड़न का शिकार हो चुकी हैं लेकिन बंद के दौरान फिर से वही चीजें उनके साथ होने लगी। घरेलू हिंसा का सामना कर रहीं इनमें से ज्यादातर महिलाएं गृहिणी हैं। उन्होंने कहा कि बंद की अवधि में उनके पास आई शिकायतें बंद लागू होने से पहले के मुकाबले कहीं ज्यादा हैं। ए शिकायतें फोन, व्हाट्सएप और ईमेल के जरिए आई हैं।

गंगोपाध्याय ने कहा कि आयोग इन शिकायतों पर सोमवार से कार्वाई शुरू करेगा और पीड़ित महिलाओं को फोन पर जरूरी सलाह मुहैया कराएगा। उन्होंने कहा, कई ऐसे मामले हैं जिनमें महिलाओं की पड़ोसियों ने हमें पीड़ित के बारे में बताया लेकिन जब हम पहुंचे तो वह शिकायत करने से डर रही थीं। हमने ऐसी महिलाओं से कहा कि जब उन्हें ठीक लगे तब वह हमसे संपर्क कर सकती हैं।

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के स्वास्थ्य के लिए चिंतित हूं : देवेगौड़ा

बेंगलुरू। जनता दल (एस) के संरक्षक एच डी देवेगौड़ा ने सोमवार को पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के स्वास्थ्य के प्रति गहरी चिंता जताई और कहा कि संकट के इस दौर में देश को उनके मार्गदर्शन की जरूरत है। जून 1996 से अप्रैल 1997 तक प्रधानमंत्री रह चुके देवेगौड़ा ने ट्वीट किया, पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह के स्वास्थ्य के प्रति मुझे गहरी चिंता है। मैं उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। सिंह की हालत स्थिर है। 87 साल के कांग्रेस नेता को बेचैनी की शिकायत के बाद रविवार की शाम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। कांग्रेस की राज्य इकाई के विभिन्न नेताओं ने उनके जल्दी स्वस्थ होने की कामना की। पूर्व मुख्यमंत्री एवं विस में विपक्ष के नेता सिद्धरमैया ने ट्वीट किया, कांग्रेस नेता एवं पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को सीने में दर्द की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराए जाने की खबरें हैं।

पड़ोसी राज्यों के लोगों को गोवा में अवैध तरीके से न लाएं स्थानीय निवासी : सावंत

पणजी। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने सोमवार को कहा कि कुछ स्थानीय लोग कोविड-19 को फैलने से रोकने के लिए जारी दिशा निर्देशों का उल्लंघन कर पड़ोसी राज्यों के लोगों को अवैध रूप से राज्य में लाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसे लोगों के विरुद्ध कड़ी कार्वाई की जाएगी। सावंत ने एक वीडियो संदेश जारी कर कहा कि राज्य में आने वाले लोगों की कोविड-19 की जांच किए जाने की जरूरत है और निर्देशों के अनुसार उन्हें पृथक-वास में रहना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा, हमें ज्ञात हुआ है कि गोवा के कुछ लोग पड़ोसी राज्यों के लोगों को वैकल्पिक मार्ग से अवैध रूप से राज्य में ला रहे हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत यह दंडनीय अपराध है। इस प्रकार की अवैध गतिविधियों में लिप्त लोगों के विरुद्ध राज्य सरकार कड़ी कार्वाई करेगी। गोवा में वर्तमान में कोविड-19 का एक भी मरीज नहीं है इसलिए राज्य को ग्रीन जोन घोषित किया गया है। सावंत ने बताया कि विदेश में फंसे गोवा के दो हजार निवासी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद राज्य में लौट आए हैं।

सड़क परिवहन और विमानन सेवा की भी शुरुआत होः चिदंबरम

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने कुछ चुनिंदा स्थानों के लिए यात्री रेल सेवा बहाल किए जाने के सरकार के फैसले का स्वागत करते हुए सोमवार को कहा कि देश में आर्थिक गतिविधियों को फिर से आंरभ करने के लिए अब सड़क परिवहन और विमानन सेवा की भी सीमित स्तर पर शुरुआत होनी चाहिए। पूर्व वित्त मंत्री ने ट्वीट किया, हम यात्री ट्रेनों का परिचालन सावधानीपूर्वक शुरू करने के सरकार के फैसले का स्वागत करते हैं। इसी तरह सड़क परिहवन और विमानन सेवा की सीमित स्तर पर शुरुआत होनी चाहिए। आर्थिक एवं वाणिज्यिक गतिविधियों को प्रभावी रूप से शुरू करने का यही एक रास्ता है कि सड़क, रेल और विमानन सेवाओं को खोला जाए।

बीरभूम में लॉकडाउन के दौरान खुद के द्वारा बनायी गई गाड़ी में झारखण्ड अपनी पैतृक जगह जाते हुए मजदूर

रक्षा मंत्रालय भारत के सभी शत्रुओं से निपटने को तैयार है: राजनाथ

भाषा। नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि उनका मंत्रालय सीमाओं पर दिखाई देने वाले या कोरोना वायरस जैसे अदृश्य शत्रुओं, सभी को नष्ट करने के लिए प्रतिबद्ध है। सिंह ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के मौके पर आयोजित एक ऑनलाइन कांफ्रेंस में कहा कि भारत को सैन्य निर्माण क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनना चाहिए और सरकार एक नीतिगत खाका लाकर घरेलू रक्षा उद्योग का समर्थन कर रही है।

उन्होंने कहा, मैं अपने देशवासियों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि रक्षा मंत्रालय देश के सभी दुश्मनों को नष्ट करने के लिए प्रतिबद्ध है-चाहे वे सीमाओं पर दिखाई देने वाले शत्रु हों या कोरोना वायरस जैसे अदृश्य शत्रु। रक्षा मंत्री ने कहा, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने कोविड-19 से मुकाबले के लिए अपने निरंतर प्रयासों के जरिए पिछले तीन से चार महीने में बायो-सूट, सैनिटाइजर डिस्पेंसर, पीपीई किट जैसे 50 से अधिक उत्पाद विकसित किए हैं। सिंह ने कहा, हमारे रक्षा उद्योग की अटूट भावना ने रिकॉर्ड समय में इन उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों के बड़े पैमाने पर उत्पादन करने का अवसर बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने नए लक्ष्य तय किए हैं और रक्षा उत्पादन में स्वदेशीकरण हासिल करने के लिए सही नीति खाका तैयार की है। उन्होंने कहा,

हमें हमेशा यह ध्यान रखना है कि स्वदेशी तकनीक और स्वदेशी निर्माण का कोई विकल्प नहीं है। हम वास्तव में तभी आत्मनिर्भर होंगे जब भारत प्रौद्योगिकी के आयातकर्ता के बजाय निर्यातक बनने में सफल होगा। सिंह ने कहा, हमारी यात्रा लंबी है, लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि हमने इस पर काम किया है। हम भारत को रक्षा उपकरणों के विनिर्माण राष्ट्र के रूप में स्थापित करने के लिए लगातार काम करेंगे।

कोरोना वायरस के खतरे के बावजूद बीआरओ ने राजदान, व जोजिला दर्रे समय से पहले खोले

भाषा। श्रीनगर/जम्मू

सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने श्रीनगर-लेह राजमार्ग पर ज़ोजिला और बांदीपोरा-गुरेज़ राजमार्ग पर राज़दान दर्रे इस साल समय से पहले ही यातायात के लिए फिर से खोल दिए। यह काम दुनियाभर में कोविड-19 महामारी के खतरे के बावजूद समय से पहले कर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि 86 किलोमीटर लंबा बांदीपुरा-गुरेज़ मार्ग चार महीने बंद रहने के बाद यातायात के लिए खोला गया। यह राज़दान दर्रे पर भारी बर्फबारी के बाद बंद हो गया था। राज़दान दर्रा समुद्र तल से 11,560 फुट ऊपर है। इसे पिछले साल की तुलना में इस करीब एक महीने पहले यानी 17 अप्रैल को खोला गया।

उन्होंने बताया कि इसी तरह से श्रीनगर-ज़ोजिला-लेह मार्ग को चार महीने के बंद रहने के बाद मार्च में फिर से खोल दिया गया, जबकि पिछले साल इसे अप्रैल के अंत में खोला गया था। अधिकारियों ने बताया कि इन दर्रों पर पिछले साल भारी बर्फबारी के बावजूद, सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के प्रोजेक्ट बीकन के तहत गगनगीर से जीरो प्वाइंट तक बर्फ हटाने का अभियान चलाया गया। लेह की ओर यातायात शुरू करने के लिए ऐसा ही प्रोजेक्ट विजक के जरिए द्रास से ज़ीरो प्वाइंट की ओर किया गया। प्रोजेक्ट बीकन के मुख्य अभियंता ब्रिगेडियर रवि नवेत ने कहा कि बीआरओ ने ऊंचाई पर स्थित इन दोनों दर्रों पर से बर्फ हटाने का काम काफी अच्छे तरीके से किया। उन्होंने बताया, बर्फ हटाने वाली टीमों ने अपना अभियान एक महीने पहले ही शुरू कर दिया। उन्हें कंपकपा देने वाली ठंड और सर्द हवाओं का सामना करना पड़ा। इससे भी ज्यादा उन्हें हिमस्खलन का भी सामना करना पड़ा, जो ऊंचाई पर स्थित दर्रों पर हमारे जवानों की जिंदगी के लिए बड़ा खतरा था।

पटना में तमिलनाडु से एक विशेष ट्रेन द्वारा दानापुर स्टेशन पर पहुंचे मरीज को ले जाता रिश्तेदार

क्विक न्यूज

लॉकडाउन में नियमों की अवहेलना पर सवा लाख से अधिक वाहन जब्त

जयपुर। राजस्थान पुलिस ने लॉकडाउन के नियमों की अवहेलना करके अकारण घूमते पाए गए लोगो के दो लाख 84 हजार वाहनो का एमवी (मोटर व्हीकल) एक्ट के तहत चालान करके। लाख 28 हजार वाहनों को जब्त करके 5 करोड़ रुपए से अधिक जुर्माना वसूला है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (अपराध) बी एल सोनी ने बताया कि प्रदेश में करीब 14 हजार 400 लोगो को सीआरपीसी के प्रावधानो के तहत शांति भंग के आरोप में गिरफ्तार किया गया। लॉकडाउन के नियमों के उल्लंघन के करीब 2700 मुकदमे दर्ज करके 5 हजार 600 से अधिक व्यक्तियों के खिलाफ आपदा प्रबंधन, महामारी अधिनियम व आईपीसी की धाराओं में कार्वाई की गई है। उन्होने बताया कि कोरोना योद्धाओं पर हमले के मामले में 409 लोगो को संगीन धाराओं में गिरफ्तार करके जेल भेजा गया।

धारावी में कोविड-19 के 57 नए मामले आए, कुल 916 रोगी हुए

मुंबई। मुंबई के धारावी इलाके में सोमवार को कोविड-19 के 57 नए मामले सामने आए जिसके बाद इस झुग्गी-बस्ती में कुल रोगियों की संख्या 916 हो गई है। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। एशिया की सबसे बड़ी झुग्गी बस्ती माने जाने वाली धारावी में अब तक कोरोना वायरस से 29 लोगों की मौत हो चुकी है। अधिकारी ने कहा, 90-फुट रोड, अबू बकर चाल, धारावी क्रॉस रोड, पीवी चाल, धोबी घाट, गौतम चाल, मुस्लिम नगर, शास्त्री नगर, कुट्टीवाड़ी और कुछ अन्य इलाकों में नए मामले आए हैं।

ओडिशा में संक्रमण मुक्त हुए 17 लोग, अब तक कुल 85 लोग ठीक हुए

भुवनेश्वर। ओडिशा में सोमवार को 17 लोग कोरोना वायरस संक्रमण से मुक्त हो गए और इसी के साथ राज्य में उपचार के बाद ठीक होने वालों की संख्या बढ़ कर 85 हो गई है। स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होने बताया कि सुंदरगढ़ जिले से सात लोग, भुवनेश्वर से पांच लोग, भद्रक से तीन और बालासोर जिले से दो लोग ठीक हुए है। उन्होने बताया कि पिछले 24 घंटे में उनकी रिपोर्ट दो बार ठीक आई।

महाराष्ट्र: प्रवासी मजदूरों के लिए मध्यप्रदेश और गुजरात की सीमाओं तक मुफ्त बस सेवा

भाषा। मुम्बई

महाराष्ट्र सरकार ने कोरोना वायरस लॉकडाउन के बीच प्रवासी श्रमिकों के लिए मध्यप्रदेश और गुजरात की सीमाओं तक मुफ्त बस सेवाएं शुरू की है। राज्य परिवहन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को बताया कि प्रवासी मजदूरों द्वारा अपनी जान जोखिम में डालते हुए राजमार्गों एवं रेल मार्गों पर पैदल ही सफर पर निकल जाने को ध्यान में रखकर यह निर्णय लिया गया है। अधिकारी ने कहा कि शुक्रवार को औरंगाबाद जिले में मध्यप्रदेश के 16 प्रवासी श्रमिकों की मालगाड़ी से कटकर मर जाने की घटना राज्य सरकार के इस फैसले की मुख्य वजह है। उन्होंने बताया कि अगले दो दिनों में महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम की बसें गुजरात और मध्यप्रदेश की सीमाओं तक 300 फेरे लगाएंगी तथा यात्रियों के बीच एक दूसरे से दूरी बनाने के नियम के तहत उनमें आधी सीटें ही भरी जाएंगी। उन्होंने कहा, राज्य सरकार ने कहा है कि उसकी कई अपील के बावजूद प्रवासी श्रमिक रूके रहने के मूड में कत्तई नहीं हैं। औरंगाबाद में 16 मजदूरों की मौत के बाद राज्य सरकार ने प्रवासी श्रमिकों के लिए विशेष बसें चलाने का निर्णय लिया है।

अधिकारी ने बताया कि बसें मुम्बई के उपनगरीय क्षेत्र बोरिवली से चलेगी और गुजरात सीमा तक जाएगी तथा इसी तरह, उत्तर महाराष्ट्र में नासिक और धुले से रवाना होकर बसें मध्यप्रदेश सीमा तक जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रवासी श्रमिकों का भाड़ा का बोझ उठाएगी क्योंकि सरकार की प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि प्रवासी घर के लिए दुसाध्य यात्रा पर रवाना होकर तथा सड़क एवं राजमार्ग पर पैदल चलकर अपनी जान जोखिम में न डालें।

औरंगाबाद की घटना को लेकर मप्र कांग्रेस ने की रस्तोगी के निलंबन की मांग

भाषा। भोपाल

मध्य प्रदेश कांग्रेस की मीडिया इकाई के अध्यक्ष एवं प्रदेश के पूर्व मंत्री जीतू पटवारी ने राज्य में पदस्थ आईएएस अधिकारी दीपाली रस्तोगी पर काम में लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए सोमवार को कहा कि अगर वह महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले में मालगाड़ी की चपेट में आकर मारे गए 16 प्रवासी मजदूरों को वापस लाने की पहले ही अनुमति दे देतीं, तो आज वे सभी जिंदा होते। उन्होंने राज्य सरकार से रस्तोगी को निलंबित करने की मांग की।

पटवारी ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, कोविड19 को फैलने से रोकने के लिए लागू लॉकडाउन के कारण मध्य प्रदेश के मजदूर विभिन्न प्रदेशों में फंस गए थे। राज्य में अलगअलग आईएएस अधिकारियों को अलगअलग प्रदेशों से मध्य प्रदेश के इन प्रवासी मजदूरों को संबंधित राज्यों से समन्वय कर वापस प्रदेश में लाने की जिम्मेदारी दी गई थी। उन्होंने कहा, आईएएस अधिकारी दीपाली रस्तोगी महाराष्ट्र में फंसे प्रवासी मजदूरों को मध्य प्रदेश में लाने की समन्वय अधिकारी थीं। एक वीडियो से साफ पता चलता है कि वहां :महाराष्ट्र: काम करने वाले मजदूरों ने कहा कि हमने 15 दिन पहले महाराष्ट्र से मध्य प्रदेश आने के लिए आवेदन कर दिया था, पर हमें अनुमति नहीं मिली। इंदौर जिले की राऊ विधानसभा सीट से कांग्रेस विधायक पटवारी ने कहा, अगर अनुमति मिल जाती तो क्या वे लोग मरते? इसका दोषी कौन है? उन्होंने कहा, मैं मानता हूं कि संबंधित अधिकारी :दीपाली रस्तोगी: को इसी वक्त निलंबित किया जाना चाहिए। पटवारी ने एक सवाल के जवाब में कहा, यह मेरी खुद की परखी बात है। अलगअलग राज्यों से मजदूरों को मध्य प्रदेश लाने के लिए आईएएस अधिकारी नियुक्त किए गए। इसके लिए उन्हें संबंधित राज्य से समन्वय करने को कहा गया था। मैंने एक दिन अपने ऑफिस से सबको फोन लगाया। किसी ने भी फोन नहीं उठाया। इसका मतलब था कि व्यवस्था सही तरीके से काम नहीं कर रही थी। मध्य प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष पटवारी ने कहा, क्योंकि महाराष्ट्र में एक वीडियो आया जिसको मैंने भी ट्वीट किया और कई अन्य लोगों ने भी। टेलीविजन पर भी बताया गया। इसमें मजदूरों ने कहा कि हम 15 दिन पहले व्यवस्था के अनुसार आवेदन कर चुके थे, लेकिन अनुमति नहीं मिली। उस राज्य को दीप्ति रस्तोगी देख रहीं थी। अब 16 लोग मर गए। इन 16 लोगों की जान की कोई कीमत है या नहीं? उन्होंने कहा, औरंगाबाद मालगाड़ी हादसे में बचा एक व्यक्ति बोलता है कि हमने 15 दिन पहले आवेदन कर दिया था और आपने आज तक उस पर काम नहीं किया। 15 दिन बाद हादसे में 16 लोग मारे गए। इसकी जिम्मेदारी किसी की तो होगी ना। किसकी बननी चाहिए? पटवारी ने राज्य सरकार पर यह भी आरोप लगाया कि इन 16 लोगों के दाह संस्कार में शहडोल और उमरिया जिले में राज्य सरकार का एक भी प्रतिनिधि नहीं पहुंचा। इससे बड़ी इस सरकार की क्या असंवेदनशीलता हो सकती है। यह पूछे जाने पर कि 16 लोगों के मरने पर क्या रस्तोगी पर प्राथमिकी दर्ज होनी चाहिए, पटवारी ने कहा, मेरा यह मानना है कि प्राथमिकी तो रेलवे विभाग की होनी चाहिए। जिस तरह सब हुआ, कौन इन घटनाओं का जिम्मेदार है? इसकी जांच होनी चाहिए और फिर दोषियों को सजा मिलनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले में रेल पटरियों पर सो रहे 16 प्रवासी मजदूरों की शुक्रवार सुबह एक मालगाड़ी की चपेट में आने से मौत हो गई थी। ए मजदूर मध्य प्रदेश लौट रहे थे। वे रेल की पटरियों के किनारे चल रहे थे और थकान के कारण पटरियों पर ही सो गए थे। ए सभी महाराष्ट्र के जालना की एक स्टील फैक्टरी में काम करते थे और कोविड-19 लॉकडाउन के कारण बेरोजगार होने के बाद अपने घर शहडोल और उमरिया लौट रहे थे। दो दिन पहले 50 आईएएस अधिकारियों के तबादले को लेकर शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व वाली सरकार पर हमला करते हुए पटवारी ने कहा, जब कोविड19 को लेकर पूरा प्रदेश त्राहित्राहि कर रहा है, तब ए तबादला उद्योग में लगे हैं। इस सरकार में मध्य प्रदेश में तबादला उद्योग फल फूल रहा है।

पेज एक का शेष...

सबकी सुनी...

ने तेलंगाना की भांति पैसेंजर ट्रेनें चलाने का विरोध किया वहीं राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत ने कहा कि रेड जोन के लोगों को ग्रीन जोन में जाने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रेड जोन को छोड़कर शेष इलाकों में आर्थिक गतिविधियां शुरू करने की मांग की तो छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि आर्थिक गतिविधियां और रेड -ग्रीन एवं ऑरेंज जोन तय करने का अधिकार राज्यों को मिले। बघेल ने मनरेगा में 200 दिन की मजदूरी देने की भी मांग की। कोरोना संक्रमण से बुरी तरह प्रभावित गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने बड़ा जोखिम उठाते हुए लॉकडाउन हटाने का समर्थन किया। आर्थिक गतिविधियां शुरू करने की जरूरत पर बल देते रूपाणी ने कहा कि राज्य सरकार स्थिति को नियंत्रित कर लेगी। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एसवाई जगनमोहन रेड्डी ने कहा कि वैक्सीन बनने तक कोरोना संग जीना होगा। समन्वय जरूरी है। उद्धव ठाकरे व सोरेन समेत कई अन्य मुख्यमंत्रियों ने भी केंद्र सरकार से जीएसटी का पैसा मांगा।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने जीएसटी रिटर्न मांगते हुए कहा कि लॉकडाउन के बगैर आगे बढ़ना नामुमकिन होगा। उन्होंने जरूरी सेवाओं के लिए लोकल ट्रेन चलाने की भी मांग की जबकि तेलंगाना व तमिलनाडु के मुख्यमंत्रियों ने यह कहकर ट्रेनें चलाने का विरोध किया कि इससे संक्रमण और भी ज्यादा बढ़ेगा। तमिलनाडु के सीएम ने हवाई सेवा पर रोक जारी रखने की भी मांग की जबकि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि लॉकडाउन नहीं हटाना चाहिए।

यात्री गाड़ियां चलाने का विरोध करते नीतीश ने कहा कि बाहर से लोग आएंगे तो संकट और बढ़ेगा। पंजाब के सीएम अमरिंदर सिंह ने लॉकडाउन बढ़ाने की मांग करते हुए कहा कि जिदगी बचाने व जीवन चलाने की जरूरत है। उन्होंने टेस्ट के लिए राष्ट्रीय नीति बनाने की मांग की और कहा कि तीन महीने के लिए राज्यों को वित्तीय मदद दी जाए।

महाबैठक में प्रधानमंत्री का मुख्य जोर गांवों को कोरोना संक्रमण से मुक्त रखने पर था। लॉकडाउन में ढील के बाद इसे सबसे बड़ी चुनौती करार देते मोदी ने कहा कि सभी को हर हाल में यह सुनिश्चित करना होगा कि कोरोना गांवों तक न पहुंचने पाए। मोदी जहां राज्यों की तारीफ कर उनका हौसला बढ़ा रहे थे वहीं गृह मंत्री अमित शाह के तेवर जरा कड़े थे। उन्होंने राज्य सरकारों से दो टूक कहा कि केंद्र की गाइड लाइन लागू करने में लापरवाही हो रही है जिसके चलते श्रमिक सड़कों पर उतर पड़े हैं। शाह ने आरोग्य सेतु ऐप ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने की बात करते हुए कहा कि राज्यों का आपसी समन्वय जरूरी है।

पहला भाग अपराह्न तीन बजे शुरू होकर शाम छह बजे तक चला जिसमें प्रधानमंत्री मोदी ने राज्यों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि भारत काफी हद तक कोरोना महामारी के संकट से बचने में कामयाब हुआ है। पूरी दुनिया ने भारत के तौर तरीकों का लोहा माना है जिसमें राज्यों का योगदान सराहनीय है। हम सभी को उसी जोश के साथ आगे बढ़ना है। लॉकडाउन लागू करने में सबकी भूमिका अहम रही है। सरकार की तरफ से इस बात की कोशिश की गई कि जो जहां है वही रहे लेकिन मनुष्य का मन है लिहाजा कई फैसले बदलने भी पड़े।

दो गज की दूरी का मंत्र दोहराते प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कोरोना के खिलाफ लड़ाई में सोशल डिस्टेंसिंग ही सबसे कारगर हथियार है। यह दूरी ढीली पड़ी तो संकट बढ़ जाएगा। उन्होंने बताया कि कैबिनेट सचिव, राज्यों के सचिवों के संपर्क में हैं। राज्य मिलजुलकर काम कर रहे हैं। आने वाले दिनों में भी उन्हें यही एकजुटता दिखानी होगी, यह अपील करते मोदी ने मुख्यमंत्रियों से आर्थिक विषयों पर सुझाव मांगे। उन्होंने कहा कि उन्हीं सुझावों पर सरकार आगे बढ़ेगी। बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण भी मौजूद थीं।

ममता की ...

रखने की अपील की। पिछली बैठक में भी उन्होंने खुद को बोलने नहीं देने का आरोप लगाया था। इस बार भी उन्होंने स्पष्ट कहा कि उनसे कोई मशविरा नहीं किया जाता। ममता ने कहा कि बंगाल को लिखी केंद्र की चिट्ठी पहले ही लीक हो जाती है। उनका इशारा हाल ही में प्रवासी श्रमिकों को लेकर गृह मंत्री अमित शाह की चिट्ठी की ओर था। उन्होंने कहा कि कोरोना के खिलाफलड़ाई में एक राज्य के तौर पर हम बेहतर काम कर रहे हैं और ऐसे वक्त में केंद्र को राजनीति नहीं करनी चाहिए। केंद्र को समझना चाहिए कि बंगाल कई अंतरराष्ट्रीय सीमाओं और अन्य राज्यों से घिरा हुआ है और इसका सामना करना चुनौतीपूर्ण है। ममता ने कहा कि हर समय बंगाल की आलोचना और इसकी उपेक्षा क्यों की जा रही है? हम लोगों से कोई राय-मशविरा भी नहीं किया जाता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि संघीय ढांचा को नहीं तोड़ा जाना चाहिए। सभी राज्यों को बराबर का महत्व मिलना चाहिए और हमें टीम इंडिया की तरह काम करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि फिल्मी तरीके से कोई योजना बनती है और इसे क्रियान्वित करने की कोशिश की जाती है। उन्होंने पीएम से बातचीत में चरणबद्ध तरीके से लॉकडाउन खत्म करने पर जोर दिया। सूत्रों के अनुसार, ममता ने पीएम से बंगाल के लिए विशेष आर्थिक पैकेज के अलावा देश के विभिन्न हिस्सों में फंसे हुए सभी प्रवासी मजदूरों को वापस लाने के लिए केंद्रीय सहायता भी मांगी।

कोरोना काल ...

कोविड-19 लॉकडाउन के कारण करीब 50 दिन तक यात्री सेवाएं बंद रखने के बाद कल से चुनिंदा मार्गों पर 15 जोड़ी ट्रेनें (अप-एंड-डाउन मिलाकर 30 ट्रेनें) चलायी जाएंगी और इन विशेष ट्रेनों में सिर्फ वातानुकुलित श्रेणी (एसी-1, एसी-2 और एसी-3) के डिब्बे होंगे, किराया सामान्य राजधानी ट्रेन के अनुरुप होगा। सार्वजनिक परिवहन का कहना है कि 12 मई को आठ ट्रेनें चलेंगी। इनमें से तीन नयी दिल्ली से रवाना होकर डिब्रूगढ़, बेंगलुरु और बिलासपुर पहुंचेंगी। वह बाकि ट्रेनें हावड़ा, राजेन्द्र नगर (पटना), बेंगलुरु, मुंबई सेंट्रल और अहमदाबाद से चलकर दिल्ली पहुंचेगी।

चूंकि ये विशेष ट्रेनें राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के दौरान चल रही हैं, ऐसे में यात्रियों के लिए प्रस्थान बिंदु पर मास्क पहनना और स्वास्थ्य जांच अनिवार्य होगी, सिर्फ उन्हीं लोगों को ट्रेन में चढ़ने की अनुमति होगी जिनमें वायरस से संक्रमण के कोई लक्षण नजर नहीं आएंगे। यात्रा के दौरान ट्रेन बेहद कम स्टेशनों पर रुकेगी। सार्वजनिक परिवहन का कहना है कि इन ट्रेनों में अग्रिम आरक्षण अधिकतम सात दिन के लिए होगा, फिलहाल आरएसी और वेटिंग टिकट जारी नहीं होगी, ट्रेन में टीटीई को किसी की टिकट बनाने की अनुमति नहीं होगी।

भारतीय रेल का कहना है कि रेलवे स्टेशन आने वाले यात्रियों और उन्हें लेकर आने वाले वाहन/ड्राइवर को स्टेशन के भीतर प्रवेश की अनुमति इसी सूरत में दी जाएगी, जब उनके पास यात्रा का वैध और कंफर्म टिकट हो। भारतीय रेल ने टिकटें रद्द कराने का भी विकल्प दिया है। इस संबंध में उसका कहना है कि यात्री ट्रेन के प्रस्थान से 24 घंटे पहले तक ही टिकट रद्द करा सकते हैं लेकिन टिकट रद्द होने पर कुल किराये का 50 प्रतिशत शुल्क के रूप में काट लिया जाएगा। इन ट्रेनों में वातानुकूलन के लिए विशेष नियम होंगे, तापमान सामान्य दिनों के मुकाबले थोड़ा ज्यादा रखा जाएगा और डिब्बों के भीतर ज्यादा से ज्यादा ताजा हवा की आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी।

गौरतलब है कि उक्त विशेष ट्रेनें नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन से चलेंगी और डिब्रूगढ़, अगरतला, हावड़ा, पटना, बिलासपुर, रांची, भुवनेश्वर, सिकंदराबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, तिरुवनंतपुरम, मडगांव, मुंबई सेंट्रल, अहमदाबाद और जम्मू-तवी को जाएंगी। इन ट्रेनों में आरक्षण के लिए बुकिंग आज, 11 मई, से शुरू हो गई है। बुकिंग सिर्फ आईआरसीटीसी की वेबसाइट के जरिए की जा सकेगी। भारतीय रेल ने कहा था कि टिकटो की बुकिंग शाम चार बजे से की जा सकेगी, लेकिन आईआरसीटीसी की वेबसाइट काम नहीं करने की वजह से बुकिंग दो घंटे के लिए टाल दी गई थी। बुकिंग शाम छह बजे से शुरू होनी थी।

आरक्षण के दौरान प्राप्त टिकटों पर 'क्या करें और क्या ना करें'स्पष्ट रूप से लिखा होगा। सिर्फ वैध आरक्षित टिकटधारकों को रेलवे स्टेशन में प्रवेश की अनुमति होगी। भारतीय रेल ने कहा कि स्टेशनों पर टिकट बुकिंग खिड़की बंद रहेगी, प्लेटफॉर्म टिकट सहित कोई काउंटर टिकट जारी नहीं होगा। भारतीय रेल का कहना है कि इन 15 जोड़ी ट्रेनों के बाद वह अन्य मार्गों पर भी विशेष ट्रेनें चलाएगी। उसका कहना है कि 20,000 डिब्बे कोविड-19 देखभाल केन्द्र के रूप में आरक्षित करने और प्रवासी श्रमिकों को गंतव्य तक पहुंचाने के लिए रोजाना करीब 300 'श्रमिक स्पेशल' ट्रेनें चलाने के लिए डिब्बे आरक्षित रखने के बाद कोचों की उपलब्धता के आधार पर अन्य मार्गों पर यात्री सेवाएं बहाल की जाएंगी। 17 मई को लॉकडाउन समाप्त होने पर यात्री ट्रेन सेवाएं चरणबद्ध तरीके से शुरू की जाएंगी।

10 मिनट में ...

होगी। हावड़ा-नई दिल्ली ट्रेन मंगलवार को हावड़ा से शाम पांच बजकर पांच मिनट पर रवाना होने वाली है। वेबसाइट पर टिकट उपलब्धता जांचने पर पता चला कि भुवनेश्वर-नई दिल्ली विशेष ट्रेन के एसी-1 और एसी-3 की टिकटें भी शाम साढ़े छह बजे तक बिक चुकी थीं। बुकिंग में देरी पर आईआरसीटीसी ने स्पष्टीकरण देते हुए शाम करीब पौने पांच बजे ट्वीट किया, 'विशेष ट्रेनें (डेटा) अपलोड की जा रही हैं। बुकिंग जल्दी शुरू होगी।' इससे पहले सूत्रों ने कहा, 'वेबसाइट क्रेश नहीं हुई है, बल्कि डेटा अपलोड किया जा रहा है।' उन्होंने यात्रियों से प्रतीक्षा करने का अनुरोध किया था।

कोरोना मामले 67...

जाएगा। इसके लिए हर जिले में हर हफ्ते 200 लोगों का कोरोना टेस्ट अनिवार्य रूप से किया जाएगा। खास यह है कि यह टेस्ट उन लोगों का किया जाएगा, जिनमें कोरोना का कोई लक्षण नहीं है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को जारी दिशानिर्देश में सभी राज्यों को हर जिले में कोरोना के जांच का बंदोबस्त करने को कहा गया है। इसके तहत हर जिले में छह सरकारी और चार निजी अस्पतालों को चुना जाएगा, जहां से सैंपल इकट्ठा किया जाएगा।

कोरोना से मौत...

कोरोना संक्रमण का पॉजिटिव या संदिग्ध मामला हो सकता है। पूछताछ की प्रक्रिया के बाद, यदि किसी अपराध का मामला नहीं बनता है तो पुलिस को अधिकार है कि वह बिना पोस्टमार्टम के लाश को परिजन को सौंप दे। भले ही यह मेडिको-कानूनी मामला हो। इन दिशा-निर्देशों में यह भी स्पष्ट कहा गया है कि शव को पुलिस-प्रशासन के अधिकारियों की निगरानी में ही कब्रिस्तान या श्मशान घाट ले जाया जाना चाहिए और वहां मृतक के पांच से अधिक रिश्तेदारों को अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। इसके अलावा स्वास्थ्य मंत्रालय ने कोरोना के मरीजों की डिस्चार्ज नीति को भी बदल दिया है। कई देशों ने अपनी नीति में टेस्ट-आधारित रणनीति और समय-आधारित रणनीति में बदलाव किए हैं। केंद्र ने भी इसी आधार पर अपनी नीति को बनाया है। कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों और लॉकडाउन की स्थिति पर सोमवार को गृह और स्वास्थ्य मंत्रालय की संयुक्त बैठक हुई। इस बैठक के बाद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अब देश के हर जिले में कोरोना पर नजर रखी जाएगी और हर हफ्ते 200 लोगों का कोरोना टेस्ट किया जाएगा।

राज्यों की चिंता...

ओडिशा में 154 केस थे लेकिन गुजरात और अन्य राज्यों से बड़ी संख्या में प्रवासी मजदूरों के लौटने के बाद ये बढ़कर दोगुने से ज्यादा 377 हो गए। इन 377 में जो पॉजिटिव पाए गए, उनमें से 290 गुजरात और पश्चिम बंगाल से लौटे थे। अभी तक राज्य के 30 में से 21 जिलों में संक्रमण के मामले पाये गए हैं। गंजम में सूरत से लौटे 125 प्रवासी संक्रमित पाए गए और यह जिला कोविड-19 मामलों का मुख्य केंद्र बन गया है। रविवार को राज्य में 83 लोग पॉजिटिव पाए गए, इनमें से एक को छोड़कर सभी प्रवासी मजदूर हैं। राज्य सरकार अगले कुछ हफ्तों में मामलों के तेजी बढ़ने की आशंका से चिंतित है क्योंकि इन हफ्तों में 4-5 लाख प्रवासी श्रमिकों के अपने घर ओडिशा लौटने की उम्मीद है।

एक मई को बिहार में 466 मामले थे, जो 10 मई तक बढ़कर 707 केस हो गए थे, इसमें घर लौटने वाले बड़ी संख्या में प्रवासियों का योगदान है। बिहार में 1 मई के बाद से 70 फीसदी मामले प्रवासी मजदूरों में पाए गए। शनिवार को लगभग 100 और रविवार को 44 प्रवासी श्रमिक पॉजिटिव पाए गए, जिससे यह आंकड़ा बढ़कर 707 हो गया। प्रधान सचिव (स्वास्थ्य) संजय कुमार ने कहा कि पिछले 10 दिनों के अनुभवों को देखते हुए करीब 60-70 फीसदी सैंपल जो पॉजिटिव आए हैं वो उन लोगों के हैं जो राज्य में बाहर से आए हैं।

झारखंड में 160 मामले हैं जो 13 जिलों में फैसले हुए हैं। ये सभी पिछले एक हफ्ते में आए हैं। ये वही समय है जब प्रवासी मजदूर अपने गृह राज्य पहुंचने लगे थे। एक मई तक राज्य में 113 केस थे, इसके बाद मामलों में 50 फीसदी का इजाफा हुआ। शनिवार को सूरत से लौटने वाले 22 प्रवासियों का टेस्ट पॉजिटिव आया। राज्य में किसी एक दिन में ये सबसे ज्यादा मामले थे। राजस्थान में एक मई को 2666 केस के मुकाबले अब यह सूची 3,898 पर पहुंच गई है। अधिकांश नए मामले गुजरात की सीमा से सटे जिलों में सामने आए हैं, जहां पर प्रवासी कामगार लौटे हैं। पश्चिम बंगाल में एक मई तक 795 केस थे जो 11 मई को बढ़कर 1939 हो गए। 10 दिन में दोगुने से ज्यादा हो गए।

उत्तर प्रदेश में एक मई को 2328 मामले के मुकाबले अब 3467 केस हो गए हैं। अधिकारियों का कहना है कि दूसरे राज्यों से प्रवासियों के आने के बाद मामलों में बढ़ोतरी हुई है। आंध्र प्रदेश में कोविड-19 मामले 2018 तक पहुंच गए हैं। पिछले 24 घंटों में 38 पॉजिटिव केस आए हैं। इनमें से 26 गुजरात, एक कर्नाटक और आठ चित्तूर जिले से लौटे हैं। इन राज्यों में हालात और बिगड़ सकते हैं क्योंकि आने हफ्तों और दिनों में और भी बड़ी संख्या में प्रवासी मजदूरों के घर लौटने की उम्मीद है।

प्रवासियों के लिए...

तक श्रमिकों को पास के आश्रय स्थल ले जाया जाना चाहिए और वहां उनके खाने आदि की पर्याप्त व्यवस्था होनी चाहिए। श्रीवास्तव ने कहा कि अब तक ऐसी 468 विशेष ट्रेनों का संचालन हो चुका है जिनमें पांच लाख लोगों ने यात्रा की। रविवार को ही ऐसी 101 ट्रेनों का संचालन किया गया। उन्होंने कहा कि कोविड-19 की वजह से देश में पूरी तरह बंद हुई यात्री रेल सेवा को मंगलवार से चरणबद्ध रूप में शुरू किया जाएगा जिसके तहत नई दिल्ली स्टेशन के 15 विशेष ट्रेनें अलग-अलग गंतव्यों के लिए रवाना होंगी। श्रीवास्तव ने कहा कि गृह मंत्रालय ने ट्रेन यात्रा के दौरान कोरोना वायरस के प्रसार से बचने के लिए आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत व्यापक मानक संचालन प्रक्रिया जारी की है।उन्होंने कहा कि सिर्फ कन्फर्म ई-टिकट वाले रेल यात्रियों को ही प्लेटफार्म में जाने की इजाजत होगी और ट्रेन में बैठने से पहले उनकी जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि सिर्फ उन यात्रियों को ट्रेन से सफर की इजाजत होगी जिनमें कोई लक्षण नजर नहीं आएगा और यात्रियों को अनिवार्य रूप से मास्क लगाना होगा या चेहरा ढकना होगा। इसके अलावा यात्रा के दौरान उन्हें सामाजिक दूरी के मानकों का पालन भी करना होगा। श्रीवास्तव ने कहा, गंतव्य तक पहुंचने के बाद यात्री को राज्य सरकार के स्वास्थ्य मानकों का पालन करना होगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने राज्य सरकारों को पत्र लिखकर कहा है कि चिकित्सकों, नर्सों, पैरामेडिकल कर्मियों, सफाई कर्मियों और एंबुलेंसों की निर्बाध यात्रा सुनिश्चित करें। विदेश में फंसे भारतीयों को वापस लाने के मिशन के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि रविवार को 23 उड़ानों से करीब 4000 यात्रियों को लाया गया है। भारतीय नौसेना के पोत जलाश्व से मालदीव से 698 यात्री रविवार को कोच्चि पहुंचे जबकि माले से 200 फंसे हुए यात्रियों को लेकर आईएनएस मगर अपनी वापसी की यात्रा शुरू कर चुका है।

दो समुदाय के लोगों के बीच झड़प के बाद तेलंगाना के भैंसा कस्बे में कर्फ्यू

हैदराबाद। तेलंगाना के निर्मल जिले स्थित भैंसा कस्बे में दो समुदायों के बीच झड़प के बाद कर्फ्यू लगा दिया गया है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि मामले में अब तक करीब 25 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि समस्या रविवार मध्यरात्रि को तब शुरू हुई जब एक व्यक्ति ने प्रार्थना स्थल में घुसकर कथित रूप से उपद्रव किया जिसके बाद दोनों समूह के लोग एकत्र हो गए और उनके बीच बहस हुई। उन्होंने बताया कि पुलिस ने उन्हें तितर-बितर कर दिया। पुलिस के मुताबिक दोनों समूहों ने एक-दूसरे पर पथराव किया जिसमें एक व्यक्ति घायल हो गया और एक कार सहित कुछ वाहनों को नुकसान पहुंचा। कस्बे में तनाव बढ़ता देख अतिरिक्त सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की गई है और 24 घंटे के लिए कर्फ्यू लगाया गया है। निर्मल जिले के पुलिस अधीक्षक सी शशिधर राजू ने पीटीआई-भाषा को बताया कि चार प्राथमिकी दर्ज की गई हैं और अब तक 25 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। तेलंगाना के गृहमंत्री मोहम्मद महमूद अली ने एक बयान में कहा कि राज्य सरकार स्थिति की निगरानी कर रही है।

इंग्लैंड दौरा होने पर अधिक टेस्ट मैच खेल सकता है पाक

कराची। पाकिस्तान की क्रिकेट टीम इंग्लैड दौरे पर तीन के बजाय चार या पांच टेस्ट मैचो की श्रृंखला खेल सकती है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) और इंग्लैड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के अधिकारियो के बीच कोविड-19 महामारी के बावजूद दौरा जारी रखने को लेकर 18 मई को वीडियो कान्फ्रेंस होगी। वर्तमान कार्यक्रम के अनुसार पाकिस्तान को इंग्लैड दौरे में तीन टेस्ट और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने है लेकिन अगर यह दौरा जुलाई में थोड़ा पहले शुरू हो जाता है तो टेस्ट मैचों की संख्या बढ़ाई जा सकती है।

इंग्लैंड में बुधवार से खुल सकते हैं टेनिस कोर्ट और गोल्फ कोर्स

लंदन। ब्रिटिश सरकार ने कहा है कि इंग्लैड मे टेनिस कोर्ट और गोल्फ कोर्स बुधवार से फिर खुल सकते है लेकिन लोगो को केवल अपने घरो के सदस्यो के साथ ही खेलने की अनुमति होगी। ब्रिटेन मे मार्च मे कोरोना वायरस प्रकोप को रोकने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर लॉकडाउन घोषित किया गया था और तब खेल स्थलो को भी बंद करने का आदेश दिया गया था। जिम और तरणताल अब भी बंद रहेंगे हालांकि समुद्र या झीलो मे तैराकी की अनुमति दी जाएगी।

इटली से समय पर लौटी तलवारबाज किट बैग से कर रही है टारगेट अभ्यास

चेन्नई। भारत की शीर्ष तलवारबाज सी ए भवानी देवी ने मौजूदा लॉकडाउन के बीच अभ्यास का नया तरीका तलाश लिया है और किटबैग से टारगेट अभ्यास कर रही है। तमिलनाडु की इस 26 वर्षीय तलवारबाज ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई खिताब जीतकर भारत का परचम लहराया है। वह कोरोना वायरस महामारी के फैलने से पहले इटली मे अभ्यास कर रही थी लेकिन यात्रा पाबंदियां लागू होने से पहले स्वदेश लौट आई थी। अब लॉकडाउन के बावजूद उनका अभ्यास जारी है।

बेनेफिका के मिडफील्डर तवारेस कोरोना वायरस के लिए पॉजिटिव

मैड्रिड। पुर्तगाल की गत चैंपियन बेनेफिका ने पुष्टि की है कि उसके मिडफील्डर डेविड तवारेस शुक्रवार को कोरोना वायरस के परीक्षण मे पॉजिटिव पाए गए। इसके साथ ही प्रीमियर लीगा फुटबॉल मे कोरोना वायरस के पॉजिटिव मामलो की संख्या कम से कम आठ हो गई है। सरकार ने 30 अप्रैल को घोषणा की थी कि स्वास्थ्य अधिकारियों की स्वीकृति पर मैचो को दोबारा शुरू किया जा सकता है।

तीरंदाजी, पीसीआई और नौकायन को नहीं मिली मान्यता

● खेल मंत्रालय ने 54 खेल संघों को सितंबर 2020 तक सूची में स्थान दिया

भाषा। नई दिल्ली

खेल मंत्रालय ने सोमवार को 54 राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) को इस साल सितंबर तक मान्यता प्रदान की लेकिन तीरंदाजी, गोल्फ, जिम्नास्टिक , पैरालंपिक और नौकायन की संचालन संस्थाओं को सूची से बाहर बनाए रखा। मंत्रालय ने अखिल भारतीय कैरम महासंघ को नए सिरे से मान्यता प्रदान की है। भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई), भारतीय नौकायन महासंघ (आरएफआई) और भारतीय स्कूल खेल महासंघ (एसजीएफआई) को फिर से मान्यता प्रदान नहीं की गई। पीसीआई और आरएफआई को राष्ट्रीय खेल संहिता के उल्लंघन के लिए निलंबित किया गया था जबकि सुशील कुमार की अगुवाई वाले एसजीएफआई की कुप्रबंधन के कारण मान्यता रद्द कर दी गई थी। पीसीआई महासचिव गुरशरण सिंह ने कहा कि पीसीआई लॉकडाउन के कारण खेल मंत्रालय को जरूरी दस्तावेज नहीं दे सका और यही वजह है कि उसे मान्यता नही मिली। उन्होंने कहा , दिल्ली उच्च न्यायालय ने 27 जनवरी को हमारे चुनाव को मान्यता दी थी। इसके बाद हमें विभिन्न अधिकारियों से जरूरी दस्तावेज लेने थे जिसमें समय लगा। इसके बाद लॉकडाउन शुरू हो गया और हम मान्यता के लिए आवेदन नहीं कर सके। मंत्रालय ने भारतीय तीरंदाजी संघ, भारतीय गोल्फ संघ, भारतीय जिम्नास्टिक महासंघ और भारतीय ताइक्कांडो महासंघ को भी मान्यता नहीं दी है। इस साल केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा के नेतृत्व में तीरंदाजी संघ में नए प्रशासकों ने पद संभाला लेकिन अपने संविधान में बदलाव नहीं कर पाने के कारण महासंघ को मान्यता नहीं मिली। दो समांतर ईकाइयों का गठन करके विश्व तीरंदाजी के दिशा निर्देशों के उल्लंघन के कारण पिछले साल अगस्त में भारतीय तीरंदाजी संघ को प्रतिबंध झेलना पड़ा था। उसे इस साल जनवरी में सशर्त हटा लिया गया जब मुंडा इसके अध्यक्ष बने थे। गोल्फ संघ अपनी सालाना आम बैठक नहीं बुला सका और राष्ट्रीय खेल संहिता के तहत चुनाव भी नहीं हुए। जिम्नास्टिक महासंघ के चुनाव हालांकि पिछले साल नवंबर में हुए थे लेकिन उसे भी मान्यता नहीं मिली। मंत्रालय ने 2012 में उसकी मान्यता ले ली थी। वहीं ताइक्कांडो महासंघ को गुटबाजी और कुप्रबंधन के कारण मान्यता गंवानी पड़ी थी। एनएसएफ को आम तौर पर साल के आखिर तक मान्यता दी जाती है लेकिन इस बार मंत्रालय ने केवल इस साल सितंबर तक मान्यता प्रदान की है। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के अध्यक्ष नरिंदर बत्रा ने इस पर सवाल उठाया। बत्रा ने कहा, सितंबर 2020 तक ही क्यों और दिसंबर 2020 तक क्यों नहीं? खेल मंत्रालय के अधिकारियों ने इस विषय पर स्पष्टीकरण मांगने पर जवाब नहीं दिया। छोटे स्तर के खेल महासंघों के लिए मंत्रालय की मान्यता काफी मायने रखती है क्योंकि वे अपने दैनिक खर्चों के लिए सरकार से मिलने वाले वार्षिक अनुदान पर निर्भर होते हैं।

भारोत्तोलकों ने अभ्यास शुरू करने की इजाजत मांगी

नई दिल्ली। पूर्व विश्व चैंपियन मीराबाई चानू सहित देश के शीर्ष भारोत्तोलकों ने सोमवार को खेल मंत्री किरेन रीजीजू से जल्द से जल्द अभ्यास शुरू करने की अनुमति देने का आग्रह किया और कहा कि अभ्यास हाल काफी बड़ा होने के कारण वहां सामाजिक दूरी सुनिश्चित की जा सकती है। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के सभी केंद्रों पर कोविड-19 महामारी को रोकने के लिए मार्च के मध्य से ही अभ्यास बंद है। लॉकडाउन 17 मई तक लगाया गया है। रीजीजू ने पटियाला के राष्ट्रीय खेल संस्थान मे रह रहे भारोत्तोलकों से वीडियो कान्फ्रेंस के जरिए बात की और उनसे अभ्यास शुरू करने को लेकर फीडबैक मांगा। मीराबाई ने कहा, हम सभी ने उनसे जितना जल्दी संभव हो सके अभ्यास शुरू करने की अनुमति देने का आग्रह किया क्योंकि हमे वजन उठाने का अभ्यास करने की सख्त जरूरत है। हम फिटनेस पर काम कर रहे है लेकिन भार उठाने का अभ्यास बहुत आवश्यक है। राष्ट्रीय कोच विजय शर्मा ने भी मीराबाई की हां में हां मिलाते हुए कहा कि अभ्यास हॉल में सामाजिक दूरी का पालन किया जा सकता है। लगभग दो महीने से अभ्यास ठप्प पड़ा है। मांसपेशियां ढीली पड़ गई है। परिसर सील किया हुआ है। कोई अंदर नही आ सकता और कोई बाहर नही जा सकता है, इसलिए हम अभ्यास शुरू कर सकते है। हमारा अभ्यास हॉल बहुत बड़ा है और हम प्रत्एक भारोत्तोलक के बीच आसानी से पांच मीटर की दूरी बनाए रख सकते है। हमारे पास 16 प्लेटफार्म है और केवल नौ भारोत्तोलक है इसलिए हम अभ्यास के दौरान आसानी से सामाजिक दूरी बनाए रख सकते है। इस वीडियो कान्फ्रेंस में साइ के महानिदेशक संदीप प्रधान, खेल एवं युवा कल्याण सचिव रवि मित्तल, लक्ष्य ओलंपिक पोडियम कार्यक्रम (टॉप्स) और भारतीय भारोत्तोलन महासंघ के अधिकारियो ने भी भाग लिया। मंत्री ने कहा कि वे एक सप्ताह के अंदर या 17 मई तक इसका समाधान निकाल लेंगे।

संकट के दौर में आगे आए बीसीसीआई : गंभीर

भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया का दौरा करे

भाषा,मुंबई। पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर का मानना है कि मौजूदा संकट के दौर में भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को अगुआ की भूमिका निभानी चाहिए और अगर इस साल के आखिरी में राष्ट्रीय टीम ऑस्ट्रेलिया का दौरा करती है तो इससे उनके मन में बोर्ड को लेकर सम्मान और बढ़ जाएगा। गंभीर बीसीसीआई के कोषाध्यक्ष अरूण धूमल के उस बयान पर प्रतिक्रिया दे रहे थे जिसमें उन्होंने कहा था कि भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया पहुंचने के बाद पृथकवास पर जा सकती है। दो सप्ताह के पृथकवास की जरूरत हालांकि तभी होगी जब द्विपक्षीय श्रृंखला से पहले वहां खेले जाने वाले टी20 विश्व कप का आयोजन नहीं होगा। गंभीर ने स्टार स्पोर्ट्स के कार्यक्रम क्रिकेट कनेक्टेड में कहा, बीसीसीआई की तरफ से यह एक बहुत ही सकारात्मक संकेत है, क्योंकि मुझे लगता है कि ये एक बड़ी तस्वीर देख रहे हैं। इससे पूरे देश का मूड बदल सकता है। ऑस्ट्रेलिया में श्रृंखला जीतना जरूरी है लेकिन यह सिर्फ श्रृंखला जीतने के बारे में नहीं है। इससे भारत ही नहीं ऑस्ट्रेलिया में भी सकारात्मक माहौल बनेगा। भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर चार टेस्ट मैच खेलना है। अगर यह दौरा नहीं हुआ तो क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को 300 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (लगभग 14.74 अरब रुपए) का नुकसान होगा। अगर भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया तो मेरे मन में बीसीसीआई के लिए सम्मान और बढ़ जाएगा। भारत के लिए 58 टेस्ट और 147 एकदिवसीय खेलने वाले 38 साल के गौतम गंभीर ने इस मौके पर आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) की हाल ही जारी टेस्ट रैंकिंग पर सवाल उठाया। इस रैंकिंग में भारत को हटाकर ऑस्ट्रेलिया पहले स्थान पर आ गया। नहीं, मैं आश्चर्यचकित नहीं हूं, क्योंकि मुझे इन सभी रैंकिंग और अंक प्रणाली में विश्वास नहीं है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में शायद सबसे खराब अंक प्रणाली है। आप घरेलू मैदान पर मैच जीते या विदेशी सरजमीं पर आपको बराबर अंक मिलता है। यह बकवास है।

ब्रेक से लक्ष्यों के पुनः आकलन का मौका मिलाः बद्रीनाथ

चेन्नई। पूर्व भारतीय बल्लेबाज एस बद्रीनाथ का कहना है कि कोरोना वायरस के कारण हुआ लॉकडाउन क्रिकेटरों सहित सभी खिलाड़ियों के लिए बड़ी चुनौती है लेकिन यह साथ ही लक्ष्यों का पुनः आकलन करने तथा शारीरिक और मानसिक स्थिति बेहतर करने में निवेश का मौका भी देता है। कोविड-19 महामारी से अब तक दुनिया भर में 41 लाख से अधिक लोग संक्रमित हो चुके है और तीन लाख के करीब लोगों की जान गई है। इसके कारण दुनिया भर में लगभग सभी खेल गतिविधियां ठप्प पड़ी है। हाल में मानसिक कौशल की ट्रेनिंग दे रही कंपनी एमफोर्स को शुरू करने वाले बद्रीनाथ ने कहा, यह सभी खिलाड़ियों के लिए चुनौतीपूर्ण समय है... इस समय उन्हें खेलना चाहिए था, उन्होंने अपने लिए लक्ष्य तय किए थे। यह अच्छा समय है कि लक्ष्यों का पुनः आकलन किया जाए और उसके बारे में सोचा जाए। भारत की ओर से दो टेस्ट और सात एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले 39 साल के बद्रीनाथ ने कहा कि इस दौरान खिलाड़ी छोटी-मोटी चोटों से उबर सकते है और अपने शरीर और मानसिक कौशल पर काम कर सकते है। कई खिलाड़ियों के शरीर में खेलते हुए थोड़ा दर्द होता और यह शरीर को स्वस्थ करने और सभी तरह के दर्द को दूर करने का अच्छा समय है जिसके लिए आपको कई बार पूरा दिन लग जाता है। यह अपने शरीर, भावनात्मक स्वास्थ्य और मानसिक स्वास्थ्य आदि चीजों पर निवेश करने का सही समय है।

बैगी ग्रीन को लेकर आस्ट्रेलियाई अंधभक्ति की आलोचना की वार्न ने

मेलबर्न। अपने जमाने के दिग्गज स्पिनर शेन वार्न ने जंगलों में लगी आग के पीड़ितों के लिए धन जुटाने में मशहूर बैगी ग्रीन कैप का सहारा लिया था लेकिन उन्हें आस्ट्रेलियाई टेस्ट कैप के प्रति अंधभक्ति अच्छी नहीं लगती। उन्हें अपने देश की तरफ से खेलना पसंद है और यह मायने नहीं रखता कि उन्होंने बैगी ग्रीन पहनी है या कोई सामान्य टोप। उन्होंने मेलबर्न के एक रेडियो स्टेशन से कहा, मेरा हमेशा से मानना रहा है कि आपको यह साबित करने के लिए बैगी ग्रीन कैप पहनने की जरूरत नही है कि आप आस्ट्रेलिया की तरफ से खेलना कितना पसंद करते हो। मुझे आस्ट्रेलिया की तरफ से क्रिकेट खेलना पसंद है और इसके लिए मुझे इस कैप को पहनने की जरूरत नही है। मैने केवल आस्ट्रेलिया की तरफ से क्रिकेट खेलने का आनंद लिया है। इस लेग स्पिनर ने हाल मे जंगलो की लगी आग के पीडितो के लिए अपनी बैगी ग्रीन को नीलाम किया था।

फुटबाल लीग शुरू करने को प्रतिबद्ध हैं जर्मनी, इंग्लैंड, इटली और स्पेन

पेरिस। यूरोप की विभिन्न फुटबाल लीग मे कुछ खिलाड़ियो और सहयोगी स्टाफ के कोरोना वायरस से संक्रमित पाया गया है लेकिन तब भी उनको फिर से शुरू करने की कवायद धीमी नही पड़ी है। कोरोना वायरस के कारण यूरोप की अधिकतर लीग पिछले दो महीनो से ठप्प पड़ी है। जर्मनी की बुंदेसलीगा वापसी करने वाली महाद्वीप की पहली लीग हो सकती है। वह डायनेमो ड्रेसडेन की टीम को पृथकवास पर भेजे जाने के बावजूद 16 मई से खाली स्टेडियमो मे सत्र शुरू करने को लेकर प्रतिबद्ध है। डायनेमो दूसरी डिवीजन का क्लब है और उसकी टीम मे कोरोना वायरस के दो मामले पाए जाने के बाद उसके खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ को 14 दिन तक अलग थलग रहने के लिए कहा गया है। बुंदेसलीगा के सीईओ क्रिस्टियन सीफर्ट ने कहा, यह कोई ऐसा कारण नही है जिससे सारे सत्र पर सवालिया निशान लग जाए। मै पहले ही यह मानकर चल रहा था कि ऐसा हो सकता है। हम अभी टूर्नामेंट फिर से आरंभ करने की शुरुआत मे है। बुंदेसलीगा के मैच खाली स्टेडियम मे खेले जाएंगे और दोनो टीमो के खिलाड़ियों सहित 300 लोगो को रहने की अनुमति दी जाएगी। मैचों से पहले सभी टीमों को एक सप्ताह के पृथकवास प्रशिक्षण शिविर मे बिताना होगा। यूरोप की शीर्ष पांच लीग मे शामिल स्पेन, इंग्लैड और इटली भी वापसी की योजनाओं पर काम कर रहे है लेकिन फ्रांस ने अपना सत्र समाप्त घोषित कर दिया है। इंग्लिश प्रीमियर लीग को जून मे सत्र शुरू होने की उम्मीद है जो अगस्त तक चलेगा। लेकिन ब्राइटन फुटबाल क्लब के तीसरे खिलाड़ी को शनिवार को कोविड-19 से संक्रमित पाया गया और उसे पृथकवास पर भेज दिया गया है। कुछ अन्य क्लबो के खिलाड़ियों को भी संक्रमित पाया गया है। इसके बावजूद प्रीमियर लीग के प्रतिनिधियों की सोमवार को बैठक होगी जिसमे लीग फिर से शुरू करने की योजना पर चर्चा की जाएगी। इसमे खाली स्टेडियमो और तटस्थ स्थानो पर मैच खेलने के अलावा खिलाड़ियो के अनुबंध को बढ़ाने पर चर्चा होगी। स्पेन मे पहली और दूसरी डिवीजन के पांच खिलाड़ियो को कोरोना वायरस से संक्रमित पाया गया है लेकिन इसके बावजूद उसकी योजना ला लिगा को 12 जून से शुरू करने की है। ला लिगा के अध्यक्ष जेवियर टेबास ने कहा है कि स्पेनिश लीग ने वापसी को लेकर अपनी योजना नही बदली है और यह 12 जून से शुरू हो सकती है।

क्रिकेट शुरू करने के लिए ब्रिटिश सरकार के साथ मिलकर काम कर रहे हैं : ईसीबी

लंदन। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने कहा कि वह कोविड-19 महामारी के बावजूद क्रिकेट की सुरक्षित बहाली सुनिश्चित करने के लिए ब्रिटिश सरकार के साथ मिलकर काम कर रहा है। प्रधानमंत्री बोरिस जानसन ने कहा कि कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए लगाया गया लॉकडाउन कम से कम एक जून तक बरकरार रहेगा। ईसीबी ने अपने सभी तरह के पेशेवर क्रिकेट मैच एक जुलाई तक निलंबित कर रखे हैं। खेलों को फिर से कब और कैसे सुरक्षित तरीके से शुरू किया जा सकता है, इसको लेकर हम सरकार के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। हम आगे अपनी योजनाओं को साझा करने के लिए तैयार हैं। इसमें कहा गया है, ईसीबी इस संकट के अगले चरणों को लेकर सरकार की घोषणा से अवगत है और हम आगे भी उनकी सलाह पर चलते रहेंगे। ब्रिटेन में लॉकडाउन के कारण वेस्टइंडीज की जून में होने वाली तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला आगे खिसका दी गई है जबकि पाकिस्तान को भी इस सत्र में इंग्लैंड दौरा करना है ।

सक्रिय खेलों से संन्यास ले चुकी हूं लेकिन ऐसा आज नहीं किया: दीपा मलिक

भाषा। नई दिल्ली

पैरालंपिक खेलों में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी दीपा मलिक ने सक्रिय खेलों से संन्यास ले लिया है और उन्होंने यह फैसला इस साल की शुरुआत में भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) का अध्यक्ष बनने से पहले कर लिया था। दीपा ने हालांकि इसका खुलासा सोमवार को किया। रियो पैरालंपिक खेल 2016 की गोला फेंक की एफ 53 स्पर्धा में रजत पदक जीतने वाली 49 साल की दीपा को दिल्ली उच्च न्यायालय के निर्देश पर फरवरी में हुए चुनाव मे पीसीआई का अध्यक्ष चुना गया था। खेल मंत्रालय ने पीसीआई को मान्यता देने से इनकार कर दिया है। दीपा ने कहा, किसने कहा कि मैंने आज संन्यास लेने की घोषणा की? नामांकन पत्र दाखिल करने से पहले पिछले साल सितंबर में ही मैंने संन्यास ले लिया था लेकिन मैंने सार्वजनिक घोषणा नहीं की थी। मैंने संन्यास से संबंधित पत्र पिछले साल सितंबर में पीसीआई को सौंपा था जब चुनाव प्रक्रिया शुरू हुई थी। इसके बाद ही मैं पीसीआई अध्यक्ष पद के लिए चुनौती पेश कर पाई थी और मैंने चुनाव जीता तथा अध्यक्ष बनी। दीपा को पिछले साल देश के सर्वोच्च खेल सम्मान राजीव गांधी खेल रत्न से नवाजा गया था। दीपा ने आज ट्वीट किया था जिसे उन्होंने बाद में हटा दिया। इसमें कहा गया था, चुनाव के लिए पीसीआई को बहुत पहले ही पत्र सौंप दिया था, नई समिति को स्वीकृति देने के लिए उच्च न्यायालय के फैसले का इंतजार है और अब खेल एवं युवा मामलों के मंत्रालय से मान्यता के लिए सक्रिय खेलों से संन्यास की सार्वजनिक घोषणा करती हूं। पैरा खेलों की सेवा करने और अन्य खिलाड़ियों की मदद का समय है।

गडकरी ने उद्योग से कहा, सरकार से दो-तीन दिनों में वित्तीय पैकेज की उम्मीद

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को उम्मीद जताई कि केंद्र अगले दो-तीन दिनो मे वित्तीय पैकज की घोषणा करेगा। उन्होने कहा कि रिजर्व बैक की तरफ से कर्ज भुगतान के लिए तीन महीने की मोहलत के बावजूद स्थिति काफी खराब है। सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई), सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने कहा कि सरकार उद्योग के साथ खड़ी है लेकिन सरकार की सीमाओं को भी समझने की जरूरत है। गडकरी ने कहा, हम लोगो को सुरक्षित रखने के लिए अपनी ओर से हर संभव प्रयास कर रहे है। उन्होने यह भी कहा कि जापान और अमेरिकी सरकारो ने वृहत आर्थिक पैकेज की घोषणा की और हमें ध्यान रखना चाहिए कि उनकी अर्थव्यवस्थाएं भारत से कही बड़ी है। कोरोना वायरस संकट और उसकी रोकथाम के लिए लॉकडाउन से लोगो की समस्याओ को देखते हुए रिजर्व बैक ने 27 मार्च को कर्ज भुगतान के लिए तीन महीने की मोहलत समेत कई उपायो की घोषणा की।

कोरोना वायरस संकट से क्रेडिट कार्ड के जरिए लेन–देन और बढ़ेगा: एसबीआई कार्ड सीईओ

नई दिल्ली। कोरोना वायरस महामारी के कारण उत्पन्न चुनौतीपूर्ण स्थिति से क्रेडिट कार्ड के जरिए लेन-देन और बढ़ेगा। एसबीआई कार्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह कहा। अब चूंकि घरो के भीतर रहना जरूरी हो गया है, एसे मे लोग मकान के आंतरिक रूप-सज्जा को बेहतर करने के लिए खर्च करेंगे। एसबीआई कार्ड के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी हरदयाल प्रसाद ने पीटीआई-भाषा से बातचीत मे कहा, क्रेडिट कार्ड उद्योग किस प्रकार आगे बढ़ता है, इस बारे मे अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगी। मै हमेशा से डिजिटल लेन-देन का समर्थक रहा हूं। जो भी आर्थिक स्थिति होगी, मुझे लगता है कि क्रेडिट कार्ड के जरिए लेन-देन लगातार बढ़ेगा।

राज्यों के श्रम कानून निलंबित करने से कारोबारों को संकट से बाहर आने में मिलेगी मदद : आईएसएफ

नई दिल्ली। स्टाफिंग कंपनियो के शीर्ष संगठन इंडिया स्टाफिंग फेडरेशन (आईएसएफ) ने कुछ राज्यो के श्रम कानूनों को अगले तीन साल तक निलंबित करने के फैसले का सोमवार को स्वागत किया। उसने कहा कि इससे कारोबारो को कोविड-19 संकट से उबरने मे मदद मिलेगी। आईएसएफ ने कहा कि सरल श्रम कानूनो से तेज वृद्धि और रोजगार बढ़ाने मे मदद मिलेगी। यह नियोक्ताओं को नागरिको के लिए अधिक अवसर पैदा करने मे सक्षम बनाएगा। आईएसएफ के अध्यक्ष लोहित भाटिया ने एक बयान मे कहा कि गुजरात, मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश और अब बहुत जल्द कर्नाटक के भी श्रम कानूनो मे तेज बदलाव करने से उन्हे राज्य मे ज्यादा निवेश आकर्षित करने मे मदद मिलेगी।

तोमर ने बताया कि 117 और मडियां, ई–नाम मंच से जुड़ीं, इेश भर में कुल संख्या 962 हुई

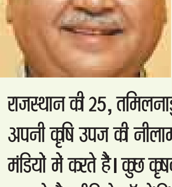

नई दिल्ली। कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने सोमवार को इलेक्ट्रॉनिक नेशनल एग्रीकल्चर मार्केट (ई-नाम) प्लेटफॉर्म के साथ 117 अतिरिक्त थोक मंडियो का एकीकरण किया, जिसके बाद देश भर मे ऑनलाइन मंडियो की कुल संख्या 962 तक ले गई है। एक सरकारी बयान मे कहा गया है कि ई-नाम प्लेटफॉर्म के साथ इन एकीकृत अतिरिक्त मंडियो मे गुजरात की 17, हरियाणा की 26, जम्मू एवं कश्मीर की एक, केरल की पांच, महाराष्ट्र की 54, ओडिशा की 15, पंजाब की 17, राजस्थान की 25, तमिलनाडु की 13 और पश्चिम बंगाल की एक मंडी शामिल है। इस समय, किसान अपनी कृषि उपज की नीलामी देश भर मे मौजूद 6,900-एपीएमसी (कृषि उपज विपणन समितियो) मंडियो मे करते है। कुछ कृषक ई-नाम प्लेटफॉर्म के माध्यम से ऑनलाइन बोली के माध्यम से बिक्री कर रहे है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नई मंडियो का शुभारंभ करते हुए, तोमर ने कहा कि किसानो को लाभ पहुंचाने के लिए ई-नाम को और मजबूत करने के प्रयास किए जाने चाहिए। ई-नाम के साथ एपीएमसी मंडियो का एकीकरण करने से किसानो को ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से अपनी उपज को बेचने की सुविधा मिलेगी। 15 मई से पहले 1,000 मंडियो को जोड़ने का लक्ष्य है।

‘4.5 लाख करोड़ की अतिरिक्त वित्तीय सहायता मिले’

● अर्थव्यवस्था को इस समय राजकोषीय समर्थन की जरूरत: फिक्की

भाषा। नई दिल्ली

कोरोना वायरस से प्रभावित भारतीय अर्थव्यवस्था को मौजूदा परिस्थिति से उबारने के लिए 4.5 लाख करोड़ रुपए के अतिरिक्त वित्तीय समर्थन की आवश्यकता है। इसके साथ ही विभिन्न सरकारी भुगतानों और रिफंड में फंसे ढाई लाख करोड़ रुपए तुरंत जारी करने की जरूरत है। देश के अग्रणी वाणिज्य एवं उद्योग मंडल फिक्की ने सरकार से यह मांग की है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को लिखे एक पत्र में फिक्की की अध्यक्ष संगीता रेड्डी ने इसके साथ ही वित्त मंत्री से नवोन्मेष, निर्माण और विनिर्माण क्लस्टरों के लिए वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में आए मौजूदा व्यावधान के बीच उभरते अवसरों का लाभ उठाने के लिए एक आत्म–निर्भरता कोष बनाने पर भी जोर दिया है। यह राशि मध्यम अवधि के दौरान किस्तों में उपलब्ध कराई जा सकती है। रेड्डी ने मौजूदा हालात में सरकार से तुरंत सहायता दिए जाने की जरूरत बताई है। सबके सामने सबसे बड़ी समस्या नकदी की है और इसके त्वरित निदान के लिए सबसे पहले सरकार द्वारा किए जाने वाले विभिन्न भुगतन और रिफंड में फंसी 2.5 लाख करोड़ रुपए की राशि को तुरंत जारी करने की आवश्यकता है। इस राशि के लिए बजट में पहले ही प्रावधान किया गया होगा। वंचित तबके के लिए अतिरिक्त वित्तीय समर्थन की भी आवश्यकता है। यह समर्थन गरीब कल्याण योजना के तहत उपलब्ध कराई जा रही सहायता से अलग होना चाहिए। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम (एमएसएमई) उद्यमों को फिर से पटरी पर लाने के लिए राजकोषीय समर्थन की आवश्यकता है। इसके अलावा मौजूदा स्थिति से निपटने के लिए स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के ढांचे को उन्नत बनाने के वास्ते भी कोष की आवश्यकता है। विमानन और पर्यटन जैसे उद्योगों को भी समर्थन की बहुत जरूरत है। लॉकडाउन की वजह से इन क्षेत्रों को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। पत्र में कहा गया है कि मौजूदा स्थिति में इस कार्य के लिए 4.5 लाख करोड़ रुपए की अतिरिक्त राजकोषीय समर्थन की आवश्यकता है। संगीता रेड्डी ने पत्र में कहा है कि इसमें 10,000 करोड़ रुपए की छोटी राशि बैंकों को जरूरत हो सकती है। यह राशि कोविड– 19 की वजह से बैंकों के लिए एक सेतु का काम करेगी। बैंकों को बड़ी कंपनियों को अतिरिक्त कर्ज देना पड़ सकता है। कोविड–19 की वजह से कई बड़ी कंपनियों के कारोबार में कमी आई है। सरकार को अगले चार साल के दौरान गारंटी के तौर पर बैंकों को 30,000 से 40,000 करोड़ रुपए देने पड़ सकते हैं। चालू वित्त वर्ष में इसका एक चौथाई उपलब्ध कराया जा सकता है। इस राशि का कंपनियों पर काफी अनुकूल असर होगा और उनकी आपूर्ति श्रृंखला को भी इससे सहारा मिलेगा जिसमें कई छोटी इकाइयां शामिल हैं। देश में 25 मार्च से 14 अप्रैल तक पहले 21 दिन का फिर 15 अप्रैल से तीन मई तक 19 दिन का और फिर चार मई से 17 मई तक 14 दिन का लॉकडाउन लगाया गया। इससे देश में आर्थिक गतिविधियों पर बहुत बुरा असर पड़ा।

रुपया 19 पैसे टूटकर एक सप्ताह के निचले स्तर पर

मुंबई। सरकार के बाजार से कर्ज जुटाने की सीमा में वृद्धि करने के बाद राजकोषीय घाटे को लेकर उठ रही चिंताओ के कारण सोमवार को अंतरबैंक विदेशी विनिमय बाजार मे रुपया 19 पैसे टूट कर एक सप्ताह के निचले स्तर 75.73 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। कारोबारियो का कहना है कि घरेलू शेयर बाजारो की तेजी से रुपए को समर्थन मिला लेकिन निवेशक राजकोषीय घाटे को लेकर चिंतित है। एक विदेशी विश्लेषक ने सोमवार को कहा कि सरकार के द्वारा बाजार से कर्ज जुटाने की सीमा मे 54 प्रतिशत की वृद्धि करने के कारण राजकोषीय घाटा 3.5 प्रतिशत के बजट लक्ष्य से बढ़कर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 5.8 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। बैंक ऑफ अमेरिका के विश्लेषको ने चालू वित्त वर्ष के लिए जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान भी घटाकर 0.5 प्रतिशत कर दिया है।

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that my client Smt. Moni Goswami owner of Freehold property bearing no. C-44/217, area measuring 26½ Sq. Yards i.e. 22.15 Sq. Meters, out of Khasra no. 602, situated in the village Ghonda Gujran Khadar in the abadi of C Block, Gali No. 16, Sudamapuri Gamri Extn. Illaqa Shahdara, Delhi-110053. BY virtue of Sale deed dated 24.05.2019, As Doc No. 932, Book No. 1, Vol. No. 5028, Pages 63-74, dated 24.05.2019, SR-IV, Seelampur, New Delhi. Initial Title documents not available in favour of Smt. Kamla Devi W/o Shri Ramesh Chand Sharma and same property sold to be Smt. Priyanka Prajapati S/o Shri Hanuman Dass and same property is going to be financed by Ummeed Housing Finance Pvt. Ltd. Branch Janak Puri New Delhi. If any person(s) have any objection (s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property then contact us within 7 days from the date of publication of this notice and or the same to the undersigned if found by any one.

Naveen Kumar Verma, Advocate
F-211, Sector-3, Vaishali, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201010, Mobile: 09958871432

INDO COTSPIN LTD
REGD. OFFICE : Delhi mile stone, 78 K.M, G.T. Road, N.H. 1, Post Box No. 3, Post Office Samalkha, Village Jhattipur, Panipat-132103, (Haryana), India

NOTICE

NOTICE is hereby given that pursuant to Regulation 29 of the Securities Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015, a meeting of Board of Directors of the Company is scheduled to be held on Saturday, 30th May, 2020 at the registered office of the company, inter alia to consider & approve and take on record audited financial results of the Company for the quarter/year ended on 31st March, 2020. Further, in terms of the Company's Code of Conduct for Trading by Insiders, The Trading Window for dealing in the securities of the Company will remain closed for all directors, officers, designated employees and connected persons of the Company from 22nd May, 2020 to 2nd June, 2020 (both days Inculsive).

CIN:-L17111HR1995PLC032541
EMAIL:rajpalaggarwal2000@yahoo.com
info@indocotspin.com
www.indocotspin.com
FOR INDO COTSPIN LTD
Date : 11.05.2020 Sd/-
Place : Panipat Rajpal Aggarwal
DIRECTOR
DIN :00456189

अंतरराष्ट्रीय पर्यटन में 2020 के दौरान 60–80 प्रतिशत की गिरावट आ सकती है: संरा

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र के विश्व पर्यटन संगठन (यूएनडब्ल्यूटीओ) ने कहा है कि कोविड-19 महामारी के कारण 2020 मे अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मे 60-80 प्रतिशत की गिरावट आ सकती है, जिसके चलते 910 अरब डॉलर से लेकर 1200 अरब डॉलर तक की कमाई का नुकसान होगा और लाखो लोगों की आजीविका संकट मे पड़ जाएगी। वैश्विक एजेंसी ने कहा कि महामारी के चलते 2020 की पहली तिमाही के दौरान अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की आवक मे 22 प्रतिशत की गिरावट हुई है। संयुक्त राष्ट्र की इस विशेष एजेंसी के अनुसार दुनिया भर मे फैली कोरोना वायरस महामारी के कारण वार्षिक पर्यटन मे 2019 के मुकाबले 60-80 प्रतिशत की गिरावट हो सकती है। इसके चलते लाखो लोगो की आजीविका खतरे मे है और इसके चलते सतत विकास लक्ष्यो (एसडीजी) मे हुई प्रगति को खोने की आशंका बढ़ गई है। यूएनडब्ल्यूटीओ के महासचिव जुरब पोलोलिकाशविली ने कहा, दुनिया एक अभूतपूर्व स्वास्थ्य और आर्थिक संकट का सामना कर रही है।

शुरुआती बढ़त को बरकरार नहीं रख पाया घरेलू बाजार

भाषा। मुंबई

स्थानीय शेयर बाजारों में सोमवार को उतार चढ़ाव भरे कारोबार में बंबई शेयर बाजार का सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी शुरूआती बढ़त गंवा कर अंत में गिरावट के साथ बंद हुए। सबसे ज्यादा गिरावट वित्तीय कंपनियों के शेयरों में दिखी। यह गिरावट इस चिंता के बीच हुई कि बैंक कोरोना वायरस के जोखिम को देखते हुए अवरुद्ध ऋणों के लिए नुकसान का प्रावधान बढ़ा रहे हैं। तीस शेयरों वाला सेंसेक्स शुरूआती कारोबार में अच्छी बढ़त के साथ खुला लेकिन बाद में बाजार दबाव में आ गया। सेंसेक्स अंत में 81.48 अंक यानी 0.26 प्रतिशत की गिरावट के साथ 31,561.22 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 12.30 अंक यानी 0.13 प्रतिशत टूटकर 9,239.20 अंक पर बंद हुआ। विश्लेषकों के अनुसार चीन और दक्षिण कोरिया जैसे देश में कोरोना वायरस के मामले फिर बढ़ने की खबरों तथा वैश्विक बाजारों से कमजोर रुख का भी निवेशकों की धारणा पर असर पड़ा। सेंसेक्स के शेयरों में सर्वाधिक नुकसान में आईसीआईसीआई बैंक रहा। इसमें 5 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई। इसके अलावा कोटक बैंक, एचयूएल, एचडीएफसी, इंडसइंड बैंक, एचडीएफसी बैंक तथा नेस्ले इंडिया नुकसान में रहे। वहीं दूसरी तरफ हीरो मोटो कार्प, बजाज ऑटो, मारुति, टीसीएस और

सेंसेक्स 82 अंक टूटा

एचसीएल टेक लाभ में रहे। अन्य बैंकों की तरह आईसीआईसीआई बैंक ने बही–खाता मजबूत करने के इरादे से कोरोना वायरस संकट को देखते हुए 2,725 करोड़ रुपए रुपए का प्रावधान किया है। इससे बैंक के शेयर पर असर पड़ा। एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक, इंडसइंडबैंक और आरबीएल बैंक ने भी कोरोना वायरस संकट के तहत कर्ज फंसने की आशंका को देखते हुए प्रावधान किए हैं। यह संकट के प्रभाव को बताता है जिसके लिए बैंक तैयारी कर रहे हैं। आनंद राठी के इक्विटी शोध प्रमुख नरेंद्र सोलंकी ने कह, वैश्विक स्तर पर सकारात्मक रुख के साथ घरेलू बाजार बढ़त के साथ खुला। व्यापार युद्ध को लेकर आशंका कम होने तथा कई देशों की लॉकडाउन (बंद) में ढील देने की घोषणा से सकारात्मक प्रभाव पड़ा...। लेकिन बाजार बढ़त को बरकरार नहीं रख पाया।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, निर्माण शाखा
उत्तराखण्ड पेयजल निगम डीडीहाट, पिथौरागढ़

पत्रांक : 574/निविदा/148 दिनांक : 11.05.2020

ई निविदा सूचना

अध्यक्ष उत्तराखण्ड पेयजल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम, देहरादून की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित पेयजल योजना के अन्तर्गत श्रोत, पाइप लाईन, जलाशय एवं तत्सम्बन्धी कार्य हेतु ई–निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र0 सं0	कार्यो का विवरण	विकास खण्ड	धरोहर राशि (रू0 लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य	आनलाईन प्रकाशन की तिथि	कार्य की अवधि
1	2	3	4	5	6	7
1	गुंजी पे0यो0	धारचूला	1.86	4000.00+ 18% GST	13.05.2020	12 माह
2	धारपांगू पे0यो0	धारचूला	0.82	3000.00+ 18% GST	13.05.2020	10 माह

नोट :– निविदा से सम्बन्धित नियम व शर्तें शुद्धिपत्र एवं निरस्तीकरण आदि www.uktenders.gov.in पर अथवा किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, निर्माण शाखा, उत्तराखण्ड पेयजल निगम, डीडीहाट में देखी जा सकती है।

अधिशासी अभियन्ता

"जल संचय-जीवन संचय" कृपया जल स्रोतों को प्रदूषित होने से बचाईये"
वैधानिक चेतावनी - जल स्रोतों को प्रदूषित करना दण्डनीय अपराध है।

कुआलालम्पुर की एक दुकान पर मास्क पहनकर ग्राहकों का इंतजार करती महिला

विश्व नेताओं को वायरस के दूसरे दौर की आशंका, लेकिन उम्मीद कायम है

एपी। ह्यूस्टन

ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों को कोरोना वायरस प्रकोप के जल्द फिर से लौटने की आशंका है लेकिन उन्होंने उम्मीद का दामन नहीं छोड़ा है। व्हाइट हाउस के भीतर महामारी की चुनौतियां अब भी देखने को मिल रही हैं जहां उपराष्ट्रपति माइक पेंस अपने एक सहयोगी के संक्रमित पाए जाने के बाद पृथक-वास में चले गए हैं।

पूरी दुनिया में वायरस के प्रकोप के बीच संतुलन बिठाने की कोशिश की जा रही है जहां वैश्विक नेता लॉकडाउन में छूट देने के साथ ही संक्रमण के दूसरे दौर के प्रति भी आगाह कर रहे हैं। राजकोषीय मंत्री स्टीवन मनूशिन ने अनुमान जताया है कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था दूसरी छमाही में बेरोजगारी दर को कम कर मंदी से उबर जाएगी। पिछले हफ्ते और 32 लाख लोगों ने बेरोजगारी भत्तों के लिए आवेदन किया था जिससे पिछले सात हफ्तों में ऐसे लोगों की कुल संख्या 3.35 करोड़ हो गई है। मनूशिन ने कहा, मेरे विचार उछाल देखने को मिल सकता है। लेकिन व्हाइट हाउस समर्थित कोरोना वायरस प्रतिमान तैयार करने वाले वाशिंगटन यूनिवर्सिटी के एक संस्थान के निदेशक ने कहा है कि कारोबारों को फिर से खोलने की कार्वाई के 10 दिनों के भीतर ज्यादा

- 32 लाख लोगों ने बेरोजगारी भत्तों के लिए आवेदन किया था जिससे पिछले सात हफ्तों में ऐसे लोगों की कुल संख्या 3.35 करोड़ हो गई है

मौतें और मामले सामने आ सकते हैं। इंस्टीट्यूट फॉर हेल्थ मीट्रिक्स एंड इवैल्यूएशन के डॉ क्रिस्टोफर मुे ने कह कि जहां मामले और मौत अनुमान से ज्यादा हो रहे हैं उनमें इलिनोइस, एरिजोना और कैलिफोर्निया शामिल हैं। जोखिम अब भी खत्म नहीं हुआ है, इसकी याद दिलाते हुए पेंस ने यह कदम तब उठाया है जब व्हाइट हाउस के कोरोना वायरस कार्यबल के तीन सदस्य संक्रमित सहयोगी के साथ संपर्क में आने के बाद पृथक-वास में चले गए थे।ब्रिटेन में, प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने देश में कोरोना वायरस के चलते लागू लॉकडाउन को धीरे-धीरे खोलने की घोषणा की है लेकिन नागरिकों से अब तक हुई प्रगति पर पानी नहीं फेरने की अपील भी की है।

उन्होंने कहा कि जो ऐसी नौकरी में हैं जो घर से नहीं की जा सकती उन्हें इस हफ्ते से काम पर लौटने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

वायुमंडलीय उष्मा व आर्द्रता से बनती मौसमी स्थितियां बढ़ा सकती हैं मुश्किलें : अध्ययन

भाषा। न्यूयॉर्क

भारत समेत दुनिया के कई हिस्सों में वैश्विक तापमान में इजाफे के कारण वायुमंडलीय उष्मा और आर्द्रता के मिलने से बेहद खतरनाक मौसमी परिस्थितियां बन रही हैं। एक अध्ययन में यह खुलासा हुआ जिसमें कहा गया है कि ऐसी परिस्थितियों के अर्थव्यवस्थाओं पर विनाशकारी प्रभाव पड़ सकते हैं।

मौसम केंद्रों के 1979 से 2017 तक के आंकड़ों का विश्लेषण करने पर शोधार्थियों ने पाया कि अध्ययन काल के दौरान भीषण उष्मा और आर्द्रता का संयोजन दोगुना हो गया है। जर्नल साइंस एडवांसेज में प्रकाशित अध्ययन के मुताबिक भारत, बांग्लादेश, पाकिस्तान, पश्चिमोत्तर ऑस्ट्रेलिया, लाल सागर के तटीय क्षेत्रों और कैलिफोर्निया की मैक्सिको की खाड़ी में भीषण उष्मा और आर्द्रता की कई घटनाएं हुईं।

वैज्ञानिकों ने कहा कि सऊदी अरब के शहर जहरान, कतर के दोहा और संयुक्त अरब अमीरात के रास अल खैमा में सबसे ज्यादा घातक आंकड़े 14 बार दर्ज किए गए। इन शहरों की आबादी मिलाकर करीब 30 लाख है।

उन्होंने हाल में एक दर्जन से ज्यादा बार संक्षिप्त प्रकोपों को सैद्धांतिक मानव उत्तरजीविता सीमा के पार होते देखा। अनुसंधानकर्ताओं के मुताबिक अब तक मौसम संबंधी ए भीषण घटनाक्रम स्थानीय इलाकों तक सीमित रहे और महज कुछ घंटों में खत्म हो गए, लेकिन अब इनके आने की आवृत्ति और तेजी बढ़ रही है।

कोलंबिया विश्वविद्यालय के पीएचडी प्रतिभागी के तौर पर अनुसंधान करने वाले इस अध्ययन के प्रमुख लेखक कोलिन रेमंड ने कहा, पूर्व में हुए अध्ययनों में अनुमान व्यक्त किया गया था कि यह अबसे कुछ दशक बाद होगा, लेकिन यह दिखाता है कि यह अभी हो रहा है।

रेमंड ने कहा, इन घटनाओं के होने का समय बढ़ेगा और इनके प्रभाव में आने वाले क्षेत्र का दायरा भी वैश्विक तापमान के सीधे समानुपात में बढ़ेगा। पूर्व में ऐसी अजीबोगरीब घटनाएं क्यों नहीं देखी गईं, इसका जवाब देते हुए वैज्ञानिकों ने कहा कि पूर्व के अध्ययनों में आम तौर पर बड़े इलाके में उष्मा और आर्द्रता के औसत को एक बार में कई घंटों तक मापा जाता था। हालिया अध्ययन में रेमंड और उनके सहकर्मियों ने 7877 मौसम केंद्रों से आए हर घंटे के आंकड़ों का सीधे अध्ययन किया, जिससे उन्हें छोटे इलाकों को प्रभावित करने वाले कम देर रहने वाले इन मौसमी दुष्चक्रों का भी सही पता लगाने में मदद मिली। अध्ययन के मुताबिक आर्द्रता ने उष्मा के प्रभाव को और बुरा बना दिया क्योंकि मानव पसीने के जरिए अपने शरीर को ठंडा रखता है। वैज्ञानिकों ने बताया कि त्वचा से निकला हुआ पानी शरीर की अतिरिक्त उष्मा को बाहर कर देता है और जब यह वाष्प बनता है तो उष्मा भी ले जाता है।यह प्रक्रिया रेगिस्तानी इलाकों में जहां अच्छे से काम करती है वहीं जिन इलाकों में आर्द्रता का स्तर अधिक रहता है वहां यह कम प्रभावी है क्योंकि हवा में पहले ही इतनी नमी होती है कि वह और अवशोषित नहीं करती। अनुसंधानकर्ताओं ने चेतावनी दी कि इसके फलस्वरूप पसीने का वाष्पीकरण धीमा हो जाता है और बेहद जटिल मामलों में यह बंद हो सकता है। उन्होंने बताया कि ऐसे मामलों में जब तक कोई वातानुकूलित कमरे में नहीं जाता तो शरीर के अंदर की उष्मा उसकी सीमा से भी ज्यादा हो जाती है और अंग काम करना बंद करने लगते हैं। अध्ययन में चेतावनी दी गई कि ऐसे में एक मजबूत और शारीरिक रूप से फिट व्यक्ति भी कुछ ही घंटों में मर जाएगा भले ही वह कपड़े उतार कर छांव में खड़ा हो और उसके पास पीने को पर्याप्त पानी भी हो। यह अध्ययन वेट बल्ब सेंटीग्रेड थर्मामीटर पर किया गया।

पुरुषों के रक्त में कोरोना वायरस से प्रभावित होने वाले अणुओं की संख्या ज्यादा : अध्ययन

एजेंसी। लंदन

एक नए अध्ययन के मुताबिक महिलाओं के मुकाबले पुरुषों के रक्त में ऐसे अणुओं की संख्या ज्यादा होती है जो आसानी से कोरोना वायरस के वाहक बन जाते हैं। इस अध्ययन के जरिए अब यह पता लगाना आसान होगा कि आखिरकार महिलाओं के मुकाबले पुरुष कोरोना वायरस से ज्यादा संख्या में क्यों संक्रमित हो रहे हैं और उनमें संक्रमण से मृत्यु दर क्यों ज्यादा है।यूरोपीय हार्ट जर्नल में प्रकाशित इस अध्ययन से पता चला है कि जो मरीज दिल का दौरा पड़ने के कारण एसीई और कुछ अन्य दवाएं ले रहे हैं, उनके रक्त में भी कोरोना वायरस के लिए वाहक एसीई2 एंजाइम की मात्रा कम है। नीदरलैंड के ग्रोनिंजेन विश्वविद्यालय से जुड़े इस अध्ययन के सह-लेखक एड्रियान वूर्स का कहना है, हमारा निष्कर्ष कोविड-19 मरीजों की उक्त दवाएं बंद करने की सलाह नहीं देता है, जैसा कि पहले के कई अध्ययनों में कहा गया है। इससे पूर्व आए अध्ययनों में यह कहा गया था कि उक्त दवाएं लेने से व्यक्ति के रक्त के प्लाजमा में एसीई2 की मात्रा बढ़ जाती है, ऐसे में हृदय रोग से पीड़ित लोगों के कोरोना वायरस से संक्रमित होने का खतरा बढ़ जाता है।हमारे अध्ययन के मुताबकि, ऐसा नहीं है। हालांकि हमने सिर्फ प्लाजमा में एसीई2 की सांद्रता पर ही अध्ययन किया है और हृदय उत्तकों और अन्य उत्तकों में इस एंजाइम की मात्रा को अध्ययन में शामिल नहीं किया है।वूर्स ने कहा, एसीई2 कोशिकाओं की झिल्ली पर लगे रिसेप्टर (ग्राही) हैं। यह कोरोना वायरस के साथ जुड़ जाते हैं और वायरस को अंदर प्रवेश कर स्वस्थ कोशिका को बीमार बनाने में मदद करते हैं।उन्होंने बताया कि फेफड़ों में एसीई2 ग्राहियों की संख्या बहुत ज्यादा होती है, इसलिए, ऐसा माना जा रहा है कि कोविड-19 के मरीजों को हो रही श्वसन और फेफड़े संबंधी परेशानियों में ये ग्राही महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

दक्षिक अफ्रीका में जुलु कबीले के मुखिया ने लोगों से लॉकडाउन के नियमों का पालन करने की अपील की

जोहानिस्बर्ग। दक्षिण अफ्रीका में सबसे बड़े कबायली समूह जुलु के मुखिया गुडविल ज़ेलिथिनि ने दक्षिण अफ्रीका के लोगों से कोरोना वायरस से निपटने के लिए लगाए गए देशव्यापी लॉकडाउन के नियमों का पालन करने की अपील की है।देश में कोविड-19 के मामले 10,000 के पार जा चुके हैं।ज़ेलिथिनि ने नोंगोमा में अपने आवास से रविवार को एक संबोधन में लोगों से सरकार और चिकित्सा विशेषज्ञों के निर्देशों का पालन करने की अपील कीइस कबीले में करीब 1.2 करोड़ लोग हैं, जो अधिकतर क्वाज़ूलू-नताल में रहते हैं।उनका यह बयान ऐसे समय में आया है, जब देश में लोगों के सामाजिक दूरी बनाने और मास्क पहनने जैसे महत्वपूर्ण नियमों का पालन ना करने को लेकर चिंता बढ़ गई है।ज़ेलिथिनि ने संबोधन में स्पैनिश फ्लू और द्वितीय विश्व युद्ध जैसी घटनाओं में जनता की भूमिका का जिक्र किया।उन्होंने कहा, उस संकट के समय जो लोग थे वे मरे नहीं बल्कि कहानी सुनाने के लिए जिंदा रहे। हम आने वाली पीढ़ियों के लिए इस दुनिया को बचा सकें,यह सुनिश्चित करने के लिए भी हमें इन दिशा निर्देशों का पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध के समय तो देश बंटे हुए थे लेकिन इस महामारी में सब एक साथ हैं।उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा और उनके मंत्रिमंडल द्वारा संकट के समय किए जा रहे कामों की सराहना भी की। वहीं स्वास्थ्य मंत्री ज्वेली ने कोविड-19 से निपटने के लिए ज़ेलिथिनि के प्रांत में किए जा रहे कार्यों की सराहना की थी।इस बीच, ज्वेली ने बताया कि देश में कोविड-19 से जान गंवाने वाले लोगों की संख्या 194 हो गई है और इसके मामले बढ़कर अब 10,012 हो गए हैं।मंत्री ने कहा, हम मरीजों के ठीक होने की दर से खुश हैं। नौ मई 2020 तक 4,173 लोग ठीक हो चुके थे।

क्विक न्यूज

सिंगापुर में कोरोना वायरस के 486 नए मामले सामने आए

सिंगापुर। सिंगापुर में कोरोना वायरस संक्रमण के 486 नए मामले सामने आने के बाद मामलों की कुल संख्या बढ़कर 23,822 हो गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय ने बताया कि जो नए मामले सामने आए है उनमें सिंगापुर के केवल दो नागरिक और स्थाई निवासी (विदेशी) शामिल है जबकि शेष विदेशी कर्मचारी है। इन मामलों को मिलाकर देश में मामलों की कुल संख्या 23,822 हो गई है।संक्रमित लोगों में ज्यादातर डोरमेट्री में रहने वाले विदेशी नागरिक है। डोरमेट्री एक ऐसे बड़े कमरे को कहते है, जिनमें ज्यादा संख्या में बिस्तर लगे होते है और उसमें रहने वाले लोगों के लिए एक साझा शौचालय होता है। मंत्रालय ने बताया कि रविवार तक इस महामारी से 2,715 मरीज पूरी तरह से स्वस्थ हो चुके है। अब तक कोविड-19 से 20 लोगों की मौत हुई है और इस वायरस से संक्रमित पाए गए छह अन्य की मौत अन्य कारणों से हुई है।

ईरान की मिसाइल अपने ही पोत पर गिरी, 19 नाविकों की मौत

तेहरान। ओमान की खाड़ी में सैन्य अभ्यास के दौरान ईरानी नौसेना के पोत पर दुर्घटनावश उसकी अपनी ही एक मिसाइल गिरने से 19 नौसैनिकों की मौत हो गई और 15 अन्य घायल हुए है।ईरान की सेना ने यह जानकारी दी। सरकारी टेलीविजन की खबर के अनुसार घटना रविवार को जसक के बंदरगाह के पास हुई सैन्य अभ्यास के दौरान मिसाइल हेंडिजन-क्लास सपोर्ट पोत कोणार्क पर जा गिरी।

कोविड-19: नेपाल में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 120 हुई

काठमांडू। नेपाल मे कोरोना वायरस के दस नए मामले सामने आए है जिसके बाद देश मे संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 120 हो गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को यह जानकारी दी। नेपाल उन राष्ट्रों में शामिल है जहां कोविड-19 के न्यूनतम मामले सामने आए है और इस बीमारी से एक भी व्यक्ति की मौत नही हुई है। स्वास्थ्य एवं जनसंख्या मंत्रालय के अनुसार ताजा सामने आए मामलों में पश्चिम नेपाल के कपिलवस्तु जिले के 10 व्यक्ति संक्रमण के शिकार हुए है। नेपाल में कोविड-19 के 89 मरीजों का इलाज चल रहा है जबकि 31 उपचार के बाद स्वस्थ हो चुके हैं।

चीन-भारत सीमा संघर्षः चीन ने कहा कि उसके सैनिक शांति कायम रखने के लिए प्रतिबद्ध

बीजिंग। चीन और भारत के सैनिकों के बीच हाल में हुए संघर्ष पर चीन ने सोमवार को सधी प्रतिक्रिया जताई और कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों में उसके सैनिक शांति और धैर्य बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियान से जब यहां हाल में हुए संघर्ष के बारे में पूछा गया तो उन्होंने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि दोनों देशों को अपने मतभेदों को ठीक तरीके से सुलझाना चाहिए। उन्होंने कहा, चीन की सीमा पर तैनात सैनिकों ने हमारे सीमावर्ती इलाकों में हमेशा शांति और धैर्य बनाए रखा है। सीमा मामलों को लेकर चीन और भारत मौजूदा व्यवस्था के तहत एक-दूसरे से अक्सर संवाद और समन्वय करते हैं। कोविड-19 महामारी फैलने के बाद पांच-छह मई को उग्र रूख के बारे में पूछने पर झाओ ने कहा, संबंधित अवधारणा आधारहीन है। उन्होंने कहा, यह वर्ष भारत और चीन के बीच राजनयिक संबंधों का 70वां वर्ष है और दोनों देशों ने कोविड-19 से मिलकर लड़ने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, इन परिस्थितियों में दोनों पक्षों को मिलकर काम करना चाहिए और मतभेदों को उचित तरीके से निपटाना चाहिए और सीमावर्ती क्षेत्र में शांति और स्थिरता कायम रखनी चाहिए ताकि हम अपने द्विपक्षीय संबंधों के लिए अनुकूल माहौल बनाने के साथ ही कोविड-19 के खिलाफ एकजुट होकर लड़ सकें। कोरोना वायरस महामारी के बाद चीन के रूख में किसी तरह के बदलाव पर रिपोर्ट को खारिज करते हुए झाओ ने कहा, कोविड-19 के प्रसार के बाद से ही चीन और भारत के बीच परस्पर संवाद और सहयोग जारी है ताकि चुनौतियों से मिलकर मुकाबला किया जा सके। पूर्वी लद्दाख और उत्तर सिक्किम के नाकू ला दर्रे के पास हाल में भारत और चीन के सैनिकों के बीच तीखी झड़पें हुई थीं जिसमें दोनों पक्षों के कई सैनिक जख्मी हो गए थे।

ईराकः बगदाद में सरकार विरोधी प्रदर्शन करती महिलाएं

काठमांडू में लाकडाउन को लेकर प्रदर्शन करते नेपाली छात्र

हांगकांग पुलिस ने 200 से अधिक प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया

एपी। हांगकांग

हांगकांग में रविवार रात सरकार विरोधी प्रदर्शनों में 200 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस ने एक बयान में कहा कि 12 से 65 वर्ष के बीच के 230 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इन लोगों को गैरकानूनी तरीके से इकट्ठा होने, ऐसा कोई सामान लिए होना जिसका मकसद संपत्ति को नुकसान पहुंचाना हो और पहचान पत्र नहीं दिखा पाने जैसे अनेक आरोपों के आधार पर पकड़ा गया है।बयान में कहा गया है कि 19 लोगों को रोग नियंत्रण एवं रोकथाम अधिनियम का उल्लंघन करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। बयान में आगे कहा गया है कि प्रदर्शनकारियों ने पुलिस अधिकारियों को घेर लिया था जिसके बाद भीड़ को तितर बितर करने के लिए पुलिस ने काली मिर्च पाउडर की गोलियां चलाईं।इसमें कहा गया, पुलिस सरकार के रोग नियंत्रण एवं रोकथाम उपायों का उल्लंघन करने हुए सुनियोजित तरीके से समूह में इकट्ठा होने की निंदा करती है। पुलिस ने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने नारे लगाए और हांगकांग के मेंगकॉक जिले की ओर जाने वाले मार्ग में अवरोधक लगा दिए। उन्होंने कुछ सड़कों में आग भी लगा दी।प्रदर्शनकारी इस अर्ध स्वायत्त चीनी क्षेत्र में लोकतंत्र की स्थापना और प्रदर्शनों को दबाने के लिए पुलिस की कथित बर्बरता की जांच की मांग कर रहे हैं। गौरतलब है कि पिछले वर्ष भी यहां बड़े पैमाने में विरोध प्रदर्शन हुए थे।

वुहान में संक्रमण के छह नए मामले, स्थानीय अधिकारी निलंबित

भाषा। बीजिंग

चीन में कोरोना वायरस संक्रमण का केन्द्र रहे वुहान शहर में 30 दिन से ज्यादा समय के बाद संक्रमण के छह नए मामले सामने आने पर एक स्थानीय अधिकारी को खराब प्रबंधन के सिलसिले में बर्खास्त कर दिया गया है। सरकारी समाचार समिति शिन्हुआ ने अपनी एक खबर में बताया कि सत्तारूढ़ चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के चांगक्विंग स्ट्रीट कार्यसमिति के सचिव झांग यूजिन को वुहान के सनमिन आवासीय समुदाय में संक्रमण के मामले सामने आने के बाद पद से हटा दिया गया है।कोरोना वायरस संक्रमण के ए सभी मामले सनमिन आवासीय समुदाय में पाए गए हैं। खबर में कहा गया है कि झांग को आवासीय परिसर का सही प्रकार से प्रबंधन नहीं कर पाने की वजह से पद से हटाया गया है। इस स्थान में पहले संक्रमण के 20 मामले सामने आए थे। वुहान में संक्रमण के पांच नए मामले रविवार को और एक मामला शनिवार को सामने आया। यहां 35 दिन से संक्रमण का कोई नया मामला सामने नहीं आया था। चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग के अनुसार रविवार को देश में संक्रमण के 17 नए मामले सामने आए हैं जिनमें से सात मामले विदेश से आए लोगों से जुड़े हैं। इसी के साथ देश में संक्रमण के मामले बढ़ कर 82,918 हो गए हैं।

कोविड-19ः पाकिस्तान में 13 मई तक घरेलू उड़ानें निलंबित

भाषा। इस्लामाबाद,

पाकिस्तान ने कोविड-19 महामारी को फैलने से रोकने के लिए घरेलू उड़ान सेवा 13 मई तक के लिए निलंबित कर दी है। देश में अब तक कोविड-19 से 667 लोगों की मौत हो चुकी है और तीस हजार से अधिक लोग संक्रमण के शिकार हो चुके हैं। पाकिस्तान नागर विमानन प्राधिकरण (पीसीएए) ने उड़ानों पर प्रतिबंध बुधवार तक बढ़ा दिया है। इससे पहले यह प्रतिबंध 10 मई तक था। पीसीएए ने कल देर रात ट्वीट किया, पाकिस्तान सरकार के फैसले के अनुसार घरेलू उड़ानों के परिचालन के निलंबन की अवधि बुधवार, 13 मई 2020 तक बढ़ा दी गई है। उड़ानों के निलंबन संबंधी बाकी प्रावधान पहले की तरह लागू रहेंगे। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा मंत्रालय के अनुसार पिछले 24 घंटे में कोविड-19 के।,476 मामले सामने आए हैं। मंत्रालय ने बताया कि इसी दौरान महामारी से 28 लोगों की मौत हो गई जिसके बाद पाकिस्तान में कोविड-19 से मरने वालों की संख्या बढ़कर 667 पर पहुंच गई। पाकिस्तान में अब तक कोविड-19 से ग्रस्त हुए 8,212 लोग उपचार के बाद ठीक हो चुके हैं।

'यदि आप ट्रोल होते हो, तो आप फेमस हो'

टिकटॉक पर फैजू नाम से प्रसिद्ध फैज़ल शेख़ ने पायनियर संवाददाता शालिनी सक्सेना के साथ एक बातचीत में अपने नए गाने, भावी कंटेंट और डब्लूएचओ के साथ अपने गठजोड़ के बारे में बताया-

◆ अपने बारे में कुछ बताइये...

मैं टिकटॉक स्टार हूं और इस प्लेटफॉर्म पर लोगों की मानसिकता में परिवर्तन लाने के लिए वीडियो बनाता हूं। वर्तमान में मेरे 26 मिलियन प्रशंसक हैं। इंस्टाग्राम पर भी मेरे 11 मिलियन फॉलोअर हैं। मेरा काम ऐसे वीडियो बनाना है जिसमें निहित संदेश से लोगों को प्रेरित किया जा सके।

◆ मुझे पता चला है कि अब आप नई कंटेंट पर काम कर रहे हैं? ये किस बारे में है?

मैंने अभी टी सीरीज़ के यूट्यूब चैनल के लिए एक गाना पूरा किया है जिसका शीर्षक 'बेवफई' है। ये गाना हाल ही में रिलीज़ हुआ है और वर्तमान में इसे 16 मिलियन लोग देख चुके हैं। इसके अलावा मैंने एक और गाना 'एअरोप्लेन' जिसमें मैं स्वयं उपस्थित हूं। मैं या तो वीडियो बनाता हूं या फिर गाने में मैं स्वयं रहता हूं।

◆ आपका समूह 'टीम 07' क्या काम करता है?

मैं यहां यही बताना चाहता हूं कि नं. 07 मेरे लिए लकी रहा है। ये समूह पिछले छः -7 सालों से है और इसके पांच सदस्य हैं। हमारे बीच अच्छी निभती है और हम मिलकर काम करते हैं और यही कारण है कि लोगों को हमारी पोस्ट की गई कंटेंट प्रिय है।

◆ आपने टिकटॉक पर ही आना क्यों उचित समझा?

सामान्यतः लोग सोशल मीडिया पर किसी घटना को साझा करने के लिए ही आते हैं। लेकिन मेरे साथ ऐसा कुछ हुआ ही नहीं। तीन साल पहले जब मैं कॉलेज में था, उस समय भी मैं 'डस्टमैच' के लिए कंटेंट वीडियो बनाया करता था क्योंकि उस समय टिकटॉक हुआ ही नहीं करता था। हम उसके लिए 15 सेकेंड की डबिंग भी रखा करते थे। ये मुझे और लोगों को अच्छा लगता था। इसके बाद म्यूज़िकल.एलवाई ऐप आया और हमनें उसपर भी कंटेंट पोस्ट की। इसके बाद हमनें कंटेंट में ही संदेश देना प्रारंभ कर दिया।

◆ आप हमें कोविड19 पर वीडियो अपलोडिंग के बारे में बताइये...

आजकल तो हम सभी वीडियो कोविड-19 पर ही कर रहे हैं। ये अधिकांशतः हाथा धोने के ढंगों पर होते थे। इसमें हम डब्लूएचओ के सहयोग से भी वीडियो डाला करते थे कि किस प्रकार से हमें हाथों को 20 सेकेंड तक साबुन से धोना चाहिये। इसके अलावा अन्य वीडियो बिजली बचाने पर हैं। इस वीडियो में मैं घर पर हूं लेकिन फिर भी सभी बल्ब जल रहे हैं जबकि उस स्थान पर दिन का पर्याप्त उजाला है। मैं वो सभी बल्ब बंद करके बाहर दिन के उजाले का आनंद लेता दिखाई देता हूं।

◆ मुझे पता चला है कि आपको डब्लूएचओ ने संपर्क किया है। किसलिये?

इंस्टा पर मेरे अनेक व्यूज़ और रिव्यूज़ हैं। यही कारण है कि लॉकडाउन प्रारंभ होने से ठीक पहले उन्होंने हाथ धोने के वीडियो के लिए मुझसे संपर्क किया। मैंने एक ब्लॉग भी बनाया है जिसमें मैं लोगों को परिवार के भीतर और मित्रों से भी सामाजिक दूरी रखने का आग्रह करता दिखाई देता हूं।

◆ हाल ही में टिकटॉक की बहुत आलोचना हुई थी। क्या सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स का बुद्धिमत्तापूर्ण उपयोग करने की आवश्यकता नहीं प्रतीत होती?

यदि लोग टिकटॉक पर कोविड-19 के बारे में भ्रांतिपूर्ण सूचना के प्रसार के लिए वीडियो पोस्ट करते हैं तो ये उचित नहीं है। टिकटॉक पर आधिकारिक वीडियो बनाने वाला आपको आपको इसके उद्देश्य और सामग्री के बारे में भी बताएगा। वो सदैव सकारात्मक संदेश ही पोस्ट करेगा। कई अनधिकृत और फर्जी आईडी वाले लोग भी इसपर वीडियो बनाकर त्रुटिपूर्ण संदेश प्रसारित कर रहे हैं जो उचित नहीं है।

◆ लगभग सभी सिलेब्रिटीज़ को सोशल मीडिया पर ट्रोल किया जाता है। आप इसपर क्या कहना चाहते हैं?

जिन सिलेब्रिटीज़ को सोशल मीडिया पर ट्रोल किया जाता है वे लोकप्रिय हो रहे है। ये मेरे साथ भी होता रहा है। वास्तव में मेरे प्रथम वीडियो पोस्ट पर ही मुझे ट्रोल किया गया और ये वायरल हुआ था।

श्रेया घोषाल सिंगिंग के बाद की कंपोजिंग

फेमस गायिका श्रेया घोषाल के बारे में सदैव उनके गायन पर ही बात होती है। लेकिन कम लोगों को पता है कि वो कंपोज़िग भी करती हैं। कोरोना वायरस संबंधी राष्ट्रव्यापी बंदी के ठीक पहले उन्होंने एक सिंगल रिलीज़ किया था जिसका नाम 'ना वो मैं' था। उन्होंने बताया, 'मैं इसे बाद में रिलीज़ करना चाहती थी लेकिन पता नहीं लॉकडाउन कब तक चलेगा।

यही कारण है कि इसे मैंने अपने यूट्यूब चैनल पर रिलीज़ कर दिया है। इसे मैंने और मेरे भाई ने मिलकर बनाया है। इस लॉकडाउन के दौरान वो अधिक से अधिक कंटेंट बनाकर अपने यूट्यूब चैनल पर पोस्ट करना चाहती हैं। उनका कहना था, 'मैं कुछ सामग्री पर काम कर रही हूं। अच्छे गाने के लिए कुछ तो समय लगता ही है। मैं जन्मजात गीतकार नहीं हूं।'

अर्जुन कपूर ने हिंदी सिनेमा में पूरे किए आठ साल

हिंदी सिनेमा के युवा अभिनेता अर्जुन कपूर ने अपने करियर की शुरुआत आज से आठ साल पहले आई फिल्म 'इशकजादे' से की है। हबीब फैजल के निर्देशन में बनी इस फिल्म में वह परिणीति चोपड़ा के साथ नजर आए थे।

इस फिल्म ने अर्जुन कपूर को सफलता तो दिलाई ही, साथ ही उन्हें इस फिल्म से बहुत कुछ सीखने को भी मिला। पुरानी यादों को ताजा करते हुए अर्जुन कहते हैं, 'शूटिंग के पहले दिन से ही मैंने कड़ी मेहनत करना शुरू कर दिया था। मैं हबीब सर को वह देना चाहता था जो वह चाहते थे। जब आप एक फिल्म बनाते हैं, तो आप परिणाम की परवाह नहीं करते हैं। उस वक्त आप सिर्फ कड़ी मेहनत करना चाहते हैं और कैमरे के सामने अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहते हैं।'

इस फिल्म ने अर्जुन कपूर को खुद पर विश्वास करना सिखाया। अर्जुन कहते हैं, 'जब मैंने इस फिल्म को पूरा किया, और फिर जब मैंने उसको देखा तो मुझे अंदर से महसूस हुआ कि मैं अब कैमरे के सामने खुद को रख पाने की क्षमता रखता हूं। इस भावना ने मुझे आत्मविश्वास दिया। मुझे यह भरोसा हो गया था कि मैं अगर ऐसे ही काम करता रहा तो जल्दी ही एक मुख्य कमर्शियल हीरो बन सकता हूं।

वह ऐसा वक्त था जब मेरे लिए आत्मविश्वास बहुत ज्यादा मायने रखता था। यह चीज मैंने फिल्म 'इशकजादे' से ही पाई है।

यशराज फिल्म्स के बैनर तले बनी यह एक रोमांटिक एक्शन ड्रामा फिल्म रही। इसमें अर्जुन कपूर का किरदार ना तो पूरी तरह हीरो वाला है और ना ही एक विलेन वाला है। अर्जुन बताते हैं, 'अगर आप मुझसे पूछोगे तो फिल्मों में मेरी शुरुआत बिल्कुल

'शूटिंग के पहले दिन से ही मैंने कड़ी मेहनत करना शुरू कर दिया था। मैं हबीब सर को वह देना चाहता था जो वह चाहते थे। जब आप एक फिल्म बनाते हैं, तो आप परिणाम की परवाह नहीं करते हैं। उस वक्त आप सिर्फ कड़ी मेहनत करना चाहते हैं और कैमरे के सामने अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहते हैं।'

वैसी नहीं थी जैसी एक शुरुआती कलाकार के लिए होती है। मेरा किरदार परम चौहान एक ऐसा इंसान है जो वास्तव में आज के समाज में भी अपना अस्तित्व रखता है।

उसके जैसे बहुत से लोग आज भी समाज में मिल जाएंगे। वह जोया से प्यार करता है इसलिए वह उन कामों को भी करता है जो वह नहीं करना चाहता।' बता दें कि आदित्य चोपड़ा के निर्माण में बनी इस फिल्म में परिणीति चोपड़ा, अर्जुन कपूर, गौहर खान, अनिल रस्तोगी, शशांक खेतान जैसे कलाकार मुख्य भूमिकाओं में नजर आए थे।

अदा शर्मा स्वयं को मानती हैं लकी

लोकप्रिय अभिनेत्री अदा शर्मा का कहना है कि 'ये सही है कि फिल्मों के चयन के संबंध में मैं सावधान रहती हूं। मैं केवल उन्हीं फिल्मों को हिस्सा बनना पसंद करती हूं जिन्हें मैं स्वयं देखना चाहती हूं। मैं अनवरत रूप से विविधतापूर्ण भूमिकाएं करना चाहती हूं। मैंने 1920 से पदार्पण किया था। ये मेरा सौभाग्य था। कई अभिनेत्रियों को जीवन भर वैसा काम नहीं मिलता जैसे काम से मेरा पदार्पण हुआ था।'

फिल्म के लिए भार कम करेंगे रांझा विक्रम सिंह

रांझा विक्रम सिंह टाइगर श्रॉफअभिनीत हीरोपंती में काम कर चुके हैं। वो मोटे व्यक्ति हैं लेकिन अब 'फौजी कॉलिंग' नामक फिल्म में अपनी भूमिका के लिए वो अपने भार में कमी लाने के लिए प्रयासरत हैं। सैनिक के रोल के लिए वो अब केवल दृव्य भोजन पर ही चल रहे हैं। उन्होंन बताया, 'किसी भी अभिनेता के लिए उसके चरित्र की लुक उसकी तैयारी का बड़ा हिस्सा होता है। और भारतीय सेना के सैनिक का चरित्र करना अतिरिक्त दायित्व हो जाता है। यही कारण है कि अपने भार को कम करने के लिए मुझे दृव्य भोजन पर रखा गया है।' फिल्म का निर्देशन आर्यन सक्सेना ने किया है। फिल्म में एक सैनिक के परिवार की कहानी दिखाई गई जिसने अपना जीवन कर्तव्य मार्ग पर न्योछावर कर दिया था। इसमें शर्मन जोशी भी भूमिका निभाते दिखाई देंगे।

कोविड 19 हेतु फंडरेजिंग करेंगे क्रिस इवांस

कैप्टेन अमेरिका के अभिनेता क्रिस इवांस ने नोवेल कोरोना वायरस के विरुद्ध संघर्ष के लिए फंड जुटाने के क्रम में इंस्टाग्राम ज्वाइन किया है।

इवांस ने बताया कि वो 'ऑल इन चैलेंज' में हिस्सा लेंगे। इसे कोविड 19 महामारी के चलते भुखमरी के विरुद्ध संघर्ष हेतु लॉन्च किया गया है।

अपने डेब्यू वीडियो में इवांस ने बताया, 'ये मुझसे और मेरे पांच अन्य मित्रों से मिलने का अवसर है।' इसमें उन्होंने अपने एवेंजर्स के अन्य कलाकारों-रॉबर्ट डाउनी जूनियर, क्रिस हेम्सवर्थ, स्कार्लेट जोहांसन, मार्क रफलो और जेरेमी रेनर का भी नाम रखा है। क्रिस ने बताया, 'इसमें संक्षिप्त प्रश्नोत्तरी भी होगी और आप कुछ भी पूछने के लिए स्वतंत्र होंगे। हम वो बताएंगे। इसके बाद कुछ खेल भी हो सकते हैं।'

दो बच्चों को मैनेज करना कठिन काम - शिल्पा शेट्टी

बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी कुंद्रा को खुशी है कि लॉकडाउन के बीच उन्हें अपने बच्चों के साथ समय बिताने को मिल रहा है। बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी कुंद्रा को खुशी है कि लॉकडाउन के बीच उन्हें अपने बच्चों के साथ समय बिताने को मिल रहा है। हालांकि उनका यह भी कहना है कि अपने बच्चों का दिन भर मनोरंजन करना एक कठिन काम है।

शिल्पा ने कहा, मेरे अनियमित काम के कारण, मैं आभारी हूं कि लॉकडाउन ने मुझे अपने परिवार, विशेष रूप से अपने बच्चों के साथ बिताने के लिए अधिक समय दिया है, इसलिए मैं शिकायत नहीं कर सकती।

वियान और समिशा की मां व अभिनेत्री ने आगे कहा, लेकिन, मैं इस बात से सहमत हूं कि कभी-कभी दो बच्चों को मैनेज करना और अपने सात साल के बच्चे का दिन भर मनोरंजन करना एक कठिन काम होता है, हम सिर्फ सप्ताहांत में बहुत सख्त होते हैं।

ज्यादातर बॉलीवुड मॉम शिल्पा से सहमत होंगी। जेनेलिया देशमुख ने कहा, एक मां होने के नाते कभी-कभी थकावट होती है, और वर्तमान स्थिति में और भी अधिक।

..जब जाह्नवी नहीं चाहती थीं मां का गले लगाना खुशी से साझा करना

अभिनेत्री जाह्नवी कपूर ने बचपन की एक तस्वीर साझा की है, जिसमें वह अपनी दिवंगत मां व दिग्गज अभिनेत्री श्रीदेवी और बहन खुशी के साथ नजर आ रही हैं। इंस्टाग्राम स्टोरीज पर शेयर की गई तस्वीर में नन्ही खुशी मां की गोद में हैं, जबकि जाह्नवी थोड़ी दूर खड़ी हैं। जाह्नवी ने तस्वीर के साथ लिखा, थ्रोबैक.जब मैं मां का हग (गले लगाना) भी खुशी के साथ शेयर नहीं करना चाहती थी। फिल्मों की बात करें तो जाह्नवी की झोली में फिलहाल गुंजन-सक्सेना द कारगिल गर्ल, रूही आफजा, तख्त और दोस्ताना 2 जैसी फिल्में हैं।

ऋषि कपूर चाहते थे, आलिया से नहीं बल्कि आर्यन से होनी चाहिए थी रणबीर की शादी

अब शादी होगी या नहीं इसके बारे में फिलहाल कोई जानकारी नहीं हैं। आलिया और रणबीर पिछले दो साल से रिलेशनशिप में हैं दोनों अप्रैल 2020 में शादी करने वाले थे लेकिन लॉकडाउन के कारण शादी को दिसंबर तक के लिए टाल दिया गया था।

ये बाद तो अब हर कोई जानता है कि बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट और रणबीर कपूर रिलेशनशिप में हैं। दोनों की दिसंबर में शादी भी होने वाली थी लेकिन रणबीर कपूर के पिता और बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता ऋषि कपूर का स्वर्गवास हो गया। अब शादी होगी या नहीं इसके बारे में फिलहाल कोई जानकारी नहीं हैं। आलिया और रणबीर पिछले दो साल से रिलेशनशिप में हैं दोनों अप्रैल 2020 में शादी करने वाले थे लेकिन लॉकडाउन के कारण शादी को दिसंबर तक के लिए टाल दिया गया था।

ऋषि कपूर ने अपने एक इंटरव्यू में कहा था कि वह अपनी आंखों के सामने रणबीर की शादी देखना चाहता हूं। रणबीर 35 के हो गये हैं मैं उनपर कोई दबाव नहीं बनाना चाहता शादी को लेकर, लेकिन मैंने 27 में शादी कर ली थी इस लिए चाहता हूं रणबीर भी जल्द ही शादी कर लें। आलिया भट्ट के बारे में बाद करते हुए उन्होंने कहा था कि दोनों एक दूसरे के साथ है ये बात किसी से छुपी नहीं हैं। ऋषि दिल से चाहते थे कि दोनों की शादी जल्द हो जाए।

ऋषि कपूर ने मजाकिया अंदाज में कहा था कि जिस तरह से ये दोनों साथ रहते हैं मुझे लगता है रणबीर को आर्यन मुखर्जी से ही शादी कर लेनी चाहिए। ऋषि कपूर का ये ट्वीट उनके निधन के बाद सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा था।

इसके अलावा ऋषि कपूर ने एक बार अपने सोशल मीडिया पर रणबीर कपूर और निर्देशक आर्यन मुखर्जी की एक तस्वीर पोस्ट की थी जिसमें रणबीर और आर्यन साथ खड़े हुए हैं। इस तस्वीर को पोस्ट करते हुए ऋषि कपूर ने मजाकिया अंदाज में कहा था कि जिस तरह से ये दोनों साथ रहते हैं मुझे लगता है रणबीर तो आर्यन मुखर्जी से ही शादी कर लेनी चाहिए। ऋषि कपूर का ये ट्वीट उनके निधन के बाद सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा था।

आपको बता दें कि 30 अप्रैल 2020 को सुबह 8.45 पर बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता ऋषि कपूर का निधन हो गया था। ऋषि कपूर पिछले दो साल से कैंसर की बीमारी से जूझ रहे थे। हाल ही में कैंसर का इलाज करवा कर ऋषि भारत लौटे थे।

वरुण धवन को रास आया लॉकडाउन

अभिनेता वरुण धवन आजकल सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहते हैं। उन्होंने खुलासा किया कि उन्हें लॉकडाउन पसंद है। युवा अभिनेता ने सोमवार को इंस्टाग्राम पर अपनी एक ब्लैक-एंड-व्हाइट तस्वीर शेयर किया, जिसमें वह कांच की गेट पर अपनी उंगली फेरते नजर आ रहे हैं। इंटाग्राम पर फोटो अपलोड होते ही वरुण के प्रशंसकों की प्रतिक्रियाएं आने लगीं। उनकी पोस्ट पर टिप्पणी करते हुए, एक प्रशंसक ने लिखा, और हम आपको प्यार करते हैं। फोटो शेयरिंग वेबसाइट पर अब तक इस तस्वीर को 7.2 लाख से भी अधिक लाइक्स मिल चुके हैं। वरुण अब अपने पिता डेविड धवन की फिल्म कुली नं 1 में नजर आएंगे। इसमें उनके साथ पहली बार सारा अली खान दिखेंगी। पहले यह फिल्म 1 मई को रिलीज होनी थी, लेकिन लॉकडाउन के कारण रुकी हुई है।